ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा : जोशी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 11 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-160

भारत सरकार की उपेक्षा और दोयम दर्जे के व्यवहार से क्षुब्ध है लद्दाख

लद्दाख को दूसरा कश्मीर बनने पर विवश कर रही मोदी सरकार

दीनबंधु कबीर
लेह, 10 जून।

भारत सरकार की उपेक्षा और दोयम दर्जे के व्यवहार से सम्पूर्ण लद्दाख क्षुब्ध है और भीषण आक्रोश में है। मोदी सरकार की यह उपेक्षा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को दूसरा अस्थिर और अराजक कश्मीर बनने पर विवश कर रही है। लद्दाख के लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार लद्दाखियों की समग्र सुरक्षा और संरक्षा पर कतई ध्यान नहीं दे रही है जबकि लद्दाख के गैर-जरूरी मुद्दों को लेकर पतंग उड़ा रही है।

लद्दाख के नेताओं के साथ कई दौर की बातचीत के बाद, केंद्र ने लद्दाख के लिए नई अधिवास और नौकरी आरक्षण नीति की घोषणा की। भूमि, संसाधनों और रोजगार के अवसरों पर नियंत्रण खोने वाले मूल निवासियों ने पिछले पांच वर्षों में लद्दाख में लगातार विरोध प्रदर्शन किया था। स्थानीय निवासियों के लिए अधिकांश सरकारी नौकरियों को आरक्षित करके और लद्दाख का निवासी कौन हो सकता है, इस पर विस्तृत प्रतिबंध लगाकर, नरेंद्र मोदी सरकार ने लद्दाखियों की मांगों को संबोधित करने की कोशिश जरूर की, लेकिन लद्दाख के लोगों का कहना है कि समाधान तक पहुंचने का यह केंद्र सरकार का पहला कदम था। इसके बाद केंद्र ने कदम रोक लिया।

लद्दाख के वरिष्ठ नेता और लेह एपेक्स बॉडी के अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने कहा, लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा से जुड़े हमारे दो मुख्य मुद्दे अभी भी लंबित हैं। लेह एपेक्स बॉडी उन दो निकायों में से एक है जिन्होंने लद्दाख के लोगों की ओर से केंद्र सरकार के साथ बातचीत की थी। अभी तक उन मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई है। दोरजे ने कहा, मुख्य मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं। लद्दाखी नेतृत्व ने छठी अनुसूची के रूप में एक संवैधानिक गारंटी मांगी थी, जो देश के आदिवासी क्षेत्रों के लिए भूमि पर सुरक्षा और नाममात्र की स्वायत्तता की गारंटी देती है। लद्दाख में 97 प्रतिशत से अधिक आबादी अनुसूचित जनजातियों की है।

चेरिंग दोरजे

लद्दाख के नेताओं ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नए नियमों में लद्दाख में बाहरी लोगों के जमीन खरीदने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। यह लद्दाख के लिए दुखद और अवांछित है। जब नई दिल्ली ने अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को एक पृथक केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला किया, तो लेह में खुशी की लहर दौड़ गई थी। लेकिन लद्दाख के लोगों ने इस क्षेत्र में अचल संपत्ति के मालिक होने और सरकारी नौकरी पाने के

लद्दाखियों की समग्र सुरक्षा और संरक्षा पर ध्यान नहीं दे रहे मोदी

अपने विशेषाधिकार खो दिए। अगस्त 2021 में, करगिल और लेह दोनों क्षेत्रों ने लद्दाख के लिए केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा स्वीकार करने से इन्कार कर दिया और पूर्ण राज्य का दर्जा मांगा। 2022 तक, गैर-स्थानीय लोगों को लद्दाख में जमीन के मालिकाना हक और नौकरी पाने के लिए पात्र होने की बढ़ती चिंता ने लद्दाख के नेतृत्व की चार मांगों को जन्म दिया। ये मांगें थीं, लद्दाख को राज्य का दर्जा, संविधान की छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपाय, लेह और करगिल जिलों के लिए अलग-अलग लोकसभा सीटें, लद्दाख के लिए एक भर्ती प्रक्रिया और एक अलग लोक सेवा आयोग की शुरुआत।

केंद्र सरकार के 2 जून के फैसले में आंशिक रूप से उन मांगों को संबोधित किया गया है। नए नियमों के तहत, केवल वही व्यक्ति केंद्र शासित प्रदेश का निवासी होने के योग्य होगा जो 31 अक्टूबर 2019 को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में इसके गठन के बाद से 15 साल की अवधि के लिए लद्दाख में निवास कर रहा हो। एक व्यक्ति जिसने 31 अक्टूबर 2019 से सात साल की अवधि के लिए अध्ययन किया है और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश में स्थित एक शैक्षणिक संस्थान में कक्षा 10 या कक्षा 12 की परीक्षा दी है, वह भी निवासी होने के योग्य है। हालांकि, अधिवास नियम केवल लद्दाख सिविल सेवा विकेंद्रीकरण और भर्ती में परिभाषित लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश के तहत पदों पर नियुक्ति के उद्देश्य के लिए वैध है।

केंद्र ने आरक्षण नीति में संशोधन के लिए एक अध्यादेश भी लाया। इसके अनुसार, लद्दाख में 85 प्रतिशत नौकरियां और व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में प्रवेश केंद्र शासित प्रदेश के निवासियों के लिए आरक्षित होंगे। इसमें अनुसूचित जनजातियों के लिए 80 प्रतिशत आरक्षण, नियंत्रण रेखा या वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ रहने वालों के लिए 4 प्रतिशत और अनुसूचित जातियों के लिए 1 प्रतिशत आरक्षण शामिल है। यह आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मिलने वाले 10 प्रतिशत आरक्षण के अतिरिक्त है। इससे पहले, जम्मू और कश्मीर में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत थी, जिसका लद्दाख एक हिस्सा था। लेह एपेक्स बॉडी के नेता दोरजे ने स्वीकार किया कि केंद्र सरकार ने रोजगार संबंधी असुरक्षाओं को दूर करने की कोशिश की है। लेकिन इसमें और कुछ नहीं है। केंद्र के साथ बातचीत में करगिल जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले समूह करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रतिनिधि सज्जाद करगिली डोमिसाइल नीति से असंतुष्ट हैं।

▶10पर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया से दो-टूक कहा

आतंकियों के साथ आतंकी ढांचों का खत्म होना जरूरी

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकियों के साथ-साथ आतंकी ढांचों को खत्म करना जरूरी है। पूरी दुनिया में पाकिस्तान को बेनकाब करना जरूरी हो गया है। यह बात पूरी दुनिया के सामने आ रही है कि पाकिस्तान को फंडिंग का मतलब है कि आतंकवाद को फंडिंग। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान को मिलने वाली विदेशी आर्थिक मदद को बंद करना होगा। आतंकवाद को खाद-पानी नहीं मिलना चाहिए। इसमें संयुक्त राष्ट्र की भूमिका अहम है, लेकिन उसके निर्णयों पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

पाकिस्तान को आतंकवाद विरोधी समिति में उपाध्यक्ष बनाया गया है। यह बिल्ली से दूध की रखवाली करवाने वाली बात है। इससे बड़ी दुर्भाग्य की बात क्या हो सकती है। यह वही पाकिस्तान है, जिसकी जमीन का इस्तेमाल वैश्विक आतंकवाद के लिए होता रहा है। यहां हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकी खुले आम घूमते हैं और जहर उगलते हैं। उसे आप वाइस चेयरमैन बनाते हैं। आतंकी के जनाजे में पाकिस्तानी फौज के अफसर फातिहा पढ़ते नजर आते हैं, यह क्रूर मजाक से कम नहीं है। राजनाथ ने कहा, जब हम राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करते हैं तो सैनिकों की सुरक्षा और सरकार की मजबूती दिखाई देती है। इसके साथ एक और शक्ति होती है, स्वस्थ और स्वतंत्र पत्रकारिता। पत्रकारिता सिर्फ सूचना देने वाली नहीं, बल्कि समाज को सशक्त बनाने वाली और चेतना देने वाली शक्ति होती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा पहलगाम में आतंकियों ने जिस तरह धर्म पूछकर लोगों को निशाना बनाया, उसने देश को झकझोर दिया। उन्होंने धर्म पूछकर मारा, लेकिन हमने उनका धर्म पूछकर नहीं, उनका कर्म देखकर मारा। यह देश की सामाजिक एकता पर हुआ हमला था। धर्म पूछकर मारने के पीछे उनका उद्देश्य था भारत की सांस्कृतिक एकता को नुकसान पहुंचाना। रक्षा मंत्री ने कहा, हमने उनके आतंकी ढांचे को तबाह कर दिया। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के मुख्यालयों पर पहली बार किसी ने हमला किया है, तो वह भारत है। यह आतंकियों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है।अनुच्छेद 370 पर बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आप सभी ने देखा होगा कि जब तक जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू था, तब तक सभी कहते थे कि कश्मीर भारत में तो है, लेकिन वह भारत से इंटिग्रेट नहीं है। अब 370 हटने के बाद वह भारत से पूरी तरह इंटिग्रेट हो गया है। जम्मू-कश्मीर में लाखों पर्यटक आए। जमीनी स्तर पर वहां सुशासन दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर को भारत का मस्तक कहा जाता है, जब यह मस्तक चमकने लगा तो पड़ोसी को चमक बर्दाश्त नहीं हुई और उसने आतंकी वारदात को अंजाम दिया। आतंकियों को तो हमने जवाब दे दिया, लेकिन इस तरह की घटना भविष्य में न हो, ▶10पर

कमीशन लेकर विदेशों से हथियार खरीदने वाला पुराना भारत

आत्मनिर्भर होकर विश्व को हथियार बेच रहा नया भारत

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

कमीशन लेकर विदेशों से हथियार खरीदने वाला पुराना भारत अब नए भारत में तब्दील हो चुका है। आज नया भारत आत्मनिर्भर होकर विश्व को हथियार बेच रहा है। आजादी के बाद से देश के रक्षा क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार-नीति 11 साल में समाप्त कर दी गई। आज भारत 100 से ज्यादा देशों को हथियार निर्यात कर रहा है और विश्व के रक्षा निर्यातक देशों में 25वें स्थान पर पहुंच चुका है। 2025 में भारत ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल का दूसरी खेप फिलीपींस को भेजी।

देश की सैन्य आत्मनिर्भरता न केवल देश की आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती है बल्कि बाह्य सुरक्षा की नजरिए से भी यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी देश का खुद का हथियार बनाना सबसे महत्वपूर्ण होता है। भारत हथियारों के मामले में दुनिया के आत्मनिर्भर देशों में शामिल हो गया है। यह परिवर्तन 2014 के बाद होना शुरू हुआथ 2014 से पहले भारत का रक्षा निर्यात काफी बदहाली के दौर से गुजर रहा था और हम आयात पर निर्भर थे। लेकिन

रक्षा क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार-नीति 11 साल में खत्म

इस निर्भरता को आत्मनिर्भरता में बदलने का काम 2014 के बाद आई मोदी सरकार ने किया। स्कॉटहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) के मुताबिक, 2009 से 2013 तक भारत पूरे दुनिया के हथियारों का 13 प्रतिशत आयात किया करता था। इसका परिणाम यह हुआ कि दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य क्षमताओं वाला देश हथियारों की आपूर्ति के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर होता चला गया। विदेशी सप्लायर भारत के घरेलू उत्पादन उद्योग को कमजोर करते चले गए। रक्षा निर्यात की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2004-2005 से 2013-14 तक रक्षा निर्यात की कुल राशि 4,312 करोड़ थी जो अब बढ़ कर 23,622 करोड़ हो गई है। रक्षा निर्यात की रिपोर्ट में साफ बताया गया है कि किस तरह कांग्रेस ने देश की सुरक्षा को हाशिये पर रख दिया था। रक्षा निर्यात की रिपोर्ट में उत्तरी सेवा के पूर्व कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एचएस पनाग ने इस रिपोर्ट में बताया है कि 2013-14 तक हमारा निर्यात मात्र 110 मिलियन डॉलर था। हमारे देश के रक्षा निर्यात का कोई अस्तित्व ही नहीं था। रिपोर्ट के अनुसार, पहले की सरकार में रक्षा मंत्रालय से एनओसी लेने के बाद व्यापार करने की व्यवस्था थी, उस वक्त भी सरकार ने रक्षा निर्यात पर गंभीरता से विचार नहीं किया। यही कारण है कि 2014 के बाद भी एनडीए सरकार के गंभीर प्रयासों के बावजूद रक्षा निर्यात इतना कम है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 22^0

वंदे भारत ट्रेन की सवारी कर भावुक हुए फारूक अब्दुल्ला

जम्मू, 10 जून (ब्यूरो)।

वंदे भारत ट्रेन की सवारी कर जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला अतंयत भावुक हो गए। फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को श्रीनगर के नौगाम रेलवे स्टेशन से कटड़ा तक वंदे भारत ट्रेन में यात्रा की। उनके साथ उनके दोनों पोते भी थे। उन्होंने कहा, हमें वंदे भारत ट्रेन से बहुत फायदा होगा। हमें खुशी है कि हम इस ट्रेन से कटरा जा रहे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ने कहा कि ट्रेन लिंक से कश्मीर के फल व्यापारियों को देश भर के बाजारों तक पहुंच मिलेगी। जब ट्रेन कटड़ा स्टेशन पर पहुंची, तो नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और कार्यकर्ता फूलों के गुलदस्ते और नारे लगाकर उनका स्वागत करने के लिए एकत्र हुए। अब्दुल्ला ने कटड़ा स्टेशन पर उतरते ही कहा, माता ने बुलाया है। आया है बुलावा शेरांवाली का। इसी के साथ वहां मौजूद लोगों ने धार्मिक नारे लगाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि 3 जुलाई से शुरू होने वाली हिमालय की पहाड़ियों में अमरनाथ यात्रा के लिए लोग बड़ी संख्या में ट्रेनों से आएंगे। फारूक अब्दुल्ला ने इस सीधे रेल संपर्क को कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच दिल के रास्ते को जोड़ने की दिशा में एक कदम बताया। श्रीनगर के नौगाम स्टेशन पर चढ़ते समय, जब ट्रेन पहाड़ों और सुरंगों से होते हुए रियासी जिले की शिवालिक पहाड़ियों में चेनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे ▶10पर

लक्षद्वीप के स्कूलों में हिंदी पढ़ने पर रोक लगी

तिरुअनंतपुरम, 10 जून (एजेंसियां)।

केरल हाईकोर्ट ने केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के स्कूली पाठ्यक्रम में हिंदी पढ़ाए जाने के निर्णय पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने वहां के स्कूली पाठ्यक्रम में अरबी और महल भाषा पढ़ाए जाने को जारी रखने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि स्कूलों में पुराना पाठ्यक्रम ही पढ़ाया जाए और अरबी-महल भाषाएं बच्चों को सिखाई जाती रहें।

केरल हाईकोर्ट ने यह निर्णय अजस अकबर द्वारा दाखिल याचिका पर सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि यह निर्णय लागू करने से पहले कोई सर्वे नहीं किया गया था, इसलिए इस पर रोक लगाई जाती है। हाईकोर्ट ने कहा कि किसी विशेष क्षेत्र में ऐसे निर्णयों के लिए पहले स्थानीय कारकों पर एक सर्वे होना चाहिए।

▶10पर

अब कश्मीरियों को चाहिए दिल्ली तक की सीधी ट्रेन

जम्मू, 10 जून (ब्यूरो)।

कटड़ा से श्रीनगर तक चलने वाली इतिहासिक वंदे भारत रेल ने कश्मीरियों को खुशी प्रदान की है पर वे इतने से खुश नहीं हैं। कश्मीरियों की मांग है कि जब तक नई दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन चालू नहीं होगी कश्मीर की तरक्की नहीं हो पाएगी। कश्मीरियों का मानना है कि ऐतिहासिक रेल लिंक अपने साथ अधिक विश्वसनीयता, सामर्थ्य और पहुंच का वादा लेकर आया है। पर कश्मीरी इसे नकाफी बताते हैं। वे कहते थे कि इस महत्वाकांक्षी पहल को कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए वास्तव में सार्थक और न्यायसंगत बनाने के लिए, श्रीनगर और नई दिल्ली के बीच एक सीधी, लंबी दूरी की ट्रेन सेवा अगला जरूरी कदम होना चाहिए।

दिल्ली तक की सीधी रेल की मांग के साथ ही उनका कहना है कि अनावश्यक ठहराव या ट्रेन परिवर्तन के बोझ के बिना श्रीनगर-दिल्ली एक्सप्रेस एक गेम-चेंजर होगी। इससे लोगों की आवाजाही आसान होगी, पर्यटकों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल सीधी रेल की मांग सिर्फ यात्रियों की सुविधा के लिए नहीं है। श्रीनगर से एक मजबूत रेल माल ढुलाई प्रणाली को भी वे महत्वपूर्ण बताते थे। वे कहते थे कि क्षेत्र के बागवानी उत्पाद सेब, चेरी, अखरोट, सब्जियां और विश्व प्रसिद्ध हस्तशिल्प समय के प्रति संवेदनशील वस्तुएं हैं। ▶10पर

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ महिला विंग द्वारा जायका प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ महिला विंग ने सेंटर फॉर एक्सीलेंस के अंतर्गत राष्ट्रीय योजना हेल्थ एवं न्यूट्रिशन के तहत खान-पान पर आधारित जायका प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता राजाजी नगर स्थित कार्यालय में महिला सदस्यों के लिए आयोजित की गई थी, जिसका नाम जायका - द बॉक्स ऑफ फ्लेवर्स रखा गया। प्रतियोगिता की शुरुआत नवकार महामंत्र से हुई। कार्यक्रम में जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया एवं महिला विंग कन्वीनर नेमीचंद जैन ने आयोजन के लिए टीम और प्रतियोगिता में भाग ले रहे प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता की शुरुआत सुबह 9:30 बजे हुई, जिसमें लगभग 20 महिला सदस्यों ने हस्तनिर्मित व्यंजनों की श्रृंखला प्रस्तुत की। प्रतियोगिता तीन प्रकार के व्यंजन (तरल, ठोस) के स्वाद, गुणवत्ता,

प्रस्तुति और सफाई पर आधारित थी। निर्णायक के रूप में हयात सेंट्रिक के अभिमन्यु सिन्हा ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से विलुप्त हो चुके व्यंजन सामने आते हैं और पाक प्रतिभा को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं का चार दिवारी से बाहर आकर अपनी अद्भुत कला का प्रदर्शन करना गर्व का विषय है। दूसरे सत्र सेहत और जायका में सर्टिफाइड न्यूट्रीशियनिस्ट निमिषा लढ़ा ने सेहतमंद खानपान और न्यूट्रीशियस व्यंजनों की अहमियत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि न्यूट्री शक्ति और पौष्टिक व्यंजन कुपोषण और अधिक वजन दोनों से लड़ने में मदद करते हैं। फिटनेस के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि सीजनल खाना खाना, प्रोटीन की प्रचुर मात्रा लेना, भरपूर पानी पीना और 8 घंटे की नींद लेना आवश्यक हैं। निर्णायकों द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की गई। शीतल बाफना ने प्रथम स्थान, केजल छाजेड़ ने द्वितीय स्थान और सरिता हीरावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को स्पॉन्सर बर्जनर इंपैक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के फूलचंद, विमल, सूरज और दीप्ति द्वारा पुरस्कार और नकद राशि से सम्मानित किया गया। नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी ने प्रतियोगिता में विजेताओं को बधाई दी और कहा कि यह महिलाओं की बहुमुखी प्रतिभा को बढ़ाने और सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का शानदार अवसर है। कार्यक्रम में जीतो महिला विंग एपेक्स श्रमण आरोग्यम कन्वीनर सुनीता गांधी, हाउसहोल्ड मॉडल कन्वीनर बिंदु रायसोनी, जेएलडब्लू बेंगलूरु साउथ अध्यक्ष बबीता रायसोनी, जेएलडब्लू बेंगलूरु नॉर्थ मेंटर सरिता खिवेंसरा, उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, सुमन वेदमूथा सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। संयोजिका लेखा गांधी और सह संयोजिका लता नवलखा ने निर्णायकों का परिचय दिया। सहमंत्री सुमन रांका ने संचालन और मंत्री रक्षा छाजेड़ ने आभार ज्ञापित किया।

सी-आर्म एक्स-रे मशीन अस्पताल को भेंट

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। एससी शेट्टर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड हुब्बल्ली के दानदाता विजय शेट्टर, निखिल शेट्टर द्वारा हुब्बल्ली नगर निगम के चिटगुप्पी अस्पताल में 22 लाख रुपए की लागत की नई सी-आर्म एक्स-रे मशीन भेंट की गई। इस दौरान आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, विधायक महेश टेंगिंकाई, प्रसाद अब्बैया, मेयर रमन्ना बडिगेर, पालिका आयुक्त रुद्रेश गाली, श्री सिद्धारुढ़ मठ ट्रस्ट कमेटी के पूर्व चेयरमैन महेन्द्र सिंघी ने भाग लिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि एससी शेट्टर परिवार के दानदाता विजय शेट्टर समय समय पर आगे आकर दान देकर जनता की सेवा में अपना योगदान देते हैं।

जोशी ने बताया सी-आर्म तकनीक मशीन का उपयोग हड्डियों, जोड़ों और कोमल उतकों का एक्स-रे करने के लिए किया जाता है। गुर्दे की पथरी और किडनी स्टोन जैसी समस्याओं के

लिए उच्च गुणवत्ता वाला उपचार प्रदान करने में मदद करने वाली इस मशीन का लाभ आगे से चिटगुप्पी अस्पताल में आने वाले मरीजों को मिलेगी। इस दौरान समाजसेवी महेन्द्र सिंघी ने कहा कि एससी शेट्टर एंड संस परिवार सदैव दानदाता के रूप में आगे रहता है। इस परिवार ने नवनगर स्थित कैंसर हॉस्पिटल को ऑपरेटिव हॉस्पिटल, महावीर लिंब सेंटर, बिड़नाल और गब्बूर की सरकारी स्कूल सहित अनेक स्थानों पर 1.25 करोड़ रुपये से अधिक की दान देकर सहयोग किया है। इस दौरान चिटगुप्पी हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सा अधिकरी श्रीधर दंडप्पनावर ने दानदाताओं का आभार जताया। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद हुब्बल्ली महानगर सेवा प्रमुख सुभाष चंद्रा डंक, हर्ष बाफना, पार्षद राजन्ना कोरवी सहित अन्य उपस्थित थे।

वोक्कालिगा ने कांताराजू रिपोर्ट को खारिज करने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य वोक्कालिगा आरक्षण संघर्ष समिति ने मांग की है कि कांताराजू आयोग की रिपोर्ट को खारिज किया जाए और सभी वर्गों के लोगों को न्याय दिया जाए। राज्य वोक्कालिगा आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष डॉ. श्रीकांतैया, राज्य वोक्कालिगा संघ के पूर्व सचिव एम.ए. आनंद, संघ के महासचिव संपादक नागराज येल-चावाडी, कदाबगेरे वोक्कालिगा एक्शन समिति के अध्यक्ष के.सी. शिवरामु, वोक्कालिगा समुदाय के नेता रंगनरसिम्हैया, मेलुकोटे शिवराजू और अन्य ने संवाददाता सम्मेलन में बात की।

नेताओं ने मांग की कि सरकार को कांताराजू और जे.पी. हेगड़े आयोग की आरक्षण रिपोर्ट को लागू नहीं करना चाहिए क्योंकि कर्नाटक प्रशासनिक न्यायाधिकरण ने आरक्षण को 50 प्रतिशत तक सीमित करने का आदेश दिया है। कर्नाटक राज्य प्रशासनिक परिषद ने अपने आदेश में कर्नाटक सरकार को 9 जजों की पीठ के लिए नियुक्तियों में 56 प्रतिशत आरक्षण को 50 प्रतिशत तक सीमित करने का आदेश दिया है। इसलिए कर्नाटक राज्य में आरक्षण को 50 प्रतिशत तक सीमित करना अनिवार्य है।

कांताराजू और हेगड़े ने एक रिपोर्ट दी थी जिसमें 75 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की गई थी। कर्नाटक प्रशासनिक न्यायाधिकरण ने पहले ही आरक्षण को 50 प्रतिशत तक सीमित करने का आदेश दिया है, इसलिए आरक्षण रिपोर्ट को लागू नहीं किया जा सकता है। हम मांग

करते हैं कि सरकार इन दोनों की रिपोर्ट को खारिज करे। लगभग सभी समुदायों ने कहा है कि कांताराजू आयोग की रिपोर्ट में गलतियाँ हैं। इसलिए, समिति ने सरकार से संदिग्ध सामाजिक और शैक्षणिक रिपोर्ट को त्यागने और फिर से एक विश्वसनीय सर्वेक्षण करने का आग्रह किया है। कांताराजू और जे.पी. हेगड़े द्वारा किया गया सर्वेक्षण 2014-15 में किया गया था। इसे पहले ही 10 साल हो चुके हैं। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अनुसार, हर 10 साल में एक सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण किया जाना चाहिए और उसके आधार पर आरक्षण दिया जाना चाहिए। लेकिन यह विडंबना है कि वर्तमान कर्नाटक सरकार कानून को मान्यता दिए बिना कांताराजू और जे.पी. हेगड़े की रिपोर्ट को लागू करने जा रही है। अगर सरकार खुद कानून का पालन नहीं करेगी तो फिर कानून का पालन कौन करेगा।

अब जो सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की गई है, उससे समाज के नागरिकों का विश्वास खत्म हो गया है।

कर्नाटक सरकार ने 2014 में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण करने के लिए सूचित किया था। तदनुसार, कांताराजू को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

उक्त आयोग ने 2014-15 में सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण किया था। समाज के कार्यालय को सूचित किया गया था कि सर्वेक्षण करते समय राज्य के सभी नागरिकों की जानकारी एकत्र नहीं की गई थी। उक्त आयोग समय पर सरकार को सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने में विफल रहा। 2014-2015 में, राज्य की कुल आबादी के 90 प्रतिशत पर एक सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण किया गया था।

यह काम पूरे पैमाने पर नहीं किया गया है। पिछले 10 वर्षों में राज्य में जनसंख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा अन्य पिछड़ा वर्ग की सामाजिक एवं शैक्षणिक स्थिति में भी काफी परिवर्तन आया है।

इस परिप्रेक्ष्य में 10 वर्ष पूर्व की रिपोर्ट को स्वीकार कर निकाले गए निष्कर्ष वास्तविकता से कोसों दूर तथा अप्रासंगिक हैं। सर्वेक्षण में सटीकता बनाए रखने के लिए सर्वेक्षण के दौरान सर्वेक्षण में ली गई समस्त जानकारी को वेबसाइट पर प्रकाशित करना तथा सभी संगठनों से आने वाली शिकायतों को स्वीकार कर उनमें सुधार करना उचित है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को रायचूर में मुमुक्षु दिलीप कुमार जी धोका के दीक्षा निमित्त आयोजित शोभा यात्रा एवं अभिनंदन समारोह में अलसूर संघ का प्रतिनिधित्व किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी एवं मुनि पदमचंद जी के दर्शन कर सुख साता पूछी। यात्रा में वर्षीदान का लाभ लिया और अभिनंदन आयोजन में सहभागिता दर्ज की। धनपत राज तातेड़, प्रकाशचंद नाहटा, उगमराज मुथा, मनोज कुमार गादिया, तेजराज तातेड़ के साथ युवक संघ के सदस्य भी प्रतिनिधिमंडल में सम्मिलित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान संघ कर्नाटका ट्रस्ट (रजि) बेंगलूरु के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष कैलाश संखलेचा के नेतृत्व में बेंगलूरु पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें शहर के कमिश्नर पद पर मनोनीत किये जाने पर बधाई सहित हार्दिक मंगल शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राजस्थान संघ कर्नाटका ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, जिनेश मेहता, उगमचंद खांटेड, रूपचंद कुमट, रामलाल गन्ना, भोपाल सोनवाडिया आदि मौजूद थे।

ऋषभ कामधेनु गौशाला में जीवदया एवं वृक्षारोपण के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मातृछाया जैन महिला संगठन ने सोमनहल्ली, कनकपुरा रोड स्थित ऋषभ कामधेनु गौशाला में जीवदया एवं वृक्षारोपण के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। सदस्याओं ने गायों एवं अन्य पशुओं को चारा, फल, रोटी तथा पक्षियों को दाना खिलाने के साथ ही गौशाला परिसर में आँवला, नीम, तुलसी आदि औषधीय एवं छायादार पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि गौ-सेवा और वृक्षारोपण हमारी संस्कृति की जीवित परंपराएँ हैं। मातृछाया पर्यावरण और करुणा दोनों का सेतु बनकर समाज को निरंतर प्रेरित करती रहेगी। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि अहिंसा केवल शब्द नहीं, जीवनशैली है। जीवों की सेवा कर हम आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आज का पौधारोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन-प्राण बनेगा।

उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने कहा कि गायों और पक्षियों जैसे मासूम जीवों की सेवा में एक अनूठा सुख है, उदारमना दानदाताओं का आर्थिक सहयोग इन प्राणियों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रहा है। मातृछाया ने गौशाला को आर्थिक सहयोग स्वरूप एक विशाल धनराशि का चेक प्रदान किया। संस्थापक हुक्मीचंद जैन ने मातृछाया का आभार प्रकट करते हुए कहा कि आपकी सेवा भावना, समर्पण और करुणा ने आज हमारे गौवंश के लिए पोषण का प्रबंध करने के साथ ही वातावरण को भी समृद्ध किया है। आपका यह योगदान केवल दान नहीं, बल्कि जीवों के प्रति संवेदना और सेवा का जीवंत उदाहरण है। सचिव रेशमा बडोला ने धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारी एकता और सेवाभाव ही संगठन की शक्ति है, और यही शक्ति हर आयोजन को एक नई ऊँचाई देती है। इस अवसर पर संगठन की पूर्व अध्यक्ष निर्मला दांतेवाड़िया, कांता समदड़िया, मनीषा सालेचा, त्रिशला दांतेवाड़िया, नीलम ललवानी, लीला भंसाली, ललीता ए नाग-ोरी, मीना सोलंकी, उर्मिला सोलंकी, पुष्पा बोहरा, ऊषा चोपड़ा आदि सदस्याएं उपस्थित रहीं।

कांग्रेस ने कर्नाटक में जातिगत आंकड़ों की फिर से गणना करने का किया फैसला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कर्नाटक में जातिगत आंकड़ों की फिर से गणना करने का फैसला किया है, ताकि कुछ समुदायों की चिंताओं को दूर किया जा सके, जिन्होंने 10 साल पहले किए गए सर्वेक्षण से बाहर रखे जाने की शिकायत की थी। यह निर्णय पार्टी की एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया, जिसमें 4 जून को बेंगलूरु में हुई भगदड़ से निपटने के सरकार के तरीके की भी समीक्षा की गई, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी। जातिगत जनगणना एक बैठक में चर्चा किए गए प्रमुख राज्य मुद्दों में से एक के रूप में उभरी, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार मौजूद थे। बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए, एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुग-ोपाल ने कहा जाति जनगणना पर चर्चा की गई। कांग्रेस पार्टी सोच रही है कि कर्नाटक सरकार ने जाति जनगणना में जो कुछ भी किया है, उस पर सैद्धांतिक रूप से सहमति होनी चाहिए। लेकिन जाति की गणना को लेकर कुछ वर्गों और समुदायों में कुछ आशंकाएँ हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक दशक पहले जाति जनगणना की थी और अब डेटा पुराना हो चुका है। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी ने मुख्यमंत्री को 60-80 दिनों के भीतर पुनर्गणना प्रक्रिया करने का सुझाव दिया है। बैठक में हमने जाति जनगणना के बारे में यही निर्णय लिया है।

यह कदम केंद्र द्वारा जाति गणना के साथ राष्ट्रीय जनगणना की अनुसूची की घोषणा के तुरंत बाद उठाया गया है। कांग्रेस नेतृत्व ने मौजूदा राजनीतिक स्थिति और अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की, जिसमें बेंगलूरु में 4 जून को हुई दुखद भगदड़ भी शामिल है, जिसमें चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के आईपीएल जीत के जश्न के दौरान 11 लोगों की जान चली गई थी। वेणुगोपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष ने नेतृत्व को घटना और राज्य सरकार द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा निश्चित रूप से, हम हर मानव जीवन के बारे में बहुत चिंतित हैं। एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। कर्नाटक सरकार ने पहले ही यह पता लगाने के लिए न्यायिक जांच का आदेश दे दिया है कि वास्तव में क्या हुआ था। हालांकि पार्टी ने चल रही न्यायिक जांच के दौरान बारीकियों में नहीं जाने का फैसला किया, लेकिन वेणुगोपाल ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस का यह स्पष्ट विचार है कि इस मुद्दे पर स्पष्ट रूप से जन-समर्थक रवैया होना चाहिए।

फिलहाल कैबिनेट फेरबदल पर कोई चर्चा नहीं: सतीश जारकीहोली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल मंत्रिमंडल में फेरबदल पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार आलाकमान के नेताओं से मुलाकात कर कुछ मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार पर किसी चर्चा की उन्हें जानकारी नहीं है। उनका यह अचानक दौरा नहीं है। केंद्रीय मंत्रियों से मिलने का पहले से तय कार्यक्रम था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आलाकमान से मिलने आए हैं।

जब भगदड़ जैसी गंभीर घटनाएं होती हैं, तो आलाकमान को समझाना सरकार का कर्तव्य है। इसलिए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आए हैं। वे दोनों आलाकमान के नेताओं से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि भगदड़ मामले में किसकी विफलता और कौन दोषी है, यह निर्धारित करने के लिए सरकार जांच रिपोर्ट के बाद उचित कार्रवाई करेगी। उम्मीद है कि 15 दिन या एक महीने के भीतर जांच रिपोर्ट सरकार के हाथ में होगी। उन्होंने कहा यह कहना सही नहीं है कि इस घटना को लेकर समन्वय की कमी है। यह एक घटना है। वे इसे ठीक करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

भाजपा को सबसे पहले अपने जघन्य अपराधों की नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भगदड़ मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का इस्तीफा मांगने से पहले ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने पलटवार करते हुए भाजपा से कहा है कि वह अपने जघन्य अपराधों की नैतिक जिम्मेदारी ले। महाराष्ट्र में एक पुलिस थाने के सामने भीड़ जमा होने से 5 लोगों की मौत हो गई। कोई भी राष्ट्रीय मीडिया इस पर चर्चा नहीं कर रहा है। वहां के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटना की जानकारी नहीं दी। उत्तर प्रदेश के कुंभ मेले में भगदड़ में मारे गए लोगों को मुआवजा न देने और इस्तीफा न मांगने पर कोर्ट ने भाजपा को फटकार लगाई है। कुंभ मेले में भगदड़ में कार्यक्रम आयोजित करने और उसमें सफलता पाने का दावा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत किसी और ने इस्तीफा दिया है। उन्होंने भाजपा को फटकार

लगाते हुए कहा ऐसे जघन्य अपराध करने के बाद हम किस मुंह से अपनी सरकार का इस्तीफा मांगते हैं? मेंगलूरु में सुहास शेट्टी हत्याकांड की एनआईए द्वारा जांच करने के पीछे एक राजनीतिक मकसद है। शव पर राजनीति करना भाजपा की बुरी आदत है। पहले भी उन्होंने पराश मेस्ता की मौत के मामले को राजनीति के लिए इस्तेमाल कर सार्वजनिक शांति को नष्ट किया था। उस समय राज्य पुलिस की रिपोर्ट पर भी संदेह किया गया था। आखिरकार सीबीआई जांच ने भी राज्य पुलिस की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने पूछा कि भाजपा की शोभा करंदलाजे या किसी अन्य सांसद ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा क्यों नहीं दिया? आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ के संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए बयान को तोड़-मरोड़ कर भाजपा गलत सूचना फैला रही है। बयानों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने में वे माहिर हैं, चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम सरकार का नहीं था। निजी संस्था के पत्र के आधार पर स्टाफ उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। ऐसा कहने में मुख्यमंत्री की क्या गलती है? मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री विधान परिषद सदस्यों की नियुक्ति और भगदड़ मामले समेत कई मुद्दों पर आलाकमान से चर्चा करेंगे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि केपीसीसी अध्यक्ष को बदलने और मंत्रिमंडल में फेरबदल की अफवाह कहां से उड़ी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जिम्मेदार और परिपक्व है। उन्होंने कहा कि वे भाजपा की तरह डर कर भागेंगे नहीं।

जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा: जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की 11 साल की उपलब्धियों के बारे में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक ट्रिलियन देश बनने में करीब 30-40 साल लगे। 2 ट्रिलियन देश बनने में करीब 62-63 साल लगे। उन्होंने बताया कि स्थिरता के परिणामस्वरूप हमने 4 ट्रिलियन से अधिक हासिल किया है। स्थिर सरकार के परिणामस्वरूप कुशल सरकार और प्रशासन प्रदान करना संभव हो पाया है। उन्होंने विश्लेषण किया कि एक स्थिर सरकार ने सभी क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं।

रक्षा प्रणाली में सुधार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमारे पास पहले ऐसी सरकार थी जो चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के पद पर फैसला नहीं कर पा रही थी। एंटनी ने संसद में आधिकारिक बयान दिया था कि अगर सीमा पर बुनियादी ढांचा विकसित किया जाता है, तो हमारे दुश्मन देश इसका इस्तेमाल करेंगे। हमने सीमा पर बुनियादी ढांचे से लेकर सीडीएस तक एक अच्छा फैसला लिया है। प्रहलाद जोशी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सीडीएस का ही नतीजा था और इस ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान की हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देना संभव हो पाया। तीनों रक्षा बलों के समन्वय से आतंकवाद से जुड़े 9 स्थानों की पहचान कर उसी स्थान पर मिसाइल हमले करना संभव हो पाया है। सारे रक्षा उत्पाद आयात किए जाते थे। अब हम 5 हजार उत्पाद मेड इन इंडिया, मेक इन इंडिया बना रहे हैं। हमने 25 हजार करोड़ रुपये के हथियार और अन्य उत्पाद निर्यात किए हैं, जो इस देश में पहली बार हुआ है। अत्यधिक गरीबी दर 21 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो गई है। 26 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर आ गए हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह भारतीय एजेंसियों का डेटा नहीं है, यह विश्व बैंक का डेटा है। उन्होंने बताया कि सक्षम नेतृत्व और स्थिर सरकार के परिणामस्वरूप हमने देश की रक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशिष्ट और साहसिक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुआ ऑपरेशन सिंदूर इसका उदाहरण है। देश के सीमावर्ती क्षेत्रों को छोड़कर अन्य स्थानों पर आतंकवादी गतिविधियां लगभग शून्य हैं। कश्मीर में ऐसी घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमने उन्हें बहुत स्पष्ट और एकमत से जवाब दिया है। नेपाल में पशुपति से तिरुपति तक रेड कॉरिडोर के माध्यम से भारतीय प्रशासन को ध्वस्त करने का निर्णय आतंकवादियों द्वारा किया गया था। आज देश में नक्सलवाद 70 प्रतिशत कम है। उन्होंने बताया कि हमारे गृह मंत्री ने घोषणा की है कि मार्च 2026 तक इस देश में नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। दुनिया में जहां भी भारतीय संकट में हैं, हमने उनकी रक्षा की है। जब रूस-यूक्रेन युद्ध और अफगानिस्तान में समस्या आई, तो हम अपने लोगों को वापस लाने में सफल रहे। कोविड के दौरान भारत में करोड़ों लोगों की मौत और देश के दिवालिया होने की बातें हो रही थीं। मोदी के कथन के अनुसार, कोविड के बाद के दिनों में भारत सबसे तेजी से विकास करने वाला देश बनकर उभरा है, जो अभी भी जारी है। भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसने 140 करोड़ लोगों को वैक्सीन की 240 करोड़ से अधिक खुराक दी है। उन्होंने कहा कि वह निर्यात करने में भी सक्षम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरेगा। 2024 में डिजिटल लेन-देन बढ़कर 24 लाख करोड़ हो गया है। उन्होंने कहा कि इसमें यूपीआई खातों की हिस्सेदारी 83 प्रतिशत है।

मोदी का मजाक उड़ाया था

पिछले वित्त मंत्री ने इस मुद्दे पर मोदी का मजाक उड़ाया था। उन्होंने कहा कि जनधन, आधार और मोबाइल लिंक के जरिए यह संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि डीबीटी के जरिए 44 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर किए जा रहे हैं। उन्होंने अन्य विभिन्न क्षेत्रों में हासिल उपलब्धियों की जानकारी दी। इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद गोविंद करजोल, सांसद पी.सी. मोहन, राज्यसभा सदस्य जग्गेश, विधानसभा के मुख्य सचेतक डोड्डानगौड़ा एच. पाटिल, राज्य महासचिव नंदीश रेड्डी, राज्य उपाध्यक्ष राजू गौड़ा नायक, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति और बेंगलूरु सेंट्रल जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा उपस्थित थे।

मुडा घोटाला मामला

ईडी ने मैसूरु में 92 और साइटें जब्त कीं

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा 'आवास सहकारी समिति जैसी संस्थाओं और ऐसे व्यक्तियों को आवंटित 92 साइटों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है

जो मुडा अधिकारियों सहित प्रभावशाली व्यक्तियों के लिए मुखौटा/डमी हैं। 9 जून तक, साइटों का बाजार मूल्य 100 करोड़ है। इससे पहले जनवरी में, ईडी ने लगभग 300 करोड़ के बाजार मूल्य वाले 160 मुडा साइटों को अस्थायी रूप से जब्त किया था, जिनमें से अधिकांश रियल एस्टेट एजेंटों और अन्य व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत थे। इसके साथ, अस्थायी रूप से जब्त की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 400 करोड़ हो गया है। हालांकि यह मामला कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती बी.एम. को आवंटित 14 वैकल्पिक स्थलों से संबंधित है, जिनमें ईडी को खामियां मिली हैं, लेकिन ईडी ने उन स्थलों को जब्त नहीं किया है, क्योंकि पार्वती ने उन्हें मुडा को वापस कर दिया है। मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार ईडी की जांच में विभिन्न कानूनों और सरकारी आदेशों/दिशानिर्देशों का उल्लंघन करके और अन्य धोखाधड़ी के तरीकों से मुडा साइटों के आवंटन में बड़े पैमाने पर घोटाला सामने आया है। जी. टी. दिनेश कुमार सहित पूर्व मुडा आयुक्तों की भूमिका अयोग्य संस्थाओं/व्यक्तियों को मुआवजा साइटों के अवैध आवंटन में सहायक के रूप में सामने आई है। जांच के दौरान नकदी, बैंक हस्तांतरण, चल/अचल संपत्तियों के रूप में अवैध आवंटन करने के लिए रिश्वत प्राप्त करने के संबंध में साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। अवैध आवंटन करने के तौर-तरीकों में अयोग्य लाभार्थियों की पहचान करना और सरकारी आदेशों का सीधा उल्लंघन करते हुए नकली दस्तावेजों/अधूरे दस्तावेजों का उपयोग करके आवंटन करना और कुछ मामलों में आवंटन पत्रों की पिछली तारीख भी शामिल थी। इन अवैध आवंटनों को करने के लिए प्राप्त रिश्वत को एक सहकारी समिति और आवंटन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों के रिश्तेदारों/सहयोगियों के बैंक खातों के माध्यम से भेजा गया था। इस प्रकार प्राप्त धनराशि का उपयोग मुडा अधिकारियों के रिश्तेदारों के नाम पर अवैध रूप से आवंटित मुडा साइटों में से कुछ को खरीदने के लिए किया गया।

बेंगलूरु सूटकेस हत्याकांड

शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने पर किशोरी की हत्या की गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चंदापुरा में रेलवे ट्रैक के पास एक सूटकेस में बंद 17 वर्षीय लड़की का शव मिलने से विश्वासघात और हिंसा की भयावह कहानी सामने आई है। पुलिस जांच में पता चला है कि शादी का झांसा देकर बिहार से अपने घर लाई गई किशोरी की हत्या तब की गई जब उसने शारीरिक संबंध बनाने से इनकार कर दिया।

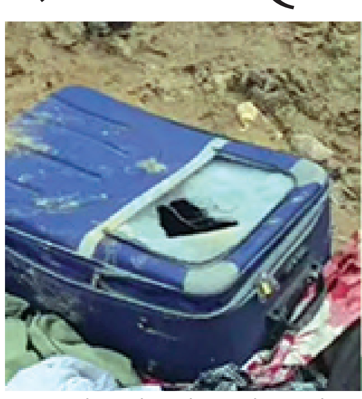

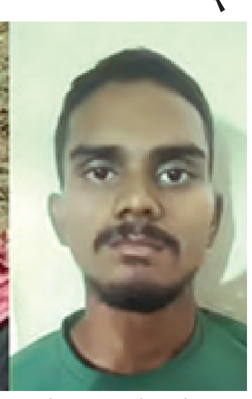

पीड़िता का शव सूटकेस में बंद करके 21 मई को अनेकल के पास रेलवे पुल के पास मिला। सूर्यनगर पुलिस ने जांच शुरू की, जिसके बाद बिहार में एक ठिकाने से एक नाबालिग समेत आठ संदिग्धों को पकड़ा गया। मुख्य आरोपी की पहचान कचनायकनहल्ली में रहने वाले फैक्ट्री कर्मचारी आशिक कुमार के रूप में हुई है। कुमार 18 मई को लड़की को बेंगलूरु लेकर आया था। शादीशुदा होने और दो बच्चों के होने के बावजूद उसने अपनी पत्नी को तलाक देने और लड़की से शादी करने का झूठा वादा किया, यहां तक कि उनके लिए अलग घर बनाने की कसम भी खाई, इस तरह उसने लड़की को अपने साथ यात्रा करने के लिए राजी कर लिया। जांचकर्ताओं ने विस्तृत जानकारी दी कि कुमार लड़की को अपने रिश्तेदार मुकेश कुमार के घर ले गया, जहाँ उसने लड़की को शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया। विरोध करने पर कुमार ने उसे बीयर की बोतल से मारा और फिर गला घोंटकर मार डाला। हत्या के बाद कुमार ने कथित तौर पर इस घटना को आत्महत्या के रूप में पेश करने की कोशिश की। उसने मुकेश और अन्य लोगों से संपर्क किया और दावा किया कि लड़की ने खुद को फांसी लगा ली है और उसने घटना को देखने के बाद खिड़की तोड़कर घर में प्रवेश किया। घर के मालिक, जो उसी इमारत में रहते थे, को शोर सुनकर संदेह हुआ और उसने घर में आए सभी आठ व्यक्तियों की तस्वीरें खींच लीं। ये तस्वीरें बाद में पुलिस जांच में महत्वपूर्ण सबूत साबित हुईं। जांचकर्ताओं के अनुसार, आरोपी ने फिर पीड़िता के शव को एक सूटकेस में रखा, एक टैक्सी किराए पर ली और रेलवे पुल के पास उसे फेंक दिया। कुमार पर हत्या का आरोप लगाया गया है, जबकि अन्य पर साथी होने और सबूत नष्ट करने का प्रयास करने का आरोप है। इस मामले में मोड़ तब आया जब मृतक की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुई। उसके माता-पिता ने तस्वीर देखने के बाद बिहार में स्थानीय पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद सभी आठ संदिग्धों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने इस अपराध की निंदा करते हुए इसे विश्वासघात और हिंसा का एक भयानक उदाहरण बताया है, जिसे जांच को गुमराह करने के जानबूझकर किए गए प्रयासों से और भी जटिल बना दिया गया है।

सुहास शेट्टी हत्या मामले की जांच एनआईए को सौंपना अपरिहार्य है: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि मेंगलूरु में सुहास शेट्टी हत्याकांड की जांच एनआईए को सौंपना अपरिहार्य है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के सर्कल को इसका अधिकार दिया गया है। उसी आधार पर उन्होंने एनआईए से जांच करने को कहा है। उन्होंने कहा कि इसे हमें सौंपना अपरिहार्य है। उन्होंने इस बारे में स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं दिया कि एनआईए को जांच क्यों करनी चाहिए। लेकिन उन्होंने कुछ धाराओं का उल्लेख किया और जांच के लिए कहा। पत्र में इस बात का कोई उल्लेख नहीं है कि इस पत्र के पीछे भाजपा का हाथ है। उन्होंने कहा कि वे हमें दिए गए अधिकार का उपयोग करके जांच की मांग कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने कहा कि हमारे पास ज्यादा जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को आलाकमान ने दिल्ली बुलाया है। मुझे नहीं पता कि वहां किस तरह की चर्चा हुई। मुझे नहीं बुलाया गया। अगर बुलाया जाएगा तो मैं दिल्ली जाऊंगा।

चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले की हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा पूछे गए सवालों पर सरकार की ओर से महाधिवक्ता जवाब तैयार करेंगे और प्रमाण पत्र जारी करेंगे। तथ्यों को कोर्ट के समक्ष रखा जाएगा। मामले की जांच रिपोर्ट अभी सरकार को नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि हम इस स्तर पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कार्यकर्ता और कथित उपद्रवी सुहास शेट्टी की सनसनीखेज हत्या की जांच आधिकारिक तौर पर अपने हाथ में ले ली है। सुहास शेट्टी की 1 मई को मेंगलूरु शहर पुलिस के अधिकार क्षेत्र में बाजपे के पास किन्नीपदावु में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। राजनीतिक और सार्वजनिक हलकों से बढ़ती मांगों के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने केंद्रीय एजेंसी को जांच सौंपने का आदेश जारी किया।

एनआईए अब गिरफ्तार आरोपियों को हिरासत में लेगी और उनसे गहन पूछताछ शुरू करने की उम्मीद है। सुहास शेट्टी, जो कथित तौर पर बजरंग दल से जुड़े थे, घटना की रात पांच सहयोगियों के साथ यात्रा कर रहे थे, जब हमलावरों के एक समूह ने रात करीब 8:30 बजे किन्नीपदावु क्रॉस के पास उनके वाहन को रोक लिया। हमलावर, जो मारुति स्विफ्ट कार और पिकअप ट्रक में यात्रा कर रहे थे, ने घातक हथियारों से हमला किया, जिससे शेट्टी गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई। इस घटना ने व्यापक आक्रोश पैदा किया, खासकर कई संगठनों और राजनीतिक दलों में। भाजपा ने पिछले महीने राज्यपाल थावरचंद गहलोत को एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें इस मामले को एनआईए को सौंपने का आग्रह किया गया था, जिसमें सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर ऐसे संवेदनशील मामलों को संभालने में नरमी बरतने का आरोप लगाया गया था। भाजपा ने कहा कि केवल एक केंद्रीय एजेंसी ही निष्पक्ष और गहन जांच सुनिश्चित कर सकती है। दबाव को बढ़ाते हुए, सुहास शेट्टी की माँ, सुलोचना शेट्टी ने सार्वजनिक रूप से राज्य सरकार के दृष्टिकोण की आलोचना की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अपराध की गंभीरता को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। मेरे बेटे को 50 से अधिक लोगों के एक समूह ने प्रताड़ित किया और मार डाला। मंत्री जी परमेश्वर और दिनेश गुंडू राव ने गलत तरीके से उसे उपद्रवी करार दिया। वह बजरंग दल का कार्यकर्ता था, अपराधी नहीं। केवल एनआईए ही न्याय कर सकती है। शुरुआत में, जांच मेंगलूरु सीसीबी (केंद्रीय अपराध शाखा) द्वारा की जा रही थी, जिसने हत्या के सिलसिले में 12 संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। हालांकि, गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद, जांच अब औपचारिक रूप से एनआईए को सौंप दी गई है, जो व्यापक साजिश, संगठित अपराध से संभावित संबंधों और इसमें शामिल किसी भी सांप्रदायिक पहलू की जांच करेगी।

भगदड़ के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा: मंत्री एम.बी. पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने विश्वास जताया है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भगदड़ मामले को गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पहले ही कई कड़े फैसले लिए हैं। यह एक अप्रत्याशित घटना है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। बाढ़ के रूप में लोगों के आने से यह त्रासदी हुई। उत्तर प्रदेश में 129 लोगों की जान चली गई। ऐसी घटनाएं दुखद हैं। उन्होंने कहा कि सरकार भी परिजनों को खोने के दर्द में शामिल है। भगदड़ में चूक हुई। यह कहां हुआ? कौन जिम्मेदार है? सीआईडी समेत विभिन्न जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि इस समय कोई बयान देना उचित नहीं होगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार विधान परिषद सदस्यों की नियुक्ति पर चर्चा के लिए दिल्ली रवाना हो गए हैं। यहां उम्मीदवारों की संख्या उतनी ही है, जितनी कांग्रेस पार्टी में है। प्रतिस्पर्धा भी स्वाभाविक है। इसलिए उन्होंने कहा कि हमें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि हाईकमान ने विधान परिषद के लिए मनोनयन की सूची पर चर्चा के लिए सीएम और डीसीएम को दिल्ली बुलाया हो। उन्होंने कहा कि अन्यथा मंत्रिमंडल फेरबदल और अन्य मुद्दों पर हाईकमान जो निर्णय लेगा, हम उसके प्रति प्रतिबद्ध हैं।

सिद्धरामैया को फोटो-शो के लिए नियुक्त नहीं किया गया था: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने मंगलवार को कहा कि आरसीबी की जीत के सिलसिले में शहर में दो कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक विधान सौधा में वीआईपी के लिए और दूसरा चिन्नास्वामी स्टेडियम में आम लोगों के लिए। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आम लोगों को नहीं बल्कि सत्ता के सिंहासन को चुना। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत हो गई, तो मंत्री का परिवार सेल्फी लेने में व्यस्त था। मुख्यमंत्री का जवाब था कि यह हमारा कार्यक्रम नहीं था। स्टेडियम विधान सौधा से कुछ ही दूरी पर है। यह पाकिस्तान नहीं है। यह आपका राज्य है, आपका शहर है। आपके लोग हैं। आप, जिन्हें राज्य का नेतृत्व करने के लिए चुना गया है, पहले कार्यक्रम में अतिथि की तरह व्यवहार करना बंद करें। उन्होंने गुस्सा जताया कि आपको फोटो-शो के लिए नियुक्त नहीं किया गया था। आपको लोगों की जान बचाने के लिए मुख्यमंत्री बनाया गया था। लेकिन आप अकेले लोगों की जान बचाने में विफल रहे हैं।

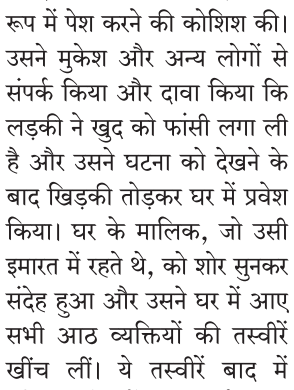

कोर्ट में बेंगलूरु भगदड़ मामले में अगली सुनवाई 12 को

महाधिवक्ता सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 4 जून को हुई भगदड़ पर दायर याचिका पर अगली सुनवाई 12 जून को तय की है। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। न्यायालय ने महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी को सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान, महाधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि एक न्यायिक आयोग का गठन किया गया है, जिसने रिपोर्ट के लिए एक महीने का समय दिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करने की अनुमति मांगी, जिसमें कहा गया कि लंबित जमानत याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की जा रही है, मामले में दिए गए किसी भी बयान का इस्तेमाल आरोपी द्वारा किया जा रहा है। स्वप्रेरणा से दायर याचिका पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी. एम. जोशी ने सुनवाई की। विधान परिषद के एक पूर्व सदस्य ने याचिका में पक्षकार बनने की मांग की। इस बीच, एक वकील ने बताया कि वह भगदड़ के संबंध में एक जनहित याचिका (पीआईएल) भी दायर कर रहे हैं। 5 जून को कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्टेडियम में हुई भगदड़ की घटना का स्वत: संज्ञान लिया था और राज्य सरकार को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था।

आरसीबी विजय भगदड़ मामला

13 जून को बेंगलूरु में सरकार के खिलाफ करेंगे व्यापक विरोध प्रदर्शन: विजयेंद्र

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने घोषणा की है कि जनविरोधी मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस सरकार के खिलाफ व्यापक संघर्ष शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमने जनविरोधी कांग्रेस सरकार को हटाए जाने तक संघर्ष जारी रखने का निर्णय लिया है। 13 जून को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करेंगे। भाजपा कार्यकर्ता, घटना के पीड़ितों के परिवार के सदस्य और प्रभावित लोग आएंगे।

उन्होंने बताया कि करीब 15-20 हजार प्रदर्शनकारी शामिल होंगे। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ की घटना में आरसीबी आरोपी नंबर 1 नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप 11 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री आरोपी नंबर 1 हैं, उपमुख्यमंत्री दूसरे आरोपी हैं, गृह मंत्री परमेश्वर, जो हाथ बांधकर बैठे थे, वे आरोपी नंबर 3 हैं। अगले जिम्मेदार पक्ष आरसीबी, केएसीए, डीएनए हैं। भाजपा ने मांग की थी कि इस मामले की जांच हाईकोर्ट के ऑन-ड्यूटी जज करें। उन्होंने इसे जांच के लिए सीआईडी को दे दिया। दूसरी ओर, उन्होंने जांच हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों से कराने का आदेश दिया है। उन्होंने उन पर जिसे चाहें नियुक्त करने और राज्य सरकार को क्लीन चिट देने और अधिकारियों को दोषी ठहराने और जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाया। विजयेंद्र ने मांग की कि अगर राज्य सरकार में थोड़ी भी गरिमा है, तो हाईकोर्ट के मौजूदा जजों को इस मामले की जांच करनी चाहिए। सीएम और डीसीएम के बीच प्रतिस्पर्धा थी। मुख्यमंत्री ने अपनी लोकप्रियता के लिए विधान सौधा के सामने एक कार्यक्रम आयोजित किया था। जबकि डीके शिवकुमार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया था। उनके भ्रम का शिकार कौन हुआ? किसकी इज्जत चली गई? वे चिन्नास्वामी स्टेडियम मामले में जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को यह बयान देना चाहिए कि सरकार का सीएम और डीसीएम के बीच कोई संबंध नहीं है। उन्होंने राज्य के सम्मान को भी बर्बाद किया है। वे सेल्फी और लोकप्रियता के आदी थे। उन्होंने राज्यपाल को गलत रास्ते पर खींच लिया और उन्हें भी बैठा दिया। क्या हमने विधानसभा में कार्यक्रम के लिए कहा था? हमने जुलूस की अनुमति मांगी थी। अगर हम मार्च करते, तो शायद यह त्रासदी नहीं होती। हमने प्रशंसकों की ओर से आह्वान किया है। हालांकि, उन्होंने पूछा कि क्या सरकार जिम्मेदार नहीं है। क्या कानून और व्यवस्था सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह विपक्ष की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने देश के लोगों की भावनाओं को राज्य के मुख्यमंत्रियों तक पहुंचाने के इरादे से आज सीएम को एक खुला पत्र लिखा था। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने पत्र इसलिए लिखा था ताकि सीएम, डीसीएम और राज्य सरकार उन लोगों के परिवारों की भावनाओं को समझे जिन्होंने अपनी जान गंवाई और प्रभावित हुए। मुझे विश्वास नहीं है कि मुख्यमंत्री पत्र देखने के बाद जवाब देंगे। राज्य सरकार मोटी चमड़ी वाली है।

दिन में ट्रेनें रद्द होने के प्रभाव को कम करने के लिए

दपरे ने बेंगलूरु-कारवार पंचगंगा एक्सप्रेस में पांच कोच जोड़े

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने ट्रेन संख्या 16595/596 केएसआर बेंगलूरु-कारवार पंचगंगा एक्सप्रेस में पांच अतिरिक्त कोच अस्थायी आधार पर जोड़ने का फैसला किया है, ताकि पांच महीने तक सेक्टर पर दिन में ट्रेन सेवाएं रद्द होने के कारण होने वाली कमी को पूरा किया जा सके। पंचगंगा एक्सप्रेस 14 एलएचबी कोचों के साथ चलती है। दपरे 11 जून से बेंगलूरु-एंड से और 12 जून से कारवार-एंड से दो 3-टियर एसी इकॉनमी, दो सामान्य द्वितीय श्रेणी और एक स्लीपर क्लास कोच जोड़ेगा, जिससे कुल 19 कोच हो जाएंगे।

यह निर्णय उडुपी-चिक्कमगलूरु के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी और कुमता के विधायक दिनाकर शेट्टी द्वारा कारवार और बेंगलूरु के बीच अतिरिक्त रात्रि सेवा की मांग के बाद लिया गया है, क्योंकि दिन में बारिश के कारण ट्रेन रद्द रहती है। दपरे ने सकलेशपुर-सुब्रमण्य रोड घाट सेक्शन पर विद्युतीकरण कार्य की सुविधा के लिए 31 मई से 154 दिनों के लिए ट्रेन संख्या 16575/576 और 16539/540 यशवंतपुर-मेंगलूरु जंक्शन त्रि-साप्ताहिक गोमतेश्वर एक्सप्रेस और साप्ताहिक, तथा ट्रेन संख्या 16515/516 यशवंतपुर-कारवार त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस सेवाओं को रद्द कर दिया था। कुंडापुरा और उत्तर कन्नड़ के यात्री संघों ने कहा है कि दपरे ने समय सारिणी को प्रभावित किए बिना पंचगंगा में और कोच जोड़ने की उनकी मांग पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कोच बढ़ाने से लगभग 400 सीटें बढ़ेंगी। यह कहते हुए कि शाम 6.50 बजे बेंगलूरु से रवाना होकर सुबह 8.25 बजे कारवार पहुँचना और शाम 6 बजे कारवार से रवाना होकर सुबह 7 बजे बेंगलूरु पहुँचना, पंचगंगा एक्सप्रेस के तट पर सबसे ज्यादा मांग वाली सेवा बनने का कारण है, यात्री संघों ने रेलवे से आग्रह किया है कि कोचों की संख्या में वृद्धि से समय सारिणी प्रभावित न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। कोच की संख्या में वृद्धि के बाद ट्रेन 16595/596 की क्रॉसिंग सुब्रह्मण्य रोड स्टेशन पर होगी, क्योंकि घाट सेक्शन पर सिरीबागिलु स्टेशन, जहाँ वर्तमान में ट्रेनें गुजरती हैं, 15 से ज्यादा कोच वाली ट्रेनों को समायोजित नहीं कर सकता। यात्री नहीं चाहते कि क्रॉसिंग में बदलाव की वजह से कारवार-बेंगलूरु ट्रेनों को उनके गंतव्य तक पहुँचने में देरी हो। इसी तरह, दक्षिण कन्नड़ के यात्रियों ने मांग की है कि बदली हुई क्रॉसिंग की वजह से केएसआर बेंगलूरु-कन्नूर (ट्रेन 16511) ओवरनाइट एक्सप्रेस के चलने पर असर नहीं पड़ना चाहिए। संरक्षक जी. कार्तिक कामथ ने कहा कि दक्षिण पश्चिम रेलवे को दिन की ट्रेनों के रद्द होने की समस्या से निपटने के लिए ट्रेन संख्या 16585/586 एसएमवीटी बेंगलूरु-मुर्देश्वर-एसएमवीटी बेंगलूरु और 16511/512 केएसआर बेंगलूरु-कन्नूर में भी कोचों की संख्या बढ़ानी चाहिए।

कांग्रेस का कोई हाईकमान नहीं खोखली कमान है: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने चेतावनी दी है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी भगदड़ की घटना के सिलसिले में यदि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का इस्तीफा नहीं लिया गया तो कांग्रेस आलाकमान के लिए सही नहीं होगा। उन्होंने हाल ही में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ में मारे गए दाशरहल्ली के एम.एस. रामैया लेआउट निवासी भूमिक के घर जाकर उनके माता-पिता को संवेदना व्यक्त करने के बाद संवाददाताओं से बात की। इस मामले में सीधे तौर पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोषी हैं। अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय एआईसीसी नेताओं को सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। अन्यथा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि आलाकमान परेशान होगा। सीएम बार-बार झूठ बोल रहे हैं। जब भी कोई उन्हें बुलाता है, तो वे कहते हैं कि वे चले गए हैं। डीसीपी ने रिपोर्ट दी है कि कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कर्मचारियों की कमी है। पीडब्ल्यूडी ने आदेश दिया है कि 25 लोग होने चाहिए। डीपीआर नोट मिलने के बाद वह सीएस के पास जाता है। वह पत्र लिखकर सीएम को भेजते हैं। सीएम कार्यक्रम करने की अनुमति देते हैं। अगर आपने अनुमति नहीं दी है तो आप उस फाइल को रिलीज कर दें। अगर आपने अनुमति नहीं दी है तो डीपीआर सचिव को सस्पेंड करें। सीएम गैरजिम्मेदाराना तरीके से कह रहे हैं कि उन्हें जानकारी नहीं है। अगर सीएम द्वारा साइन की गई फाइल रिलीज होती है तो क्या सरकार को नुकसान होगा? अगर आपने जिस फाइल पर साइन किया है उसे सार्वजनिक किया जाए, नहीं तो बिना अनुमति के कार्यक्रम करने वाले अधिकारियों को सस्पेंड करें। मौत की खबर दोपहर 3.15 बजे आई। आपके मीडिया सलाहकार, आपके स्टाफ की नाकामी साफ दिख रही है। उन्होंने उन पर आरोप लगाया कि वे जानते हुए भी कार्यक्रम कर रहे थे। इस मुद्दे को छिपाने के लिए मंत्रिमंडल विस्तार का मुद्दा उठाया गया है। कांग्रेस को छल-कपट का शिकार नहीं होना चाहिए। सीएम के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, सीएम और डीसीएम को बदला जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उन्हें नहीं बदला गया तो जनता कांग्रेस सरकार को बदल देगी।

मुख्यमंत्री दिल्ली चले गए हैं। दिल्लीवासी भी भ्रमित हैं। आलाकमान भी इसे लेकर भ्रमित है। राज्य सरकार के खिलाफ स्वत: संज्ञान लिया गया है, जिसका मतलब है कि यह सरकार का अपमान है। अशोक ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि त्रासदी में मारे गए लोगों के परिवार कह रहे हैं कि यह सरकार की गलती है।

कांग्रेस सरकार अपने गुंडा व्यवहार से हिंदू नेताओं को परेशान कर रही: बी वाई विजयेंद्र

पुलिस की शक्ति का दुरुपयोग

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर हिंदू नेताओं को निशाना बनाने के लिए पुलिस की शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। यहां भाजपा जिला कार्यालय में बोलते हुए विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि बाजपे में सुहास शेट्टी की हत्या के बाद हिंदू कार्यकर्ताओं को परेशान करके कांग्रेस सरकार गुंडा व्यवहार कर रही है।

विजयेंद्र ने आरोप लगाया, सुहास शेट्टी की बेरहमी से हत्या कर दी गई और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के बजाय, कांग्रेस सरकार आधी रात को हिंदू नेताओं के घरों पर छापेमारी करने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। यह किसी धमकी से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मौजूदा स्थिति पर चर्चा करने के लिए हिंदू नेताओं, विभिन्न संगठनों के सदस्यों, डिप्टी कमिश्नर, पुलिस अधीक्षक और शहर के पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा हम विशेष व्यवहार की मांग नहीं कर रहे हैं। हमने केवल इतना कहा है कि अधिकारी सरकार के दबाव में काम न करें और हिंदू नेताओं को धमकाना बंद करें। भाजपा प्रमुख ने दावा किया कि राज्य में सांप्रदायिकता विरोधी विंग के गठन के बाद हिंदू नेताओं पर हमले बढ़ गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया यह टास्क फोर्स हिंदू नेताओं के खिलाफ साजिश रचने और उनमें डर पैदा करने का एक साधन मात्र है, खासकर भाजपा के गढ़ों में। विजयेंद्र ने सुहास शेट्टी मामले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने के केंद्र सरकार के फैसले का भी स्वागत किया और कहा कि भाजपा की पिछली मांग के बावजूद राज्य सरकार ने ऐसा करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर भाजपा और हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों के खिलाफ जानबूझकर अपने नेताओं को बचाने का आरोप लगाया। डॉ प्रभाकर भट जैसे हिंदू नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए जाते हैं, लेकिन जब इवान डिसूजा जैसे लोग प्रधानमंत्री और राज्यपाल के खिलाफ बोलते हैं, तो कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने कहा कर्नाटक में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि राजनीतिक नेतृत्व के विफल होने पर पुलिस अधिकारियों को मनमाने ढंग से स्थानांतरित किया जा रहा है, जैसा कि दक्षिण कन्नड़ और बेंगलूरु में देखा गया है। लव जिहाद, मवेशी चोरी, नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध रेत खनन जैसी गंभीर चिंताओं का जिक्र करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि इन मुद्दों को पहले संबोधित किया जाना चाहिए। अगर इन पर अंकुश लगाया जाता है, तो हमारे नेताओं को सड़कों पर उतरने की जरूरत नहीं होगी। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, जो भी मौजूद थे, ने आरोप लगाया कि राज्य के पुलिस स्टेशन कांग्रेस पार्टी के कार्यालयों की तरह काम कर रहे हैं। देशद्रोहियों और देशभक्तों के साथ व्यवहार करने में कोई अंतर नहीं है। दोनों के लिए कानून एक जैसा नहीं हो सकता। हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि कांग्रेस सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। अशोक ने हिंदू नेताओं को भाजपा के समर्थन की पुष्टि की और उनसे डरने की अपील नहीं की। सुहास शेट्टी की कथित उपद्रवी शीट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा उपद्रवी शब्द की अलग-अलग परिभाषाएं हैं। यहां तक कि डी के शिवकुमार और राहुल गांधी जैसे नेताओं के खिलाफ भी मामले हैं। अदालत को फैसला करने दें। उन्होंने पुलिस से रहमान की हत्या के पीछे के मकसद की जांच करने का भी आग्रह किया और स्पष्ट किया कि यह सांप्रदायिक घटना नहीं थी। भाजपा प्रतिनिधिमंडल में पूर्व केंद्रीय मंत्री डी वी सदानंद गौड़ा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी भी शामिल थे।

राज्य के विभिन्न जिलों में अगले कुछ दिनों तक बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में मानसून फिर से सक्रिय हो गया है और छिटपुट बारिश दर्ज की गई है। रविवार तक बारिश जारी रहने की उम्मीद है और दक्षिणी आंतरिक जिलों में व्यापक बारिश होने की संभावना है। राज्य में पिछले तीन-चार दिनों से बारिश शुरू हो गई है और दिन-प्रतिदिन बारिश बढ़ने की उम्मीद है। बंगाल की खाड़ी में मेलई चक्रवात के प्रभाव और आंतरिक इलाकों में ट्रैप के कारण आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं और शाम और रात में बारिश हो रही है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र की जानकारी के अनुसार सोमवार को उडुपी जिले में व्यापक बारिश हुई। धारवाड़ तालुक के नवलगुंडा में 118.2 मिमी भारी बारिश हुई।

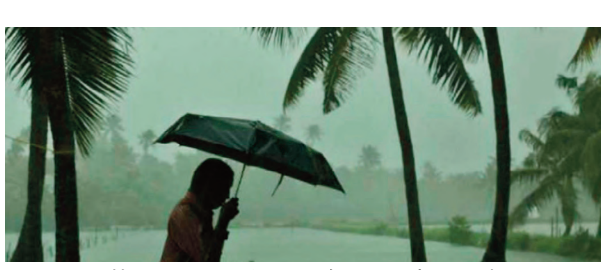

बीदर, दावणगेरे, कलबुर्गी, दक्षिण कन्नड़ और बेंगलूरु शहरी जिलों में मध्यम व्यापक बारिश हुई। तुमकुरु, मांड्या, रामनगर, गदग, बेंगलूरु ग्रामीण, उत्तर कन्नड़, चिक्कबल्लापुर और चित्रदुर्ग जिलों में छिटपुट बारिश हुई। धारवाड़, बेलगावी, शिवमोग्गा, रायचूर, हावेरी, विजयनगर, कोलार, विजयपुरा, कोडागु, यादगीर, मैसूरु, बागलकोट, बल्लारी, चिक्कमगलूरु, कोप्पल, चामराजनगर, हासन जिलों में कुछ स्थानों पर ही बारिश हुई। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य में सामान्य मानसून जारी रहेगा। बारिश में और वृद्धि होगी। दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों में व्यापक वर्षा की संभावना है। उत्तर कर्नाटक, कल्याण कर्नाटक, तटीय और मलनाड जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा का अनुमान है। राज्य के पूर्वी जिलों में बारिश बढ़ेगी। गुरुवार से बारिश बढ़ेगी और कुछ स्थानों पर भारी बारिश के संकेत हैं। अगले रविवार तक राज्य में और अधिक बारिश का अनुमान है।

कर्नाटक के मुजराई मंदिरों में 15 अगस्त से प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने घोषणा की कि 15 अगस्त से राज्य भर में मुजराई विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मंदिरों में पानी की बोतलों सहित सभी प्रकार के प्लास्टिक के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। विकास सौधा में आयोजित मुजराई विभाग की समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस से सभी मंदिरों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा किसी भी परिस्थिति में इन मंदिरों में प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। सुचारू संक्रमण सुनिश्चित करने के लिए आदेश को लागू करने के लिए दो महीने की अवधि दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दौरान पहले से खरीदी गई प्लास्टिक सामग्री का उपयोग किया जा सकता है, लेकिन 15 अगस्त से मंदिर परिसर में उनका उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

स्मार्ट सिटी के दावों के बीच नंथूर के पास उपेक्षित पेड़, कचरा से सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नंथूर ऑटो स्टैंड के पास एक खतरनाक तरीके से लटका हुआ पेड़ एक सप्ताह से अधिक समय से गंभीर खतरा पैदा कर रहा है, जिससे मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) की प्रतिक्रिया की तत्परता पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या अधिकारी गिरे हुए पेड़ को हटाने के लिए कार्रवाई करने से पहले किसी दुर्घटना या जान जाने का इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा, मेंगलूरु के एक प्रमुख स्थान नंथूर पुलिस चौकी के पास कूड़े के ढेर और गैस पाइप को लापरवाही से सड़क किनारे की नालियों में फेंक दिया गया है। यह लंबे समय से एक लगातार समस्या बनी हुई है, फिर भी न तो स्थानीय प्रतिनिधियों और न ही अधिकारियों ने इस पर ध्यान दिया है। भारी बारिश और तेज हवाओं के दौरान, अवरुद्ध नालियों के कारण सड़कों पर पानी बह जाता है, जिससे लोगों को गंभीर असुविधा होती है। समस्या इतनी स्पष्ट होने के बावजूद, जिम्मेदार लोगों का ध्यान इस ओर नहीं जाता है। यह स्थिति शहर के स्मार्ट सिटी बनने की आकांक्षाओं पर संदेह पैदा करती है। निवासियों का दावा है कि अधिकारी और योजनाकार भले ही स्मार्ट छवि बनाने का लक्ष्य बना रहे हों, लेकिन जमीनी हकीकत कूड़े के ढेर और असुरक्षित सार्वजनिक बुनियादी ढांचे से भरी हुई है। स्थानीय लोगों ने आगे कहा कि अगर नगर निगम ने ऐसे बुनियादी मुद्दों को हल करने के लिए उपाय किए होते, तो नालियों के ओवरफ्लो होने और लोगों की परेशानियों से बचा जा सकता था। अब वे अधिकारियों से किसी भी संभावित दुर्घटना या स्वास्थ्य संबंधी खतरे को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं।

संघर्ष के मूल कारण यथावत बने हुए हैं, भारत ने दी पाकिस्तान को चेतावनी

ब्रुसेल्स, 10 जून (एजेंसियां)

भारत ने पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई आपरेशन सिन्दूर के लगभग तीन सप्ताह बाद पुनः चेतावनी दी है कि संघर्ष के मूल कारण अब भी यथावत बने हुए हैं और आगे कभी भी आतंकवादी हमलों से उकसाए जाने पर भारत पाकिस्तान में कहीं भी और किसी भी हद तक हमला करने के लिए तत्पर है।

विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने ब्रुसेल्स की यात्रा के दौरान बेल्जियम के समाचारपत्र पोलिटिको के साथ एक साक्षात्कार में कहा, यह (पाकिस्तान) एक ऐसा देश है जो राज्य की नीति के साधन के रूप में आतंकवाद के उपयोग में पूरी तरह से लिप्त है। यही पूरा मुद्दा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या पिछले महीने युद्ध शुरू होने की परिस्थितियाँ अभी भी हैं, उन्होंने कहा, यदि आप आतंकवाद के प्रति प्रतिबद्धता को तनाव का मूल कारण कहते हैं, तो बिल्कुल, यह है।

दस मई को सैन्य कार्रवाई रोकने के बाद से एक भारतीय अधिकारी द्वारा भारतीय पक्ष को हुए नुकसान के बारे में कुछ टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि भारत के लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने पाकिस्तानी वायु सेना को इसके विपरीत कहीं अधिक व्यापक नुकसान पहुंचाया है, जिससे पाकिस्तान को शांति के लिए गुहार लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, जहां तक मेरा संबंध है, राफेल कितना प्रभावी था या अन्य प्रणालियां कितनी प्रभावी थीं – स्पष्ट रूप से, मेरे लिए प्रसन्नता का सबूत पाकिस्तानी पक्ष में नष्ट और अक्षम हवाई क्षेत्र हैं।

विदेश मंत्री ने कहा, लड़ाई 10 तारीख को एक कारण से और केवल एक कारण से बंद हुई, जो यह था कि 10 तारीख की सुबह हमने इन आठ पाकिस्तानी, मुख्य आठ पाकिस्तानी हवाई क्षेत्रों पर प्रहार किया और उन्हें अक्षम कर दिया। और इसके लिए मेरी बात पर यकीन नहीं करें, ऐसी तमाम तस्वीरें हैं जो गूगल में उपलब्ध हैं। आप उन रनवे और उन हैंगरों को देख सकते हैं जिन्हें नष्ट किया गया है।

डॉ जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान 'हजारों' आतंकवादियों को 'खुले में' प्रशिक्षित कर रहा है और उन्हें अपने दक्षिणी पड़ोसी देश में भेज रहा है। उन्होंने कहा, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसलिए उनके लिए हमारा संदेश यह है कि यदि आप अप्रैल में किए गए बर्बर कृत्यों को जारी रखते हैं, तो प्रतिशोध होने वाला है, और यह प्रतिशोध आतंकवादी संगठनों और आतंकवादी नेतृत्व के खिलाफ होगा। और हमें परवाह नहीं है कि वे कहाँ हैं। अगर वे पाकिस्तान में बहुत अंदर गहराई में हैं, तो हम पाकिस्तान में उस गहराई तक जाएंगे।

यूक्रेन और रूस के बीच मध्यस्थ के रूप में खुद को स्थापित करके अपना कद बढ़ाने की भारत की कोशिश के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हमने कभी भी अपने लिए कोई भूमिका नहीं मांगी या दावा नहीं किया। अगर हम किसी की मदद कर सकते हैं तो हम तैयार हैं, लेकिन हम खुद पर दबाव नहीं डाल रहे हैं।

डॉ जयशंकर ने कहा, भारत ने दोनों पक्षों के साथ एक खुली रेखा रखी है, और कभी-कभी संदेश एक दूसरे को पहुंचाए हैं। जब यूक्रेन के प्रधानमंत्री ज़ापोरिज़िया परमाणु ऊर्जा संयंत्र की सुरक्षा के बारे में मास्को को जानकारी देना चाहते थे, तब उनके बीच एक माध्यम के रूप में कार्य किया था।

भारत के रक्षा उद्योग के बारे में चर्चा करते हुए डॉ जयशंकर ने कहा , भारत अपने स्वयं के 'मेड इन इंडिया' रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है।

उनमें से कुछ का पाकिस्तान के साथ हाल के संघर्ष में परीक्षण हुआ है और ये 'बहुत सिद्ध' और 'बहुत सफल' रहे हैं। इसलिए जबकि भारतीय कंपनियां यूरोप के साथ अधिक काम करना चाहती हैं, मैं इसे केवल यूरोप से अधिक हथियार खरीदने के रूप में नहीं देखता।

दोनों पक्षों के बीच तेजी से, डिजाइन पर सहयोग हो रहा है। हम अब बहुत कम शुद्ध खरीदारी करते हैं।

भारत एवं यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बारे में डॉ जयशंकर ने कहा कि भारत और यूरोप साल के अंत तक एक मुक्त व्यापार समझौते को पूरा करने की राह पर हैं, लेकिन यूरोपीय संघ का कार्बन सीमा समायोजन तंत्र और मूल नियम मतभेद के प्रमुख बिंदु बने हुए हैं।

भारत में प्रजनन संबंधी समस्या गंभीर रूप ले रही है: यूएनएफपीए

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)।

भारत की जनसंख्या में 36 प्रतिशत यानी हर तीन में से एक वयस्क अनचाहे गर्भ से परेशान है तो वहीं दूसरी तरफ लगभग 30 प्रतिशत ऐसे लोग भी हैं जिनके लिये मातृत्व सपना ही बनकर रह जाता है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए)की 'विश्व जनसंख्या की स्थिति 2025' की आज यहां जारी एक रिपोर्ट में भारत के संदर्भ में यह कटु सत्य सामने आया है।

यूएनएफपीए की कार्यकारी निदेशक डॉ नतालिया कानेम ने वर्चुअल मीडिया संगोष्ठी में यह रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि ज्यादातर लोग अपनी पंसद के मुताबिक 'परिवारों' का गठन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा, यह गर्भधारण में आने वाली परेशानियों से जुड़ा है, जिसका जवाब लोगों की जरूरतों को पूरा करने से जुड़ा है। इसमें परिवार के लिए भुगतान वाली छुट्टी, किफायती प्रजनन संबधी देखभाल और सहायक साथी का होना शामिल है।

'वास्तविक प्रजनन संकट: बदलती वैश्विक परिस्थितियों में प्रजनन एजेंसी की खोज' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में दृष्टिकोण में बदलाव पर जोर दिया गया है, जिसे जन्म दर में गिरावट के बारे में चिंताओं से लोगों का ध्यान हटाकर प्रजनन लक्ष्यों और उसे प्राप्त करने की उनकी क्षमता के बीच बढ़ रहे अंतर को कम करना होना चाहिए। इससे यह तर्क सामने आता है कि वास्तविक संकट अधिक जनसंख्या या कम जनसंख्या के बारे में नहीं है, बल्कि अधूरी प्रजनन आवश्यकताओं और इस बारे में निर्णय लेने की आजादी न होना है।

यह रिपोर्ट भारत सहित 14 देशों में किये गये यूएनएफपीए - यूजीओवी सर्वेक्षण पर आधारित है। इसमें यह बताया गया है कि प्रजनन संबंधी निर्णय लेना जैसे की सेक्स के बारे में स्वतंत्र और सूचित विकल्प, गर्भनिरोधक और संतानोत्पत्ति सबसे महत्वपूर्ण फैसले हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक देश के 31 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर (2.1) से नीचे गिर गयी है। हालांकि बिहार (3.0), मेघालय (2.9) और उत्तर प्रदेश (2.7) में यह अभी भी बढ़ी हुयी ही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तमिलनाडु, केरल और दिल्ली में खासकर शिक्षित मध्यम वर्ग की महिलायें या वैवाहिक जोड़े लागत और कार्य-जीवन संघर्ष के कारण बच्चे को जन्म देने में देरी करते हैं या फिर बच्चे पैदा करते ही नहीं हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय असुरक्षा ही वांछित परिवार के सदस्यों की संख्या में सबसे आम बाधा है। लगभग 40 प्रतिशत लोग वित्तीय सीमाओं का हवाला देते हैं, उसके बाद नौकरी की असुरक्षा (21 प्रतिशत), अपर्याप्त आवास (22 प्रतिशत), और बच्चों की देखभाल संबधी सुविधाओं की कमी (18 प्रतिशत)। सामान्य खराब स्वास्थ्य (15 प्रतिशत), बांझपन (13 प्रतिशत) और सीमित मातृ स्वास्थ्य सेवा (14 प्रतिशत) जैसी स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी इस बाबत भूमिका निभाती हैं। इसके अलावा, भविष्य के बारे में जलवायु परिवर्तन और राजनीतिक अस्थिरता जैसी चिंतायें लोगों को बच्चे पैदा करने से हतोत्साहित कर रही हैं।

रिपोर्ट में एक बयान के हवाले से कहा गया है कि पाँच में से लगभग एक व्यक्ति ने यह भी कहा है कि उन्हें परिवार या अन्य लोगों से कम बच्चे पैदा करने का दबाव महसूस होता है।

इस बीच, यूएनएफपीए की भारत स्थित प्रतिनिधि एंड्रिया एम. वोजनार ने कहा, भारत में मातृ मृत्यु दर में कमी आई है जिसका अर्थ है कि आज लाखों और मातायें जीवित हैं। बच्चों की परवरिश कर रही हैं और समुदायों का निर्माण कर रही हैं। फिर भी, राज्यों, जातियों और आय समूहों में गहरी असमानताएँ बनी हुई हैं।

देश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या सात हजार के करीब

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)।

देशभर में कोराना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या मंगलवार सुबह तक 6815 पहुंच गयी और पिछले 24 घंटों के दौरान इसके संक्रमण से तीन और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 68 पहुंच गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार आज सुबह आठ बजे तक 324 नए संक्रमण के मामले सामने आए, जिससे कुल सक्रिय मामलों की संख्या 6,815 हो गई और इस बीमारी के संक्रमण से 7644 मरीज स्वस्थ हो गये हैं। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से तीन और मरीजों की जान जाने से मृतकों की संख्या 68 हो गयी है। इस अवधि में राष्ट्रीय राजधानी, केरल और झारखंड से एक-एक मरीज की मौत हुई है।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। देश में 30 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना सक्रिय मामलों में वृद्धि हुई है। जिनमें से केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

कोरोना संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, जहां आज सुबह तक 96 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ इसका आंकड़ा दो हजार पार कर 2053 तक पहुंच गया और दिल्ली में लगभग 37 मामलों के घटने से संक्रमितों की कुल संख्या 691 रह गई।

इसके अलावा गुजरात में 1109, पश्चिम बंगाल में 747, महाराष्ट्र में 613, कर्नाटक में 559, तमिलनाडु में 207, उत्तर प्रदेश में 225, राजस्थान में 124, हरियाणा में 108, आंध्र प्रदेश में 86, पुडुचेरी में नौ, सिक्किम में 36, मध्य प्रदेश में 52, छत्तीसगढ में 44, बिहार में 48, ओडिशा में 39, पंजाब में 30, जम्मू-कश्मीर में नौ, झारखंड में छह, असम में तीन, गोवा में पांच, तेलंगाना में 10, उत्तराखंड में छह, हिमाचल प्रदेश तीन, चंड़ीगढ़ में दो और त्रिपुरा में एक सक्रिय मामले हैं। मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण को कोई मामला सामने नहीं आया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार देश में कोविड मामलों में मौजूदा उछाल ओमिक्रॉन के नए सब-वेरिएंट जैसे कि जेएन.1, एनबी.1.8.1, एलएफ.7 और एक्सएफसी के कारण है। इनमें संक्रमण की संभावना अधिक है, लेकिन इनमें लक्षण हल्के हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इन्हें वर्तमान में निगरानी में रखे गए वेरिएंट के रूप में वर्गीकृत किया है – अभी तक चिंता का विषय नहीं है, लेकिन सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

इस बीच, कोरान के लिए जिम्मेदार वायरस सार्स-सीओवी-2 खत्म नहीं हुआ है, लेकिन यह अब अप्रत्याशित आपातकाल की तरह व्यवहार नहीं करता है – बल्कि, यह फ्लू की तरह बीमारियों के आवर्ती चक्र का हिस्सा बन गया है। कोरोना के मामलों में वृद्धि के जवाब में, केंद्र सरकार ने अस्पतालों की तैयारी और ऑक्सीजन, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न राज्यों में मॉक ड्रिल शुरू की है।

सेना ने कैप्टन विजयंत थापर सहित 65 शूरवीरों के परिजनों को सम्मानित किया

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)।

सेना ने 26वें कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में करीब डेढ महीने तक चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत इस लड़ाई के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले योद्धाओं के परिजनों को सम्मानित करने की कड़ी में मंगलवार को कैप्टन विजयंत थापर (वीर चक्र) सहित 65 शूरवीरों के परिजनों को उनके घर जाकर सम्मानित किया।

सेना ने बताया है कि कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर सेना सर्वोच्च बलिदान देने वाले योद्धाओं के घर-घर जाकर वीर सैनिकों के परिजनों तथा देशवासियों को भारत मां के इन वीर सपूतों के अदम्य साहस और उनके शौर्य की पराकाष्ठा के बारे में जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही सेना सभी वीर सेनानियों के घर जाकर सम्मानपूर्वक स्मृति चिन्ह भेंट करके उन्हें सम्मानित कर रही है।

सेना के अधिकारियों का एक दल कैप्टन थापर के नोएडा स्थित आवास पर पहुंचा और उनके माता पिता से मुलाकात कर उन्हें आभार पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सेना के अधिकारी इसके अलावा यहां राजधानी दिल्ली में वीर चक्र से सम्मानित राइफलमैन अनसुया प्रसाद की पत्नी, जयपुर में हवलदार बस्ती राम की पत्नी , कुरूक्षेत्र में लांस नायक गुरमेल सिंह के माता पिता , राजस्थान के वैशाली नगर में नायक आनंद सिंह की पत्नी और देहरादून में सेना पदक से सम्मानित हवलदार हरिओम के परिजनों सहित 60 से अधिक योद्धाओं के परिजनों से मिले और उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर सेना की ओर से यह भावना भी व्यक्त की जा रही है कि वह अपने वीर साथियों को कभी नहीं भूलती और न कभी भूलेगी । सेना का कहना है, यह हमारा कर्तव्य और हमारी भावना है कि हम उनके परिजनों को बताएं कि हमारे वीर सेनानियों का बलिदान व्यर्थ नहीं गया है । हमारे वीर बलिदानियों का परिवार अकेला नहीं है, भारतीय सेना उसका परिवार है और पूरी भारतीय सेना हमेशा उनके साथ खड़ी है ।

सेना का यह कदम शूरवीरों को सम्मान देने के साथ-साथ यह भी बताता है कि देश अपने वीर बलिदानियों को कभी नहीं भूलता है । सेना के इस कदम से मां भारती के वीर बलिदानियों के परिवार भावुक हो उठे ।

सेना के अनुसार ये कार्यक्रम विजय दिवस यानी 26 जुलाई तक आयोजित किये जायेंगे और इनमें देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले नायकों की अदम्य भावना, बलिदान और साहस का सम्मान किया जाएगा।

देश में हर वर्ष 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस मनाया जाता है जो राष्ट्र के दिल में गौरव और गंभीर यादों के साथ अंकित है। वर्ष 1999 में इसी दिन भारत ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ कर सामरिक रूप से महत्वपूर्ण करगिल की चोटियों को उनके कब्जे से छुड़ा कर ऑपरेशन विजय को सफलतापूर्वक पूरा किया था।

पिछले 11 वर्षों में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया गया: मोदी

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश में पिछले 11 वर्षों में रक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और सरकार ने रक्षा उत्पादन में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के मौके पर शीर्ष नेतृत्व की ओर से सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में देशवासियों के सामूहिक संकल्प और रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भरता तथा प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता की ओर ले जाने के अटूट दृढ़ संकल्प पर गर्व व्यक्त किया।

श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पिछले 11 वर्षों में हमारे रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, जिसमें आधुनिकीकरण और रक्षा उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनने पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है। देशवासी भारत को और मजबूत बनाने के संकल्प के साथ जिस तरह से एकजुट हुए हैं यह देखकर खुशी होती है।

सेल को मिला प्रतिष्ठित एईओ टियर-2 दर्जा

वैश्विक व्यापार में मिलेगी बड़ी पहचान और सुविधा

नई दिल्ली 10 जून (एजेंसियां)।

देश के अग्रणी इस्पात उत्पादक भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) को अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क निदेशालय ने अधिकृत आर्थिक ऑपरेटर (एईओ) – टियर-2 का प्रतिष्ठित दर्जा प्रदान किया गया है।

कंपनी ने मंगलवार को बयान जारी कर बताया कि सेल को यह महत्वपूर्ण मान्यता 09 जून, 2025 को मिली। यह कंपनी की मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मानदंडों के प्रति कड़ी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सेल के कार्यकारी निदेशक (लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर) ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क निदेशालय, नई दिल्ली के प्रधान आयुक्त से यह महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के एईओ कार्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक व्यापार को सुगम बनाना और एक सुरक्षित व्यापारिक वातावरण को बढ़ावा देना है।

यह उन कंपनियों को विशेष लाभ प्रदान करता है जो सीमा शुल्क कानूनों का पालन करने और अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित रखने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन करती हैं। दुनिया भर में स्वीकार्य यह प्रमाणन किसी भी संगठन के लिए अनुपालन, सत्यनिष्ठा और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा के प्रति उसकी निष्ठा का प्रमाण है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मोदी सरकार के 11 साल पर बोले योगी आदित्यनाथ

नया भारत शांति की रट नहीं लगाता, मुंहतोड़ जवाब देता है

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष का कार्यकाल भारत वर्ष के स्वर्णिम काल के रूप में जाना जाएगा। इस कार्यकाल में पीएम मोदी ने भारत को वैश्विक पहचान दी है। कांग्रेस समेत अन्य अस्थिर सरकारों से जो आम जन का विश्वास टूटा था। वैश्विक मंच पर जो भारत की छवि तार तार हुई थी उसे पीएम मोदी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद से मुक्त नेतृत्व ने भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाकर अगले 25 वर्ष की कार्ययोजना प्रस्तुत की है। इन 11 वर्षों ने सामाजिक और संस्कृतिक पक्ष के साथ ही सेवा, सुशासन के साथ आर्थिक मोर्चे पर देश को एक नई पहचान दी है।

शासन की नीति स्पष्टता, कार्य प्रणाली की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही शासन की नई पहचान बनी है। विकास केवल नारे नहीं हैं। इन वर्षों ने विरासत और विकास का समन्वय करते हुए हुए देश को दुनिया में नई पहचान दिलाई। अब चेहरा देख कर नहीं बल्कि जरूरत देख कर सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाता है। मुख्यमंत्री योगी मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पिछले 11 साल में राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस को हमने देखा है। यह 11 साल का समय उस वक्त पूरा हो रहा है जब भारत की सामरिक शक्ति को

पूरे विश्व ने देखा है। पाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया में ट्रस्टेड भारत की सैन्य शक्ति मानी गई है। कोई हम पर युद्ध थोपेगा तो उसका जवाब सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर से दिया जाएगा। अब भारत दुनिया में शांति की रट लगाने वाला देश नहीं है बल्कि युद्ध थोपने पर कड़ा जवाब देने वाला देश है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इन 11 वर्षों में भारत को एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में प्रदर्शित किया गया है। विकसित भारत के लिए पंच प्रण और 11 संकल्प बताए गए हैं। 11 साल में भारत ने विकसित भारत की आधारशिला पंच प्रण के आधार पर रखी है। समावेशी विकास शुरू किए गए हैं। ढांचागत विकास का मॉडल बनाया है। तकनीक के उपयोग के माध्यम से भ्रष्टाचार पर काबू पाया गया। पिछले 11 साल में जितना कुछ तकनीक के माध्यम से किया गया पिछले 65 साल में नहीं हो सका था। वंशवाद और परिवारवाद की राजनीति जातिवाद को भी बढ़ावा देती है। ऐसी पुनरावृत्ति फिर ना हो जिसकी वजह से पहले देश को गुलाम होना पड़ा था।

मोदी सरकार के कार्यकाल में महिलाओं का नेतृत्व बढ़ाया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में हर हाल में आरक्षण की सुरक्षा की गई है। सामाजिक न्याय को सुरक्षित किया गया है। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने नए भारत का दर्शन किया। पिछले 11 वर्ष में भारत ने 11वीं से चौथी अर्थव्यवस्था बनने का गौरव प्राप्त किया। हमने उस ब्रिटेन को पछाड़ा जो हम पर 200 साल तक राज कर चुका है। भारत ने अपनी प्रति व्यक्ति आय को 11 साल में दोगुना किया है। भारत का निर्यात कई गुना बढ़ा है। भारत की विकास दर जिस तरह बढ़ रही है उससे 2027 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की सांस्कृतिक और धार्मिक नगरों को पहचान दी गई। अयोध्या में 500 साल के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ तो देश भर के प्रमुख तीर्थस्थानों का नया स्वरूप हमारे सामने आया है। अयोध्या को विश्वभर में धार्मिक नगरी के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। इसके साथ ही सरकार पटेल की भव्य प्रतिमा की स्थापना और नेता जी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित कर उन्हें सम्मान देना। मोदी सरकार ने देश की विरासत को विकास के साथ जोड़ा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के 11 साल का कार्यकाल सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को गति प्रदान करतीं प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, जन धन योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी अनेक लोक-कल्याणकारी पहलें आमजन के जीवन को सुगम, वंचित को सशक्त और व्यवस्था को परिणाम दायक बनाने के प्रति प्रधानमंत्री जी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। विरासत से विकास तक, मेट्रो की रफ्तार से सस्ती-सुगम हवाई यात्रा तक, वंदे भारत ट्रेनों से नए राजमार्गों तक, इंफ्रास्ट्रक्चर से इंडस्ट्री तक, कृषि से कॉमर्स तक, राष्ट्रीय सुरक्षा से सामाजिक सुरक्षा तक, सामाजिक समृद्धि से सामाजिक न्याय तक, भारत विविध क्षेत्रों में विकास की एक नई गाथा लिख रहा है। आस्था, अस्मिता, आजीविका और अर्थव्यवस्था के उत्कर्ष को सुनिश्चित करते सेवा के 11 साल भारत को महाशक्ति बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

पुलिस भर्ती में चुने गए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देंगे अमित शाह

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। यूपी पुलिस के 60244 पदों पर सीधी भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नियुक्ति पत्र देंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दिल्ली में गृह मंत्री से भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम में सभी चयनित अभ्यर्थियों को बुलाया गया है।

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में होना प्रस्तावित है। इसके लिए सभी जिलों के कप्तानों से चयनित अभ्यर्थियों को राजधानी भेजने को कहा गया है। वहीं, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट उनके रहने और खाने-पीने का बंदोबस्त करेगा। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के सभी वरिष्ठ मंत्री, गृह विभाग और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

नवचयनित सिपाहियों में 12048 महिलाएं भी शामिल हैं। पहली बार किसी पुलिस बल में इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में यूपी के अलावा अन्य प्रदेशों के चयनित अभ्यर्थी भी हिस्सा लेंगे। तत्पश्चात 22 जून से सभी जिलों में जनरल ट्रेनिंग कोर्स के लिए भेज दिए जाएंगे। वहीं जुलाई माह से नौ माह का आधारभूत प्रशिक्षण लेने रीजनल ट्रेनिंग सेंटर भेजे जाएंगे।

सीएम योगी के दौरे से पहले 500 किलो विस्फोटक का जखीरा मिला

सर्वे की आड़ में बहराइच में बिछाया जा रहा था विस्फोटक

बंगाल के 70 लोग गिरफ्तार, मजार को ध्वस्त किया गया

बहराइच, 10 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बहराइच दौरे के पहले पुलिस ने करीब 500 किलो विस्फोटक पकड़ा है, जिसे जमीन के अंदर बिछाया गया था। इस मामले में 70 बंगाली मुस्लिमों को गिरफ्तार किया गया है। बाहर से आकर यूपी में अशांति फैलाने की कोशिशों में लगे कट्टर इस्लामिक तत्वों ने एक मजार को अड्डा बना लिया था, उसे भी ध्वस्त कर दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि हरदी इलाके के सिकंदरपुर गांव के पास करीब 200 लोग तीन गाड़ियों में आए और खुद को एक तेल कंपनी का सर्वे करने वाला मुलाजिम बताया। उन लोगों ने 20 किलोमीटर के इलाके में जमीन में छेद करके अमोनियम नाइट्रेट विस्फोटक बिछाना शुरू कर दिया। ये विस्फोटक बालासराय, लखनापुर, सधुवापुर, सिकंदरपुर और औराही जैसे कई गांवों में बिछाए गए थे। गांव वालों ने तुरंत महसी के विधायक सुरेश्वर सिंह को इस मामले की जानकारी दी। विधायक तुरंत मौके पर पहुंचे और अधिकारियों को सूचना दी, लेकिन शुरुआत में कोई नहीं आया। जब इसकी जानकारी बड़े अधिकारियों को दी गई तब जाकर स्थानीय पुलिस सक्रिय हुई। तुरंत एसडीएम, एसपी और अन्य बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां गाड़ियों में भारी मात्रा में विस्फोटक लदा हुआ मिला। विधायक सुरेश्वर सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि इतना विस्फोटक मिलने के बाद भी स्थानीय पुलिस अधिकारी गांव वालों पर गाड़ियों को छोड़ने का दबाव डाल रहे थे।

विधायक सुरेश्वर सिंह का कहना है कि मुख्यमंत्री के दौरे से ठीक एक दिन पहले इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक का मिलना किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। बहराइच के ग्रामीण एएसपी डीपी तिवारी ने बताया कि अब तक 70 लोगों को पकड़ा गया है और इनमें से ज़्यादातर पश्चिम बंगाल के हैं। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने पहले ही पुलिस को अलर्ट किया था कि 37 बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए नेपाल की सीमा से होते हुए बहराइच में घुसपैठ कर सकते हैं। लेकिन बहराइच पुलिस पर इन सूचनाओं का कोई असर नहीं पड़ा।

केजीएमयू के अध्ययन में निकला निष्कर्ष, रिपोर्ट प्रकाशित

कोरोना से डरने की जरूरत नहीं, न लगवाएं बूस्टर डोज

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। कोरोना को लेकर आ रहे केस से घबराने की जरूरत नहीं है। न ही इसके लिए बूस्टर डोज लेने की जरूरत है। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आप वैक्सीन की दो खुराक ले चुके हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। आपको तीसरी खुराक लेने की जरूरत भी नहीं है। आपके शरीर में कोविड-19 वायरस के खिलाफ पर्याप्त एंटीबॉडी हैं। एल्सेवियर से प्रकाशित केजीएमयू के साझा अध्ययन में यह निष्कर्ष निकला है।

अप्रैल से सितंबर 2023 के बीच हुए इस अध्ययन में लखनऊ समेत आसपास के 10 जनपदों के 7643 निवासियों को शामिल किया गया। इनमें से 643 में सेलुलर एंटीबॉडी और 7000 में ह्यूमरल एंटीबॉडी की जांच की गई। सेलुलर एंटीबॉडी वालों में पांच से 12 वर्ष के 139 बच्चे, 13 से 17 वर्ष के 75 किशोर थे। बच्चों को वैक्सीन नहीं लगी थी। ह्यूमरल एंटीबॉडी वाले समूह में सभी शामिल थे। इनके खून के नमूने लेकर एंटीबॉडी जांची गई। इसमें देखा गया कि बच्चों में

एंटीबॉडी का स्तर कम था। पहली के बाद दूसरी डोज लेने के बाद एंटीबॉडी का स्तर बढ़ा था। दो डोज लेने वालों में एंटीबॉडी की मात्रा काफी ज्यादा थी। वहीं, दूसरी के बाद तीसरी खुराक लेने वालों में एंटीबॉडी की मात्रा में नाममात्र ही वृद्धि देखने को मिली। ऐसे में दो खुराक ले चुके लोगों को तीसरी खुराक लेने की जरूरत नहीं है।

केजीएमयू के संक्रामक रोग प्रभारी डॉ. डी हिमांशु ने बताया कि ह्यूमरल और सेलुलर प्रतिरक्षा (एंटीबॉडी) शरीर की दो मुख्य प्रतिरक्षा प्रणाली हैं। ये शरीर को रोगजनक और अन्य खतरों से बचाने के लिए एक साथ काम करती हैं। ह्यूमरल प्रतिरक्षा एंटीबॉडी का उत्पादन करने के लिए बी कोशिकाओं पर निर्भर करती है। सेलुलर प्रतिरक्षा वायरस और बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए टी कोशिकाओं के माध्यम से एंटीबॉडी को सक्रिय करती हैं। वायरस को खत्म करने के लिए बी कोशिकाओं को उसके ऊपर चिपकना पड़ता है। वहीं, सी कोशिकाएं वायरस या बैक्टीरिया को लंबे समय तक उसके संपर्क में आते ही खत्म करती रहती हैं। अध्ययन में शामिल लोगों ने कोवीशील्ड और कोवॉक्सीन लगवाई थी। जांच करने पर दोनों में एंटीबॉडी का स्तर समान मिला। इससे साफ है कि इससे फर्क नहीं पड़ता कि आपने कौन सी वैक्सीन लगवाई थी।

अध्ययन में केजीएमयू की डॉ. गीता यादव, डॉ. डी हिमांशु, डॉ. हरदीप सिंह मल्होत्रा, डॉ. अमिता जैन, डॉ. श्रुति रडेरा, डॉ. अनिल कुमार वर्मा, डॉ. शैलेंद्र यादव, डॉ. नीरज कुमार शामिल थे। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के राज्य सर्विलांस अधिकारी विकासेंदु अग्रवाल, कनाडा की मैनिटोबा यूनिवर्सिटी से रवि प्रकाश, उत्तर प्रदेश टेक्निकल सपोर्ट यूनिट से जॉन एंथोनी और परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य महानिदेशालय से अनुज त्रिपाठी शामिल थे।

प्राथमिक स्कूलों में हुए बड़े पैमाने पर तबादले, आदेश जारी

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में जिले के अंदर परस्पर तबादले की सूची सोमवार को जारी कर दी गई है। शिक्षकों को 10 से 15 जून के बीच कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा।

इस स्कीम के तहत 4636 जोड़ों यानी कुल 9272 शिक्षकों को तबादले का लाभ मिला है। इन शिक्षकों को 10 से 15 जून के बीच कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा।

प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में लगभग दो महीने से परस्पर तबादले की प्रक्रिया चल रही है। इसके तहत हाल ही में एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादले की सूची जारी की गई थी। इसमें 7000 से ज्यादा शिक्षकों को तबादले का लाभ मिला था। वहीं सोमवार को जिले के अंदर परस्पर तबादले की सूची जारी की गई है। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जिले के अंदर परस्पर तबादले के लिए आवेदन लेकर, बीएसए से ऑनलाइन सत्यापन व शिक्षकों की ओर से बनाए गए जोड़े के क्रम में इन शिक्षकों को

परस्पर तबादला दिया गया है। इसकी सूची एनआईसी के पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। शिक्षक व बीएसए इसके अनुसार आगे की प्रक्रिया पूरी करेंगे। इसके लिए अभिलेखों का ठीक से सत्यापन भी करेंगे।

वहीं बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल की ओर से सभी बीएसए को जारी आदेश में कहा गया है कि इन परस्पर तबादला पाने वाले शिक्षकों को गर्मी की छुट्टियों में ही 10 से 15 जून के बीच कार्यभार ग्रहण व कार्यमुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीएसए इस प्रक्रिया को निर्धारित समय में पूरा करें, इसमें लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। इसकी भी समीक्षा की जा रही है कि एक से दूसरे जिले में हुए हुए परस्पर तबादले में अभी तक कितने शिक्षक कार्यमुक्त किए गए हैं। पिछली बार हुए जिले के अंदर परस्पर तबादले में लगभग 20 हजार शिक्षकों को इसका लाभ मिला था। किंतु इस बार अपेक्षाकृत तबादले का लाभ पाने वाले शिक्षकों की संख्या कम है। उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि अपने घर व जिले के पास तबादला पाने वाले शिक्षकों को यह बड़ा तोहफा है। अब शिक्षक और बेहतर तरीके से मन लगाकर पठन-पाठन का काम करेंगे।

15 जिलों में तबादले का मौका, 60 में अब जगह नहीं

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। बेसिक शिक्षा विभाग ने जिलों में खाली स्थानों का विवरण जारी कर दिया है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारने की कवायद शुरू हो गई है। बेसिक शिक्षा विभाग ने सोमवार को परिषदीय विद्यालयों में एक से दूसरे जिले में तबादले के लिए खाली जगह का विवरण जारी कर दिया। इसके अनुसार बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती समेत 15 जिलों में ही तबादलों का मौका मिलेगा। बाकी 60 जिलों में जगह खाली नहीं है। बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से जारी पदों के विवरण के अनुसार 15 जिलों में ग्रामीण क्षेत्र में असिस्टेंट टीचर प्राइमरी स्कूल के लिए 13266, हेड मास्टर प्राइमरी स्कूल में 410, असिस्टेंट टीचर अपर प्राइमरी स्कूल (6 से 8 तक) में 16009 व हेड मास्टर अपर प्राइमरी में 3369 शिक्षकों को तबादला लेने का मौका है। इसके माध्यम से पिछड़े जिलों में शिक्षकों की कमी को पूरा करने की कवायद की जाएगी। बेसिक शिक्षा परिषद सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी के अनुसार बलरामपुर, बांदा, बहराइच, बदायूं, हमीरपुर, जालौन, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, मिर्जापुर, पीलीभीत, संभल, शाहजहांपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर व सोनभद्र में ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षक तबादला ले सकेंगे। इन रिक्तियों की सूची सोमवार को निर्धारित वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। उन्होंने बताया कि शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारने के क्रम में व बच्चों की सुविधा को देखते हुए यह रिक्तियां जारी की गई हैं। इन जिलों से कोई शिक्षक दूसरे जिले में तबादला नहीं लेंगे। वहीं अन्य 60 जिलों में अभी तबादले के लिए रिक्ति नहीं है। उन्होंने बताया कि इन जिलों में तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन सोमवार से शुरू हो गए हैं जो 12 जून तक चलेंगे। शिक्षक ऑनलाइन आवेदन की प्रति बीएसए कार्यालय में 09 से 13 जून तक जमा करेंगे। बीएसए 14 जून तक ऑनलाइन सत्यापन कर डाटा लॉक करेंगे। वहीं एनआईसी 16 जून को तबादला सूची जारी करेगी। जबकि उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के निर्भय सिंह ने कहा कि एक से दूसरे जिले में सामान्य तबादले की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों को इस बार कोई राहत नहीं मिलने वाली है। सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, लखनऊ, एनसीआर आदि जिलों में जाने के लिए आवेदन नहीं किए जा सकेंगे।

मथुरा निगम की बैठक : बांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण का प्रस्ताव पास

मथुरा, 10 जून (एजेंसियां)। मथुरा नगर निगम की बैठक में श्रीबांकेबिहारी की जयघोष के साथ प्रस्तावित श्रीबांकेबिहारी कॉरिडोर निर्माण का मौखिक रूप से प्रस्ताव पास हो गया है। अधिकतर पार्षदों ने सरकार की इस योजना का समर्थन किया, जबकि श्रीबांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र के पार्षद घनश्याम चौधरी ने पुरजोर इसका विरोध किया। फिर घनश्याम चौधरी और अन्य पार्षदों में नोकझोंक शुरू हो गई और हंगामा होने लगा। बैठक का माहौल बिगड़ता देख महापौर ने पार्षदों को शांत कराया। पार्षद बोले मथुरा-वृंदावन का बच्चा-बच्चा कॉरिडोर निर्माण चाहता है।

यह बैठक मसानी तिराहे के निकट एक निजी होटल में आयोजित की गई। इस दौरान में महापौर विनोद अग्रवाल, नगर आयुक्त जग प्रवेश समेत सभी वार्डों के पार्षद मौजूद रहे। इस दौरान महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा है कि श्रीबांकेबिहारी जी के दर्शन के लिए हर साल श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसलिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर श्रीबांकेबिहारी कॉरिडोर निर्माण का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा है कि मथुरा-वृंदावन के लोगों को महीनों गुजर जाते हैं, लेकिन आराध्य के सुगमता से दर्शन नसीब नहीं होते हैं। इसका मुख्य कारण श्रीबांकेबिहारी मंदिर में भीड़ का दबाव है।

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखकर

स्थानीय लोग मंदिर जाने में संकोच करते हैं। यहीं नहीं उन्होंने कई ऐसे उदाहरण दिए, जो मंदिर की अव्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं को परेशानी झेलनी पड़ी है। इससे मथुरा के लोगों को अधिक कष्ट होता है। साथ ही कहा है कि भीड़ के दबाव के कारण व्यापार को भी चपत लग रही है। भीड़ के दबाव के कारण श्रद्धालु दुकानों पर रुकने की वजह बाहर निकलने का प्रयास करते हैं। बिना कुछ खरीदारी किए श्रद्धालु चले जाते हैं। इसका खामियाजा व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है। इसलिए श्रीबांकेबिहारी कॉरिडोर का निर्माण समय की आवश्यकता है।

महापौर की इस बात पर सभी पार्षदों ने एक स्वर में बांकेबिहारी के जयकारे लगाए। साथ ही कहा कॉरिडोर निर्माण समय की आवश्यकता है। हालांकि श्रीबांकेबिहारी क्षेत्र के पार्षद घनश्याम चौधरी ने इसका विरोध जताया है। उनका कहना है कि कॉरिडोर निर्माण से वृंदावन की कुंज गलियां समेत पुरातन संस्कृति नष्ट हो जाएगी। साथ ही सैकड़ों लोग प्रभावित होंगे।

घनश्याम चौधरी के विरोध के बाद मौजूद अन्य पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया और घनश्याम को चारों तरफ से घेर लिया। माहौल बिगड़ता देख महापौर ने पार्षदों का शांत कराया। इस दौरान पार्षद दल के नेता बालकिशन चतुर्वेदी, नीनू कुंजबिहारी भारद्वाज, नीरज वशिष्ट, ब्रजेश खरे, राजवीर सिंह, तेजवीर सिंह, संतोष पाठक, राकेश भाटिया और राकेश यादव समेत अन्य पार्षद मौजूद रहे।

महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा है कि गोस्वामी समाज की मांगों के अनुरूप ही कॉरिडोर का निर्माण कराया जाएगा। इससे प्रभावित होने वाले किसी का भी अहित नहीं होगा। प्रशासन इसकी प्रक्रिया में लगा है।

साथ ही कहा कि गोस्वामी बिहारपुरा में आवास चाहते हैं तो इसका भी हल निकाला जाएगा। उन्होंने साफ-साफ कहा है कि गोस्वामी समाज के लोग किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं दें। पार्षद इसमें सहयोग करेंगे। महापौर ने कहा है कि कॉरिडोर निर्माण के अलावा श्रीबांकेबिहारी क्षेत्र में और विकास की आवश्यकता है।

इसमें उन्होंने सभी पार्षदों का सहयोग मांगा है। कहा है कि पिछले सात सालों में नगर निगम क्षेत्र में अधिक से अधिक विकास हुआ है। भले ही मथुरा-वृंदावन नगर निगम इंदौरा और बड़ौदा नहीं बन पाया हो, लेकिन विकास काफी हुआ है। आगे भी यह प्रयास जारी रहेगा। वहीं उन्होंने प्रस्तावित भूमिगत नाले का निर्माण कराने का जिक्र किया। कहा है कि 90 करोड़ रुपए से भूमिगत नाले का निर्माण कराया जाएगा। इससे जलभराव की समस्या से निदान मिलेगा।

संपादकीय

गरीबी में कमी

विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी को दर्शाती है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धि कही जा सकती है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। इसमें दो राय नहीं कि वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीतियों से देश में आर्थिक असमानता को बढ़ावा मिला है। वहीं तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने एक छोटे वर्ग को असंगत रूप से लाभान्वित किया है। निश्चित रूप से नई आर्थिक नीतियों की विसंगतियों से उपजे असमान परिदृश्य में लाखों लोग गरीबी की रेखा से ऊपर तो उठ गए, लेकिन वे बीमारी, नौकरी छूटने या जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं जैसे संकटों के प्रति संवेदनशील बने हुए हैं। आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक रूप से हाशिये पर रहने वाली आबादी के बड़े हिस्से के लिये यह खतरा बना हुआ है। एक मजबूत सुरक्षा कवच का अभाव इस संकट की संवेदनशीलता को बढ़ा देता है। भारत के विकास की गाथा तभी लिखी जा सकती है, जब हम इस असमानता की खाई को पाटकर गरीबी को कम करने की दिशा में आगे बढ़ें। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान, समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। निर्धन आबादी के लिये जनकल्याण की योजनाएं जरूर चलायी जानी चाहिए, लेकिन एक वक्त के बाद सरकारी सहायता पर उनकी निर्भरता को कम करना भी उतना ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, शिक्षा के प्रसार से इस वर्ग की उत्पादकता बढ़ाने की भी कोशिश की जानी चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

> पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। इसमें दो राय नहीं कि वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीतियों से देश में आर्थिक असमानता को बढ़ावा मिला है। वहीं तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने एक छोटे वर्ग को असंगत रूप से लाभान्वित किया है। निश्चित रूप से नई आर्थिक नीतियों की विसंगतियों से उपजे असमान परिदृश्य में लाखों लोग गरीबी की रेखा से ऊपर तो उठ गए, लेकिन वे बीमारी, नौकरी छूटने या जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं जैसे संकटों के प्रति संवेदनशील बने हुए हैं। आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक रूप से हाशिये पर रहने वाली आबादी के बड़े हिस्से के लिये यह खतरा बना हुआ है। एक मजबूत सुरक्षा कवच का अभाव इस संकट की संवेदनशीलता को बढ़ा देता है।

आप का नजरिया

भारत के स्वराज्य की हुंकार हिन्दू सामाज्य दिवस

छत्रपति शिवाजी महाराज भारत की स्वतंत्रता के महान नायक हैं, जिन्होंने 'स्वराज्य' के लिए संगठित होना, लड़ना और जीतना सिखाया। मुगलों के लंबे शासन और अत्याचारों के कारण भारत का मूल समाज आत्मदैन्य की स्थिति में चला गया था। विशाल भारत के किसी न किसी भू-भाग पर मुगलों के शोषणकारी शासन से मुक्ति के लिए संघर्ष तो चल रहा था लेकिन उन संघर्षों से बहुत उम्मीद नहीं थी। भारत के वीर सपूत अपने प्राणों की बाजी तो लगा रहे थे लेकिन समाज को जागृत और संगठित करने का काम नहीं कर पा रहे थे। जबकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने समाज के भीतर विश्वास जगाया कि हम मुगलों के शासन को जड़ से उखाड़कर फेंक सकते हैं, यदि सब एकजुट हो जाएं। यही कारण है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के देवलोकगमन के बाद भी 'हिन्दवी स्वराज्य' का विचार पल्लवित, पुष्पित और विस्तारित होता रहा। 'हिन्दू साम्राज्य दिवस' या 'श्रीशिव राज्याभिषेक दिवस' भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना है। इस घटना ने दुनिया को बताया कि भारत के भाग्य विधाता मुगल नहीं हैं। भारत का हिन्दू समाज ही भारत का भाग्य विधाता है। भारत में हिन्दुओं का राज्य है। उनके शासन का नाम है- 'हिन्दवी स्वराज्य'। विक्रम संवत 1731, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को स्वराज्य के प्रणेता एवं महान हिन्दू राजा श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक और हिन्दू पद पादशाही की स्थापना से भारतीय इतिहास को नयी दिशा मिली। दासता के घोर अंधकार में स्वराज्य की एक चमकदार रोशनी था- हिन्दवी स्वराज्य। हिन्दू साम्राज्य दिवस को हम भारत के स्वराज्य की हुंकार भी कह सकते हैं, जब हिन्दुओं ने आत्मविश्वास से सीना ठोंककर मुगलों को ललकारा और कहा कि भारत में एक बार फिर स्वराज्य की स्थापना हो गई है, जिसमें सबका कल्याण है। अनेक इतिहासकार एवं विद्वान कहते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना न की होती, तो भारत का इतिहास कुछ और होता। यह अतिशयोक्तिपूर्ण विचार नहीं है। अपितु भारत के पड़ोसी देशों एवं दूर-दराज के उन देशों की स्थिति को देखकर सहज कल्पना की जा सकती हैं, जहाँ मूल समाज की अपेक्षा बाहरी आक्रांताओं का शासन स्थायी हो गया। ऐसे देशों में वहाँ के मूल समाज की संस्कृति लगभग समाप्त हो गई है। हम कल्पना ही कर सकते हैं कि जिस प्रकार के अत्याचार मुगल शासक भारत में कर रहे थे, उसके बाद हिन्दू समाज किस स्थिति को प्राप्त होता। प्रसिद्ध मराठा इतिहासकार जीएस सरदेसाई ने लिखा है कि "मुस्लिम शासन के अधीन पूर्ण अंधकार छाया हुआ था। न कोई पूछताछ होती थी, न न्याय मिलता था। अधिकारी जो चाहें, वही करते थे। स्त्रियों के सम्मान का हनन, हत्याएं, हिंदुओं का जबरन धर्म परिवर्तन, उनके मंदिरों का विध्वंस, गायों का वध- ऐसे घिनौने अत्याचार उस शासन में आम बात थे। निजामशाही ने तो खुलेआम जीजाबाई के पिता, उनके भाइयों और पुत्रों की हत्या कर दी थी। फलटन के बजाजी निंबालकर को जबरन मुसलमान बनाया गया। ऐसे अनगिनत उदाहरण दिए जा सकते हैं। हिंदू सम्मानजनक जीवन नहीं जी सकते थे। यही बातें थीं, जिन्होंने शिवाजी के भीतर धर्मसम्मत क्रोध जगा दिया। विद्रोह की प्रबल भावना ने उनके मन को पूरी तरह घेर लिया। उन्होंने तुरंत कार्य आरंभ कर दिया। उन्होंने मन ही मन सोचा, जिसके हाथ में शस्त्र की शक्ति है, उसे कोई भय नहीं होता, कोई कठिनाई नहीं आती"। औरंगजेब का शासन तो हिन्दुओं के लिए किसी नर्क से कम नहीं था। मुगलों के अनीतिपूर्ण शासन के बरक्स छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य में लोकहित सर्वोपरि था। उन्होंने शासन को 'स्व' के आधार पर विकसित किया, इसलिए वह सबका अपना स्वराज्य था।

टैरिफ को लागू करने की तारीखों में परिवर्तन किया जा रहा है तो कभी टैरिफ को कम किया जा रहा

भारतीय अर्थव्यवस्था को भारतीय रिजर्व बैंक के दो महत्वपूर्ण तोहफे

प्रह्लाद सबनानी

> भारत में नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रति कटिबद्ध हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपक्रम एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां देश के आर्थिक विकास को गति देने में अपने प्रयास लगातार तेज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 6 जून 2025 को द्विमासिक मुद्रा नीति की घोषणा करते हुए, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से, दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक, रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6 प्रतिशत की दर से नीचे लाकर 5 .5 प्रतिशत कर दिया गया है।

वैश्विक स्तर पर विश्व के कई देशों में आर्थिक गतिविधियों पर संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में तो श्री डॉनल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से नित नई घोषणाएं की जा रही है। कभी टैरिफ को बढ़ाया जा रहा है तो कभी टैरिफ को लागू करने की तारीखों में परिवर्तन किया जा रहा है तो कभी टैरिफ को कम किया जा रहा है। कुल मिलाकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अफरा तफरी का माहौल बन गया है। अभी हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति श्री ट्रम्प एवं अमेरिका के एक महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली मंत्री श्री एलान मस्क के बीच युद्ध छिड़ गया है एवं अब वे एक दूसरे पर गम्भीर आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था का इन सब बातों से बहुत नुक्सान होता हुआ दिखाई दे रहा है। बेरोजगारी भत्ता लेने वाले नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है, अमेरिकी कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छंटनी पर विचार किया जा रहा है एवं आर्थिक विकास दर कम हो रही है। दूसरी ओर, रूस यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के आसार अभी भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक तरह से इजराईल, हम्मास के बीच युद्ध अभी भी जारी ही है। चीन एवं अमेरिका के बीच में आई खटास भी कम होने का नाम नहीं ले रही है। वैश्विक स्तर पर इन समस्त घटनाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था नित नई ऊचाईयों को छूने की ओर अग्रसर है। भारत में नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रति कटिबद्ध हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपक्रम एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां देश के आर्थिक विकास को गति देने में अपने प्रयास लगातार तेज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 6 जून 2025 को द्विमासिक मुद्रा नीति की घोषणा करते हुए, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से, दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक, रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6 प्रतिशत की दर से नीचे लाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया गया है। केलेंडर वर्ष 2025 में रेपो दर में यह लगातार तीसरी कटौती की गई है एवं कुल मिलाकर रेपो दर में 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा चुकी है। फरवरी 2025 एवं अप्रेल 2025 घोषित की गई मुद्रा नीति के माध्यम से रेपो दर में दोनों बार 25 आधार बिंदुओं की कमी की गई थी। रेपो दर उस दर को कहते हैं, जिस दर पर भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों को आवश्यकता पड़ने पर ऋण उपलब्ध कराता है एवं विभिन्न बैंक रेपो दर को आधार दर बनाते हुए इस दर पर कुछ आधार बिंदु (जमाराशि की लागत एवं लाभ की राशि का समायोजन करते हुए) जोड़ते हुए, ब्याज की दर पर, अपने ग्राहकों को ऋणराशि उपलब्ध कराते हैं। दूसरे, भारतीय रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात में

सीधे ही 100 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 4 प्रतिशत की दर से घटाकर 3 प्रतिशत की दर पर ला दिया है। इससे, भारत में बैंकों के पास 2.5 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से उपलब्ध हो जाएगी एवं सिस्टम में तरलता बढ़ जाएगी। नकद आरक्षित अनुपात उस अनुपात को कहते हैं, जिस पर विभिन्न बैंकों को अपने मांग एवं जमा देयताओं की राशि पर इस अनुपात की दर से नकदी राशि भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा करानी होती है। अतः यह राशि इन बैंकों की पहुंच से बाहर हो जाती है एवं ऋण के रूप में इसे बैंक के ग्राहकों को उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। यदि नकद आरक्षित अनुपात को कम कर दिया जाता है तो बैंकों के पास यह राशि ऋण के रूप में प्रदान करने के लिए उपलब्ध हो जाती है। इससे स्पष्टतः बैंकों की लाभप्रदता में सुधार होता है। भारतीय रिजर्व बैंक के उक्त महत्वपूर्ण दोनों निर्णयों से वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत में उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करने में सहायता मिलेगी क्योंकि बैंक अपने ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज दरों को कम करेंगे। इससे, विशेष रूप से व्यक्तिगत ऋण, गृह ऋण, वाहन ऋण, आदि सस्ते होंगे और अब प्रति माह ग्राहकों द्वारा इन ऋणों पर अदा की जाने वाली मासिक किश्त की राशि में कमी आएगी और इन नागरिकों के पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त राशि उपलब्ध होने लगेगी, जिसे वे अन्य पदार्थों को खरीदने में खर्च कर सकेंगे। साथ ही, ऋण पर ब्याज राशि कम होने से विभिन्न उत्पादक कम्पनियों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी क्योंकि उन्हें अब बैंकों से लिए गए ऋण पर कम ब्याज देना होगा। लाभप्रदता में होने वाली इस अतिरिक्त वृद्धि के चलते यह कम्पनियां अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में गम्भीरता से विचार करेंगी क्योंकि उत्पादों की होने वाली मांग में वृद्धि की पूर्ति जो करनी है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जून 2025 माह में घोषित मौद्रिक नीति को अर्थशास्त्रियों एवं बैंकिंग जगत के विशेषज्ञों द्वारा हाल ही के वर्षों में घोषित की गई सबसे बेहतरीन मौद्रिक नीति माना जा रहा है। इस मौद्रिक नीति को भारत के शेयर बाजार ने भी दिनांक 6 जून 2025 को त्वरित सकारात्मक उत्तर दिया और निफ्टी एवं सेन्सेक्स में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। ब्याज दरों से जुड़े क्षेत्रों विशेष रूप से बैंकिंग, रीयल एस्टेट एवं ऑटो क्षेत्र की कम्पनियों के शेयरों में जोरदार उछाल देखने को मिला है। दरअसल अधिकतर अर्थशास्त्री रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की उम्मीद कर रहे थे परंतु भारतीय रिजर्व बैंक ने 50 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा करते हुए अपनी आक्रात्मक नीति का परिचय दिया है। अतः रेपो दर में उम्मीद से अधिक कटौती होने पर निवेशकों का भारतीय कम्पनियों, विशेष रूप से वे कम्पनियां जो घरेलू मांग एवं ऋण पर निर्भर रहती हैं, पर भरोसा बढ़ा है। भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता एवं उत्पादों की बिक्री में लगातार हो रहे तेज सुधार के चलते इन भारतीय कम्पनियों की साख अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बढ़ेगी। आगे आने वाले समय में यह कम्पनियां बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वरूप भी ले सकती हैं। और फिर, ब्याज दरों में लगातार की जा रही कमी के चलते इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उत्पादन लागत भी कम होगी जिससे इन कम्पनियों के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। हां, भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने स्टैन्स को अकोमोडेटिव से न्यूट्रल जरूर कर दिया है जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में आगे आने वाले समय में आवश्यकता पड़ने पर बढ़ौतरी कर सकता है। जबकि अकोमोडेटिव स्टैन्स में रेपो दर में केवल कमी करने की सम्भावना निहित रहती है। परंतु, आगे आने वाले समय में यदि मंहगाई की दर पर नियंत्रण बना रहता है जिसकी सम्भावना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी की गई है और औसत मंहगाई दर के अनुमान को 4 प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत कर दिया गया है। अतः बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक को न्यूट्रल स्टैन्स के बावजूद रेपो दर में कमी ही करनी पड़ सकती है। कुल मिलाकर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मंहगाई की दर में आई कमी एवं विकास दर में आई सुस्ती को देखते हुए रेपो दर एवं नकद आरक्षित अनुपात में आक्रात्मक रूप से की गई कटौती को एक सक्रिय निर्णय कहा जा सकता है। इससे अर्थव्यवस्था में खपत एवं निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उत्पादों की मांग में वृद्धि होगी, उद्योग जगत अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के उद्देश्य से अपने पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर विचार करेगा। चूंकि भारत में मुद्रा स्फीति की दर अब नियंत्रण में है अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में विकास दर को बढ़ाने को प्राथमिकता दी है। हालांकि अपने स्टैन्स को न्यूट्रल रखकर मुद्रा स्फीति एवं वैश्विक स्तर पर विभिन्न जोखिमों पर भी नजर बनाए रखने का आभास दिया है।

देश दुनिया से

राष्ट्रवाद की आड़ में ट्रंप का परिवारवाद

देश में दलगत नेताओं के परिजनों, संबंधीजनों तथा स्वजनों को राजनैतिक दबाव के चलते लाभ देने के अनेक उदाहरण आज भी पैदा हो रहे हैं। अचानक पूंजीपति बनने वाले की संख्या में तेजी से बढोत्तरी हो रही है। सरकारी औपचारिकताओं को हाशिये पर रखकर सुविधायें पहुंचाने के अनेक मामले स्वाधीनता के बाद से ही सामने आते रहे हैं। यूं तो घोटालों की लम्बी पेरिस्त है परन्तु बानगी के तौर पर सन1948 का जीप खरीद घोटाला जिसमें वीके मेनन, सन1951 का साइकिल आयात घोटाला जिसमें एसए वेंकटरमण, सन1956 का बीएचयू फण्ड घोटाला, सन1958 का हरिदास मूंदडा मामला जिसमें टीटी वृष्णामचारी, सन1960 का तेजा लोन स्वैम, सन1963 का प्रताप सिह वैरों स्वैम, सन1965 का पटनायक 'कलिग टूब्स' मामला जिसमें बीजू पटनायक, सन1975 का मारुति घोटाला जिसमें इंदिरा गांधी, सन1976 का वुओ आयल डील, सन1981 का अंतुले ट्रस्ट मामला जिसमें एआर अंतुले, सन1987 का एचडीडब्ल्यू दलाली मामला, सन1987 का बोफोर्स घोटाला जिसमें राजीव गांधी, सन1989 का सेंट किट्स मामला जिसमें वीपी सिह, सन1990 का चारा घोटाला जिसमें लालू प्रसाद यादव,सन1991 का हवाला घोटाला जिसमें एसके जैन, सन1992 का हर्षद मेहता काण्ड, सन1992 का इंडियन बैंक मामला, सन1992 का बाम्बे स्टाक एक्सचेन्ज घोटाला जिसमें हर्षद मेहता, सन1992 का सिक्यूरिटी स्वैम, आईपीएल घोटाला जिसमें ललित मोदी, सत्यम घोटाला, स्टाम्प घोटाला, सन1993 का झारखण्ड मुक्ति मोर्चा मामला जिसमें शिबू सोरेन, सन1994 का चीनी घोटाला जिसमें कल्पनाथ राय, सन1995 का जूता घोटाला जिसमें सोहिन दया, तहलका काण्ड जिसमें जार्ज फर्नाडीज, लक्खू भाई पाठक मामला जिसमें नरसिहराव,सन1999 का हसन अली टैक्स मामला, कामनवेल्थ गेम्स घोटाला जिसमें मनमोहन सिह, विजय माल्या प्रकरण, पीएनबी घोटाला जिसमें नीरव मोदी तथा मेहुल चौकसी, रोटोमैक घोटाला, सन2000 का मैच फिक्सग मामला, बराक मिसाइल सौदा मामला, यूटीआईं घोटाला, तेल के बदले अनाज मामला जिसमें नटवर सिह, ताज वैरीडोर मामला जिसमें मायावती, कोडा मनीलांडरिग मामला जिसमें मधु कोडा, ताबूत घोटाला, सन2002 का टेलीकाम स्वैम जिसमें सुखराम शर्मा, यूरिया घोटाला जिसमें सीएस रामवृष्णन, सन2007 का 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला जिसमें ए. राजा, सन2010 का आदर्श हाउसिग घोटाला जिसमें अशोक चव्हाण,सन2012 का वीवीआईंपी हेलिकाप्टर घोटाला जिसमें एसपी त्यागी, सन2012 का नेशनल हेराल्ड मामला जिसमें सोनिया गांधी सन2013 का डीएलएफ भूमि हडप मामला जिसमें राबर्ड वाड्रा, सन2013 का केरल सौर पैनल घोटाला जिसमें सीएम चांडी, सन2015 का वोट के लिए नोट मामला जिसमें एल्विस स्टीपेंसन,सन2020 का केरल गोल्ड तस्करी मामला जिसमें पिनाराईं विजयन, सन2022 का शराब घोटाला जिसमें अरविन्द केजरीवाल पर भी गम्भीर आरोप लगाये गये थे। सत्ताधिकार के सामने मुंह खोलने वालों की हमेशा ही दुर्गति होती रही है। निजी स्वार्थो की परूति के लिए पद के दुरुपयोग का पैशन सा चल निकला है। अब तो भारत के घोटालों को आदर्श मानकर विदेशों में भी यह रीतियां तेजी से विकसित हो रहीं है। आपरेशन सिदूर के दौरान अमेरिका का पाकिस्तान के साथ सहयोगात्मक रवैया यूं ही नहीं रहा है। ज्ञातव्य है कि कश्मीर के पहलगाम में विगत 22 अप्रेल को इस्लामिक आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी। भारतीय नागरिकों का आव्रोश और सरकार का कडा रुख देखते हुए पाकिस्तान ने 27 अप्रेल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड वुश्नर और पुत्र एरिक ट्रंप, डोनाल्ड जूनियर की व्रिप्टो को सर्मपित कम्पनी वल्ड लिबटा फाइनेंशियल से एक अनुबंध कर लिया। यह अनुबंध सन2024 में गठित अमेरिकी कम्पनी वल्ड लिबटा फाइनेंशियल तथा सन2025 में गठित पाकिस्तान ाप्टिो काउंसिल के मध्य हुआ जिसमें काउंसिल की ओर से चांग पेंग झाओ को सलाहकार नियुत्त किया गया। इस पूरे परिदृश्य में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने पुत्र सलमान शहबाज की कम्पनी एसएसईं टेक्नोलाजीज को व्रिप्टो माइनिग नेटवर्व तैयार करने हेतु जोड दिया। उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले के ठीक पहले पाकिस्तान व्रिप्टो काउंसिल की स्थापना की गईं थी। यानी यह सब वुछ पूर्व निर्धारित षडयंत्र के तहत चल रहा था जिसमें राष्ट्रवाद की आड में ट्रंप का परिवारवाद पूरी तरह से शामिल था। वास्तविकता तो यह है कि अमेरिकी आवाम के जागरूक होने के कारण व्रिप्टो को वहां पर अपेक्षित विस्तार पाने में कठिनाईं हो रही है जिसका विकल्प पाकिस्तान को बनाया जा रहा है ताकि यहां से ट्रंप परिवार की कम्पनी दुनिया भर में पांव पसार सके। ऐसा ही परिवारवाद तरुकिये के राष्ट्रपति रजब तैयब अदरेआन के वृत्यों भी से स्पष्ट होता है। उनकी पुत्री सुमैये अदरेआन का निकाह सेल्युक वायरात्त से हुआ था जो कि बायकर कम्पनी का मुखिया है। यह कम्पनी बायकर यीहा घ्र्घ्र सहित अनेक खतरनाक ड्रोन बनाती है जिसका युद्ध के मैदान में उपयोग होता है। तरुकिये के राष्ट्रपति अदरेआन के दामाद ने पाकिस्तान को न केवल युद्ध में उपयोग होने वाले खतरनाक ड्रोन्स की आपरूति की बल्कि ड्रोन्स आपरेटर्स भी उपलब्ध कराये ताकि भारत को पराजित किया जा सके।

कुछ अलग

संविधान, कानून और जनता

वर्ष 2018 में रोहित डे की किताब 'ए पीपुल'स कांस्टीच्यूशन : द एवरीडे लाइफ़ आफ़ ला इन द इंडियन रिपब्लिक' का प्रकाशन हुआ। किताब की शुरुआत 1950 के अंतिम महीने में जलालाबाद के सब्जी विक्रेता मुहम्मद यासिन से होती है जो नगरपालिका की ओर से सब्जी बेचने का केवल एक लाइसेंस जारी करने की खबर से परेशान थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगायी कि उनका धंधा जारी रखने की अनुमति दी जाए। अधिकार संपन्न नागरिक के बतौर देश की सर्वोच्च अदालत जाने वालों में वह पहला भारतीय था। 15 अगस्त, 1947 की आधी रात को भारत आजाद हुआ। तीन साल बाद प्रांतीय सदनों द्वारा नामित संविधान सभा ने नया संविधान अपनाया जिसमें भारत को संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया। उस दौर के स्वाधीन हुए देशों में भारत का संविधान सबसे अधिक समय तक कायम रहा और सार्वजनिक जीवन को अब भी निर्देशित करता है। संविधान के बारे में आधिकारिक धारणा के विपरीत बहुतेरे लोग उसे मृगछलना समझते हैं। आलोचकों ने यह भी कहा कि इसमें संशोधन की प्रक्रिया आसान होने से इस दस्तावेज में बहुत स्थिरता नहीं है। संसद में दो-तिहाई के बहुमत से इसे संशोधित किया जा सकता था। कहा गया कि अगर शासन के हितों के मुताबिक इसे आसानी से बदल दिया जा सकता है तो फिर यह शासन की कार्यवाही पर रोक कैसे लगाएगा। आलोचना या प्रशस्ति की जगह इस किताब में माना गया है कि भारतीय गणतंत्र में दैनन्दिन जीवन को संविधान ने बहुत गहराई से बदल दिया है। लोकतांत्रिक प्रणाली में अदालतों की लोकप्रियता की एक वजह राहत संबंधी ये प्रावधान तो थे ही, मुकदमों के जल्दी निपटारे ने भी उनके प्रति भरोसा पैदा किया। 1950 में सुप्रीम कोर्ट ने 600 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई की। 1962 तक इन सुनवाइयों की संख्या 3833 हो चुकी थी। इसी अवधि में अमेरिका में सुनवाई की संख्या 960 मात्र रही थी। अमेरिका की आजादी के पचास साल बाद तक वहां की सुप्रीम कोर्ट ने कुल 40 ही मुकदमे सुने थे। भारत में दायर मुकदमों में विविधता भी अधिक रही है। इनसे पता चलता है कि रोजमर्रा के जीवन में राज्य किस हद तक दखल देता था और किस हद के बाद नागरिक इस दखलंदाजी के प्रतिवादस्वरूप अदालत की शरण में चले जाते थे। इन मुकदमों में वाद विवाद की मार्फत लोकतंत्र की धारणात्मक शब्दावली ने प्रत्यक्ष रूप ग्रहण किया। राज्य और नागरिक के इस मुखामुखम से संवैधानिक अंतःक्रिया का जन्म हुआ। यह संवैधानिक अदालत और उसकी बहसें नागरिकता का अभिलेखागार बन गयीं।

दृष्टि कोण

भारत की स्त्री-केंद्रित सभ्यता की झलक

हरियाणा स्थित राखीगढ़ी हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल है, जहाँ से मिले 4600 साल पुराने महिला कंकाल, शंख की चूड़ियाँ और ताम्र नृत्यांगना की प्रतिमा सभ्यता में स्त्री की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करते हैं। डीएनए विश्लेषण ने 'आर्य आक्रमण सिद्धांत' पर सवाल उठाए हैं और भारत की सांस्कृतिक निरंतरता को सिद्ध किया है। राखीगढ़ी अब केवल एक पुरातात्विक खोज नहीं, बल्कि भारत के अतीत की आत्मा से संवाद का जीवंत माध्यम है। हरियाणा के हिसार जिले का एक सामान्य-सा गांव राखीगढ़ी, अब वैश्विक पुरातात्विक विमर्शों का केंद्र बन चुका है। 1997-99 के दौरान हुए उत्खननों ने इसे हड़प्पा सभ्यता के सबसे बड़े स्थलों में गिना जाना शुरू किया, और 2012 में विश्व विरासत कोष की 'खतरे में पड़ी धरोहरों' की सूची में इसकी उपस्थिति ने वैश्विक ध्यान खींचा। परन्तु इसके बाद जो मिला – एक महिला का 4600 वर्ष पुराना कंकाल, उसके बाएं हाथ की शंख की चूड़ियाँ, और ताम्र की बनी एक नृत्यांगना प्रतिमा – उन सभी ने इतिहास और पुरातत्व के स्थापित आख्यानों को चुनौती देना शुरू कर दिया। राखीगढ़ी से मिला स्त्री कंकाल सिर्फ एक पुरातात्विक खोज नहीं है, यह उन असंख्य 'मौन स्त्रियों' की प्रतीकात्मक उपस्थिति है जिन्हें सभ्यता की कहानी से सदा बाहर रखा गया। यह कंकाल लगभग 4600 वर्ष पुराना है, और अद्भुत रूप से संरक्षित अवस्था में मिला। उसकी बाईं कलाई पर शंख की चूड़ियाँ मिलीं – यह उस समय के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतीकों की ओर संकेत करती हैं। डीएनए विश्लेषण से यह पता चला कि इस महिला के आनुवंशिक संबंध प्राचीन ईरानियों और दक्षिण-पूर्व एशियाई शिकारी-संग्राहकों से तो हैं, लेकिन स्टेपी चरवाहों से कोई संबंध नहीं मिला – जिनसे अक्सर भारत में आर्यों

के आगमन को जोड़ा जाता है। यह निष्कर्ष 'आर्य आक्रमण सिद्धांत' को एक बड़ा झटका देता है और यह संकेत देता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में सांस्कृतिक विकास अपनी निरंतरता में हुआ। मोहेंजोदाड़ो की विश्वप्रसिद्ध कांस्य नर्तकी की तरह, राखीगढ़ी से भी एक ताम्र प्रतिमा मिली है जिसे "डांसिंग गर्ल" कहा जा रहा है। यह मूर्ति न केवल सौंदर्यबोध और कलात्मकता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि उस काल में नारी की उपस्थिति सांस्कृतिक और सार्वजनिक जीवन में कितनी सशक्त रही होगी। यह मान्यता को चुनौती देती है कि प्राचीन सभ्यताओं में स्त्रियां केवल घरेलू क्षेत्र में सीमित थीं। कंकाल मिलने के स्थल पर अग्निवेदिकाओं के अवशेष भी मिले हैं, जो यह संकेत करते हैं कि शवदाह की परंपरा उस समय भी प्रचलित थी। अग्नि, जिसे वैदिक परंपरा में शुद्धिकरण और संस्कार का प्रतीक माना गया है, उसका हड़प्पा काल में इतना महत्वपूर्ण स्थान होना यह दर्शाता है कि वैदिक और हड़प्पा परंपराएं एक-दूसरे से पूर्णतः असंबंधित नहीं थीं। कुछ विद्वान मानते हैं कि महाभारत युद्ध लगभग 5000-5500 वर्ष पूर्व हुआ था। यदि यह मान लिया जाए, तो राखीगढ़ी की स्थापना इस युद्ध से पहले की मानी जा सकती है। एक किंवदंती यह भी है कि महाभारत युद्ध में वीरगति को प्राप्त सैनिकों की विधवाएं यहीं शरण लेने आई थीं, और यही से इस स्थान का नाम 'राखीगढ़ी' पड़ा – 'राख' यानी मृत्यु की राख, और 'गढ़ी' यानी शरण। ऐसी मिथकीय व्याख्याएं ऐतिहासिक सत्य नहीं हैं, परंतु वे यह दर्शाती हैं कि स्थानीय जनमानस में राखीगढ़ी की सांस्कृतिक स्मृति कितनी गहरी है। राखीगढ़ी से मिले महिला कंकाल का जीनोमिक विश्लेषण केवल पुरातत्व नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास-लेखन में एक बड़ा मोड़ है। स्टेपी डीएनए की अनुपस्थिति सीधे उस विचारधारा को चुनौती देती है जिसने लंबे समय तक 'आर्य आक्रमण' को भारत में सभ्यता के आगमन का कारण बताया। इस अध्ययन ने इतिहास, नृविज्ञान और भाषाविज्ञान के विशेषज्ञों को एक बार फिर यह सोचने पर विवश किया है कि क्या आर्य बाहर से आए थे या यहीं के थे। ? क्या वैदिक संस्कृति और हड़प्पा संस्कृति में कोई 'टकराव' नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक प्रवाह था? राखीगढ़ी की खोजों के परिणाम अब एनसीईआरटी जैसे शैक्षिक निकायों के पाठ्यक्रम में भी दिखाई दे रहे हैं।

जासूसी उपन्यास द डे ऑफ द जैकाल के लेखक फ्रेडरिक फोर्सिथ का 86 वर्ष की आयु में निधन

लंदन, 10 जून (एजेंसियां) ।

रहस्य और रोमांच की दुनिया में सत्तर और अस्सी के दशक के बीच में सबसे ज्यादा पढ़े गए जासूसी उपन्यास द डे ऑफ द जैकाल के लेखक फ्रेडरिक फोर्सिथ का सोमवार को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ब्रिटिश लेखक फोर्सिथ बेहतरीन सैन्य पायलट भी थे। उन्होंने अपना कर्ज चुकाने के लिए लेखन को चुना। फ्रेडिरिक फोर्सिथ ने लगभग 25 से अधिकर उपन्यास लिखे। दुनिया भर में इन उपन्यासों की 70 मिलियन प्रतियां बिकीं।

रिपोर्ट के अनुसार, उनके प्रवक्ता जोनाथन लॉयड ने उनके निधन की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि जासूसी उपन्यास द डे ऑफ द जैकाल के अलावा फोर्सिथ के द ओडेसा फाइल और द डॉग्स ऑफ वॉर को भी पाठकों का भरपूर प्यार मिला। उनके प्रकाशक बिल स्कॉट-केर ने कहा, उन्हें दुनिया भर में पढ़ा गया। उनके समकालीन लेखक भी उनकी लेखन शैली का लोहा मानते थे। वह अपने पीछे अद्वितीय विरासत छोड़ गए हैं। वह अपने उपन्यासों में हमेशा जिंदा रहेंगे।

1938 में केंट में जन्मे फोर्सिथ 18 साल की उम्र में आरएएफ में शामिल हुए। इसके बाद बीबीसी और रॉयटर्स के लिए युद्ध संवाददाता बन गए। उन्होंने 2015 में खुलासा किया कि उन्होंने 20 से अधिक वर्षों तक ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एमआई-6 के लिए भी काम किया। उनके उपन्यासों के कई काल्पनिक कथानक दुनिया भर में उनके वास्तविक जीवन के अनुभवों पर आधारित थे। उन्होंने 1971 में बेरोजगारी के समय अपना पहला उपन्याय द डे ऑफ द जैकल लिखा। इसकी सफलता पर उन्होंने कहा था- मैं कंगाल था। कर्ज में डूबा था। मेरे पास फ्लैट नहीं था। कार नहीं थी। कुछ भी नहीं था। और मैंने सोचा- मैं खुद को इस गड्ढे से कैसे निकालूं मुझे शायद सबसे अजीब समाधान मिला- एक उपन्यास लिखो। दो साल बाद 1973 में द डे ऑफ द जैकल पर फिल्म बनाई गई। इसमें जैकल की भूमिका एडवर्ड फॉक्स ने निभाई। पिछले साल एडी रेडमैन ने इस उपन्यास पर टीवी धारावाहिक बनाया। उनके प्रवक्ता लॉयड ने बयान में कहा कि वह कुछ समय से बीमार थे। उन्होंने सोमवार को हमेशा-हमेशा के लिए अपनी आंखें बंद कर लीं। लॉयड ने कहा, हम दुनिया के सबसे महान थ्रिलर लेखकों में से एक के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। वह सफल युद्ध संवाददाता रहे। उनका जर्मन, फ्रेंच और रूसी भाषा पर समान अधिकार था। वह बियाफ्रा में विदेशी संवाददाता बन गए। वह एक सीक्रेट सर्विस एजेंट भी रहे। उनके प्रकाशक स्कॉट-केर ने कहा कि फोर्सिथ के साथ काम करना मेरे पेशेवर जीवन के सबसे बड़े सुखों में से एक रहा है। उन्होंने कहा कि शानदार कथानक और विचारों के प्रवाह को छोड़कर, वह सबसे पेशेवर लेखक थे, जिसकी एक संपादक उम्मीद कर सकता है। फोर्सिथ की मित्र गायिका एलेन पैज ने एक्स पर लिखा, मुझे फोर्सिथ के निधन पर दुख है। स्थानों, महलों और भूगोल के बारे में उनका अकादमिक ज्ञान बेजोड़ था। उन्हें कई कारणों से बहुत याद किया जाएगा। अंग्रेजी संगीतकार एंड्रयू लॉयड वेबर ने कहा, उन्होंने वास्तव में रोमांस और रोमांच को समझा। धन्यवाद फ्रेडरिक, ऐसी कहानियां बनाने के लिए जो आपके सम्मान में पीढ़ियों तक जीवित रहेंगी। कंजर्वेटिव सांसद सर डेविड डेविस ने कहा कि उनके महान मित्र फोर्सिथ एक शानदार व्यक्ति और शानदार शब्दकार थे। उन्होंने स्काई न्यूज से कहा-वे पुराने मूल्यों में बहुत विश्वास करते थे। वे सम्मान, देशभक्ति, साहस,सीधेपन और सरलता में विश्वास करते थे। वह हमारे सशस्त्र बलों के एक बड़े रक्षक थे। उनकी पहली पत्नी कैरोल कनिंघम से दो बेटे हैं। उनकी दूसरी पत्नी सैंडी मोलोय का पिछले साल अक्टूबर में निधन हो गया था।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में भारतीय छात्र के साथ बदसलूकी, जमीन पर लिटाया और बांधे हाथ-पैर

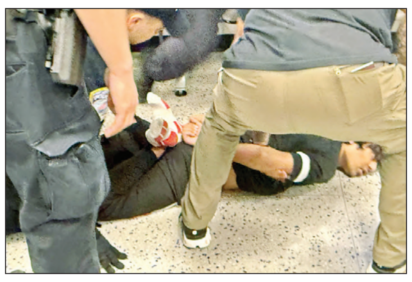

वॉशिंगटन। भारतीय छात्र को न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर सुरक्षाकर्मियों ने पेट के बल लिटा रखा है और उसके हाथ और पैर बांध दिए हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद से ही लोग भड़के हुए थे। भारतीय छात्र के साथ अपराधियों जैसे बर्ताव का यह वीडियो मौके पर मौजूद और भारतीय-अमेरिकी कारोबारी कुणाल जैन ने बनाया था। अब इस मामले में न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास का बयान आया है। बता दें कि अमेरिका में बड़े पैमाने पर विदेशी छात्रों और कर्मचारियों के वीजा रद्द किए जा रहे हैं। यह फैसला प्रशासन बिना बताए अचानक ही ले रहा है। कई बार फिलिस्तीन का समर्थन भी इसकी वजह बनता है। इसके अलावा कानून-व्यवस्था के नाम पर भी लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। दूतावास ने ट्वीट किया, हमने सोशल मीडिया पर ऐसी कई पोस्ट देखी हैं। इनमें दावा किया गया है कि एक भारतीय को नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर परेशानी झेलनी पड़ी। हम स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं। भारतीयों के हितों की सुरक्षा के लिए कौंसुलेट तत्पर है। छात्र के वायरल वीडियो में दिखता है कि उसे दो अधिकारियों ने पकड़ रखा है और पेट के बल लिटा रखा है। वहीं दो अन्य अधिकारी उसके हाथों और पैरों को बांध देते हैं। इस दौरान भारतीय छात्र मदद की अपील करता सुनाई देता है। छात्र को अमेरिकी प्रशासन ने अवैध रूप से देश में आने के आरोप में पकड़ा था और उसे भारत वापस भेज दिया गया।कुणाल जैन ने एक्स पर लिखा, मैंने देखा कि एक युवा भारतीय छात्र को नेवार्क एयरपोर्ट से डिपोर्ट किया जा रहा है। बीती रात ऐसा हुआ।

बाइडेन पर तंज कसने वाले ट्रंप अब खुद भी लड़खड़ने लगे ,सोशल मीडिया पर लोग ले रहे मजे

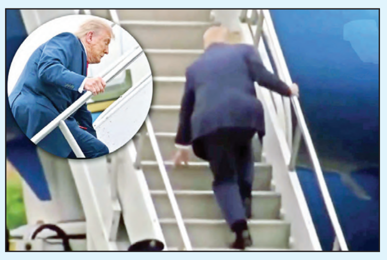

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की उम्र और गिरने की आदत पर तंज करने वाले डोनाल्ड ट्रंप खुद उसी स्थिति में फंस गए हैं। दरअसल बाइडन कई बार एयरफोर्स वन पर चढ़ने के दौरान लड़खड़ा चुके हैं। अब ट्रंप भी एयरफोर्स वन में चढ़ते वक्त लड़खड़ा गए और सोशल मीडिया पर फिर चर्चा का विषय बन गए। ये वाकया अमेरिकी राज्य मैरीलैंड के हेगर्सटाउन में हुआ, जब ट्रंप वॉशिंगटन डीसी के पास स्थित कैंप डेविड के लिए रवाना हो रहे थे। तभी एयरफोर्स वन की सीढ़ियां चढ़ते वक्त उनका संतुलन बिगड़ा और वे लड़खड़ा गए। ट्रंप के तुरंत बाद विमान में चढ़ते वक्त अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी ठोकर खा बैठे। इसके बाद लोगों ने पूरी घटना को बाइडन से जोड़ दिया। दिलचस्प बात ये है कि ट्रंप और उनके समर्थक अक्सर बाइडन के इसतरह के पलों पर मजाक उड़ाते रहे हैं। लेकिन इस बार खुद ट्रंप सोशल मीडिया के निशाने पर आ गए।

ज्यादा बुद्धिमान होकर रोबो, आने वाले सालों में इंसानों को गुलाम बना देगा आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस

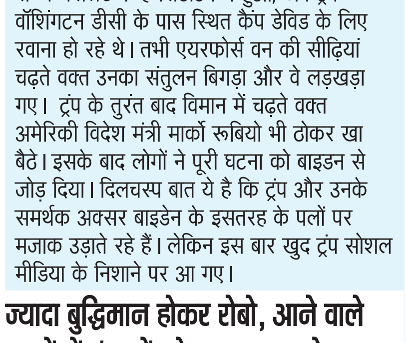

वाशिंगटन। हाल ही में तकनीकी विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने भविष्यवाणी की है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अगले कुछ वर्षों में इंसानों से भी ज्यादा बुद्धिमान हो सकती है। यह विचार कई प्रमुख वैज्ञानिकों और तकनीकी नेताओं द्वारा व्यक्त किया गया है, जिसमें एलन मस्क और रे कुर्ज़वील शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक स्टडी में 8,590 वैज्ञानिकों, उद्यमियों और समुदायों के विचारों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि जल्दी ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चार कदम आगे निकलकर आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) में बदल जाएगा। अगर आप नहीं समझे, तब सीधे तौर पर इंसान से ज्यादा स्मार्ट बनकर उन्हें गुलाम बना लेगा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अगले साल यानि 2026 में एजीआई का आगमन हो सकता है। हालांकि कुछ उद्यमियों का कहना है कि कि साल 2030 के दशक में एजीआई संभव हो सकता है। वहीं वैज्ञानिक कहते हैं कि अगले 15 सालों में ये हो सकता है।

अगली ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता रविवार को मस्कट में, नेतन्याहू ने ट्रंप से फोन पर 40 मिनट तक बात की

तेहरान/तेल अवीव/वाशिंगटन, 10 मई (एजेंसियां) ।

ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच अगली अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता ओमान की राजधानी मस्कट में होगी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए परामर्श के बाद तेहरान और वाशिंगटन के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता का अगला दौर रविवार को मस्कट में निर्धारित किया जा रहा है। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री ने अमेरिका के राष्ट्रपति से बातचीत की है।

ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बाघई ने सोमवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान के परमाणु उद्योग के लिए रणनीतिक आवश्यकता है। यह स्वदेशी तकनीक ईरानी वैज्ञानिकों ने दशकों के सतत प्रयास के माध्यम से विकसित की है। अमेरिका के साथ होने वाली वार्ता या समझौते में यह विषय शामिल नहीं होगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान के राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने में बाधक कोई भी प्रस्ताव अस्वीकार्य होगा। ईरान जल्द ही ओमान के माध्यम से अपना प्रस्ताव सामने रखेगा। बाघई ने कहा कि अमेरिकी पक्ष इस अवसर को बर्बाद न करे। इस वार्ता को गंभीरता से ले। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और ईरान ने 12 अप्रैल से परमाणु वार्ता के पांच दौर आयोजित किए हैं। अब तक दोनों देश किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं। दोनों देश यूरेनियम संवर्धन के स्तर को लेकर असहमत हैं।

इस बीच ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना ने कहा है कि सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने बयान जारी कर चेतावनी दी है कि अगर इजराइली शासन इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ कोई आक्रामक कार्रवाई करता है तो ईरान उसके गुप्त परमाणु सुविधा केंद्रों पर हमला करेगा। काउंसिल ने कहा है कि इजराइली के यह केंद्र उसके सशस्त्र बलों की मेज पर हैं। ईरान की सेना इजराइल को हर तरह का जवाब देने के लिए तैयार है। सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की इस चेतावनी के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कल संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत की।

खबर के अनुसार, नेतन्याहू और ट्रंप ने 40 मिनट तक फोन पर बातचीत की। बातचीत के बारे में संक्षिप्त विवरण देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने तेहरान के साथ वाशिंगटन की चल रही परमाणु वार्ता पर चर्चा की। राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री को बताया कि अमेरिका ने ईरान के समक्ष एक उचित प्रस्ताव रखा है और आने वाले दिनों में उसका जवाब मिलने की उम्मीद है। बयान में इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया गया कि नेतन्याहू ने बातचीत के दौरान ट्रंप से क्या कहा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा कि बातचीत बहुत अच्छी रही। हम दोनों ने परमाणु वार्ता सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिका की गुरुवार को ईरान के साथ बैठक है।

लॉस एंजिल्स में बढ़ रहा है आक्रोश, ट्रंप की नहीं सुन रहे प्रदर्शनकारी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी सरकार के प्रवासियों पर एक्शन के बाद से शुरू हुई विरोध प्रदर्शन की आग अब और उग्र हो गई है। इस बीच ट्रंप के नेशनल गार्ड्स को उतारने के फैसले ने आग में घी डालने का काम किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को यहां और 700 मरीन की अस्थायी तैनाती का आदेश दिया है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि प्रदर्शनकारियों के साथ अब और भी सख्ती से निपटा जाएगा। ट्रंप ने सोमवार को कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूज़ॉम को गिरफ्तार करने के धमकी भी दी है। गवर्नर गेविन न्यूज़ॉम ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने और इसे लापरवाही भरा फैसला बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 2,000 जवान उन्हें खाना और पानी भी नहीं दिया गया। सिर्फ 300 जवान तैनात हैं, बाकी बिना किसी आदेश के बिल्डिंग में बैठे हैं। यह सुरक्षा के लिए नहीं किया जा रहा है। यह फैसला एक राष्ट्रपति के अहंकार से जुड़ा है। न्यूसम ने कहा कि ट्रंप की ऐसी हरकतें तनाव को कम करने के बजाय बढ़ावा दे रही हैं। लॉस एंजिल्स में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन लगातार चौथा दिन था। यहां प्रवासियों को कैद कर रखे जाने वाले एक डिटेंशन सेंटर के आगे सैंकड़ों लोग जमा हो गए। लोगों ने कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। भीड़ ने शहर के प्रमुख हाइवे को भी जाम कर दिया। वहीं पुलिस ने डाउनटाउन में प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियां चलाईं। इन सब के बीच कैलिफोर्निया राज्य ने सोमवार को नेशनल गार्ड और मरीन की तैनाती के खिलाफ लिए ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। राज्य ने कहा है कि जवानों की तैनाती संघीय कानून और राज्य की संप्रभुता का उल्लंघन करती है।

आईएईए प्रमुख की चेतावनी- इजराइली हमला ईरान को परमाणु हथियार बनाने के लिए उकसा सकता है

वियना/तेहरान, 10 जून (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रोसी ने कहा है कि यदि इजराइल ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करता है, तो इससे ईरान परमाणु हथियार बनाने का फैसला कर सकता है या परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से बाहर हो सकता है। यह बयान ग्रोसी ने सोमवार शाम एक स्थानीय मीडिया चैनल से विशेष बातचीत में दिया।

ग्रोसी ने कहा, यदि इजराइल ऐसा हमला करता है, तो यह ईरान को परमाणु हथियार निर्माण की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ा सकता है या फिर उसे परमाणु अप्रसार संधि से बाहर कर सकता है। मैं यह इसलिए कह रहा हूं क्योंकि ईरानी अधिकारियों ने मुझे यह बात सीधे कही है। आईएईए प्रमुख ने यह भी स्वीकार किया कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम बहुत विस्तृत और गहरा है। और जब मैं गहरा कहता हूं, तो मेरा मतलब यह है कि इन सुविधाओं को अत्यंत सुरक्षा प्राप्त है। उन पर असर डालने के लिए बहुत ही विनाशकारी बल की आवश्यकता होगी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि ईरान के पास इस समय कई परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त संवर्धित यूरेनियम मौजूद है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को देखते हुए ईरान के परमाणु कार्यक्रम की कड़ी निगरानी और पारदर्शिता आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि हम जानते हैं कि हम क्या कर रहे हैं। हम किसी भी चीज को छुपाने के पक्षधर नहीं हैं। हमारे लिए पारदर्शिता अत्यंत महत्वपूर्ण है, और हम सच्चाई तक पहुंचना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी आशा जताई कि ईरान और अमेरिका के बीच यूरेनियम संवर्धन को लेकर एक समझौता संभव है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि एक समझौते की संभावना अब भी जीवित है, और अमेरिका इस समय तेहरान के प्रत्युत्तर की प्रतीक्षा कर रहा है।

प्राकृतिक वातावरण में मिल सकता है शारीरिक दर्द से राहत: शोध

प्रकृति के बीच समय बिताने से पुराने पीठ दर्द में काफी हद तक राहत मिल सकती है। यह दावा किया है एक ताजा शोध में। ब्रिटेन के प्लायमाउथ विश्वविद्यालय द्वारा किए गए इस अध्ययन में बताया गया है कि जो लोग जंगल या किसी प्राकृतिक वातावरण में समय बिताते हैं, उन्हें न केवल अपने शारीरिक दर्द से राहत मिलती है बल्कि मानसिक तनाव और चिंता से भी छुटकारा मिलता है। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 10 ऐसे लोगों का साक्षात्कार लिया जो कई वर्षों से पीठ दर्द से जूझ रहे थे। इनमें से कुछ मरीज ऐसे भी थे जिन्हें यह समस्या चार दशकों से थी। जब उनसे पूछा गया कि वे अपने दर्द को कम करने के लिए क्या उपाय करते हैं, तो कई प्रतिभागियों ने बताया कि प्रकृति में समय बिताना उन्हें बेहद सुकून देता है। वे पेड़-पौधों के बीच टहलते हैं, ताजी हवा का आनंद लेते हैं और बहते पानी की आवाज से मानसिक शांति महसूस करते हैं। इससे उन्हें घर के बंद माहौल से बाहर निकलने और अकेलेपन से बचने का मौका भी मिलता है। शोध में शामिल लोगों ने यह भी बताया कि बाहर टहलने से उन्हें व्यायाम करने में आसानी होती है और यह उन्हें किसी जिम या व्यायामशाला से ज्यादा पसंद आता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि लंबे समय से चले आ रहे पुराने पीठ दर्द के इलाज में यह एक प्रभावी और सहज उपाय हो सकता है।

अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन का 82 वर्ष की आयु में निधन

लॉस एंजिल्स,10 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन (पूरा नाम साइवरस्ट स्टोन) का 82 वर्ष की आयु में कल निधन हो गया। स्ली एंड द फैमिली स्टोन फंक बैंड समूह नेता स्टोन काफी समय से सीओपीडी (क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्होंने परिवार के सदस्यों के बीच अंतिम सांस ली।

खबर के अनुसार, उनके बैंड ने 1960 के दशक के अंत और 1970 के दशक की शुरुआत में धूम मचाई । स्ली स्टोन को 1969 में वुडस्टॉक संगीत समारोह में शानदार प्रदर्शन के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। इस समारोह में उन्होंने अपने फंक और हिप्पी संस्कृति से प्रेरित संगीत का प्रदर्शन किया। स्ली स्टोन ने फंक, ग्रूव्स और सिंकोपेटेड लय से संचालित संगीत की अफ्रीकी-केंद्रित शैली को लोकप्रिय बनाने में मदद की। अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन ने कई पीढ़ियों को डांसफ्लोर पर थिरकने को मजबूर कर दिया। 1943 में टेक्सास में एक पेंटेकोस्टल धार्मिक परिवार में सिल्वेस्टर स्टीवर्ट के रूप में जन्मे स्टोन सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में पले-बढ़े। उनका पहला संगीत तीन भाई-बहनों, स्टीवर्ट फोर के साथ एक गॉस्पेल चौकड़ी में आया। इसे 1952 में स्थानीय रूप से रिलीज किया गया। 1966 में उन्होंने अपने बैंड स्ली एंड द स्टोनर्स को अपने भाई फ्रेडी के ग्रुप फ्रेडी एंड द स्टोन सोल्स के साथ मिलाकर स्ली एंड द फैमिली स्टोन का गठन किया। अगले वर्ष उन्हें डांस टू द म्यूजिक के साथ सफलता मिली। तीन वर्ष बाद 1969 में उनका चौथा एलबम, स्टैंड आया। इसकी तीन मिलियन से अधिक प्रतियां बिकीं। उन्हें 1983 में कोकीन रखने और 1987 में कोकीन के नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया । इसके बाद उनका जीवन गुमनामी में बीता। उन्होंने 2010 के कोचेला उत्सव में एक नीरस उपस्थिति दर्ज कराई। उनका अंतिम एलबम आई एम बैक है। 2015 में उन्हें अपने पूर्व प्रबंधक और वकील के खिलाफ एक मुकदमे में 5 मिलियन का डालर रॉयल्टी के रूप में हासिल हुए। परिवार के बयान में कहा गया, स्ली एक स्मारकीय व्यक्ति, एक अभूतपूर्व नवप्रवर्तक और एक सच्चे अग्रणी थे जिन्होंने पॉप, फंक और रॉक संगीत के परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया। गार्डियन के साथ 2023 के साक्षात्कार में उन्होंने कहा था,मुझे हमेशा खुशी होती थी अगर कोई मेरे काम को पसंद करता है।

नागरिकता के नियमों को आसान बनाने इटली में हो रहा जनमत संग्रह

पीएम मेलोनी कर रही विरोध, प्रस्ताव हुआ पास तो भारतीयों को होगा फायदा

रोम,10 जून (एजेंसियां) ।

इटली में जनमत संग्रह शुरू हुआ है, जिसमें नागरिकता के नियमों को आसान बनाने और मज़दूरों के अधिकारों को मजबूत करने से जुड़े पांच प्रस्तावों पर जनता की राय ली जा रही है। बता दें इटली की मौजूद सरकार इन मुद्दों के खिलाफ है और लोगों से अपील कर रही है कि वह इस जनमत संग्रह में हिस्सा ना लें। आमतौर पर लोग विदेशों में जाकर बसना चाहते हैं। इसमें वहां के कानूनों का बड़ा रोल होता है। इटली में इस कानून को बदलने को लेकर जनमत संग्रह कराया जा रहा है। अगर ये पास होता है, तो इटली में बसने का लाखों भारतीयों का सपना पूरा हो जाएगा। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सरकार इन दोनों मुद्दों के खिलाफ है और लोगों से जनमत संग्रह में भागीदारी नहीं करने की अपील कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में कोई भी गैर-यूरोपीय नागरिक, जो न तो इटली का रिश्तेदार है और न ही वहां शादी के ज़रिए जुड़ा है। अब तक उसे इटली की नागरिकता के लिए आवेदन करने से पहले देश में 10 साल रहना जरूरी होता है। इस जनमत संग्रह का प्रस्ताव इस अवधि को घटाकर पांच साल करना चाहता है, ताकि इटली, जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों की तरह बन सके।

इस बदलाव से इटली में रहने वाले करीब 25 लाख बाहरी लोगों को फायदा मिल सकता है। साल 2023 में 2.13 लाख से ज्यादा लोगों को इटली की नागरिकता मिली, जो 2020 की तुलना में दोगुना है और पूरे यूरोपीय संघ में हुई नागरिकताओं का पांचवां हिस्सा है। इनमें से 90 फीसदी लोग यूरोपीय संघ के बाहर से थे, जो खासकर अल्बानिया, मोरक्को, अर्जेंटीना और ब्राज़ील जैसे देशों से आए थे।

इटली की पीएम मेलोनी की दक्षिणपंथी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली अवैध आप्रवासन को रोकने को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा नागरिकता कानून बेहद उदार और अच्छा है। इटली पहले से ही हर साल यूरोप में सबसे ज़्यादा लोगों को नागरिकता देता है, ऐसे में इसमें सुधार की कोई ज़रूरत नहीं है। मार्च 2025 में सरकार ने यह भी तय किया कि जो लोग अपने इतालवी वंश के आधार पर नागरिकता मांगते हैं, उनके लिए यह अधिकार अब सिर्फ दो पीढ़ियों तक सीमित रहेगा।

इस प्रस्ताव पर वोटिंग चल रही है, लेकिन इन प्रस्तावों के पास होने की संभावना कम है। इसकी वजह है जनमत संग्रह को वैध माने जाने के लिए 50 फीसदी से ज्यादा मतदान जरूरी है और अभी तक मतदान कम हुआ है। ये मुद्दा इटली की राजनीति और प्रवासी नीति, दोनों के लिए ही अहम है।

जीवन बीमा कंपनियों का नए प्रीमियम संग्रह 11 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में जीवन बीमा कंपनियों ने नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जीवन बीमा परिषद ने हाल ही में जारी आंकड़ों में बताया कि मई 2025 में नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

नए व्यवसाय से प्रीमियम आय मई 2025 में बढ़कर 30,463 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 27,034 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में संग्रह सालाना आधार पर 47,293 करोड़ रुपये से बढ़कर 52,427 करोड़ रुपये हो गया। मई 2025 में संयुक्त व्यक्तिगत प्रीमियम संग्रह में 3.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बताया गया है कि जीवन बीमा उद्योग में व्यक्तिगत एकल प्रीमियम में सालाना आधार पर 5.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह मई 2025 में 3,525 करोड़ रुपये रहा। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का नए व्यवसाय से प्रीमियम मई 2025 में 10.27 प्रतिशत बढ़कर 18,405.04 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 16,690.39 करोड़ रुपये था।

भारत बना साउथ ईस्ट एशिया का नया टूरिज्म हॉटस्पॉट

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व एशियाई देश अब भारतीय पर्यटकों को लुभाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम, इंडोनेशिया और म्यांमार जैसे देशों ने वीजा नियम आसान करने, प्रमोशनल कैंपेन चलाने और भारतीयों के लिए खास ट्रैवल पैकेज लॉन्च करने जैसे कई कदम उठाए हैं। एक वैश्विक यात्रा डाटा कंपनी के मुताबिक, मार्च 2025 तक की तय की गई उड़ानों के आंकड़े बताते हैं कि भारत और इन छह देशों के बीच सीटों की कुल उपलब्धता में 15.6 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। साल 2025 में इन देशों और भारत के बीच कुल 10.8 मिलियन सीटें उपलब्ध होंगी, कई देशों ने वीजा नियम किए आसान जो 2024 में मौजूद 9.35 मिलियन सीटों की तुलना में बड़ी छलांग है। यह आंकड़ा न केवल एक नया रिकॉर्ड है, बल्कि यह कोविड-19 से पहले यानी 2019 की तुलना में भी 29 फीसदी अधिक है। थाईलैंड, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देश अब भी हवाई यात्रा की सीट क्षमता के लिहाज से भारतीय यात्रियों की शीर्ष पसंद बने हुए हैं, लेकिन वियतनाम ने हाल के वर्षों में जबरदस्त बढ़त दर्ज की है।

न्यूज ब्रीफ

आगामी दिनों में 20 रुपए तक बढ़ सकते हैं सीमेंट के भाव

नई दिल्ली। आगामी दिनों में सीमेंट के दाम में बढ़ोतरी के आसार दिखाई दे रहे हैं। बाजार के जानकारों के मुताबिक आगामी दिनों में सीमेंट के दाम 5 से 6 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि कंपनियां सीमेंट के दाम को लेकर जून के आखिरी तक फैसला ले सकती है। बाजार के जानकारों की मानें तो भारत में सीमेंट का कारोबार जनवरी से जून तक चरम में रहता है। इस दौरान मांग के अनुसार उत्पादन भी चरम पर रहता है। वहीं, जूलाई से लेकर दिसंबर तक बारिश के दिनों में भवन निर्माण का काम मंदा रहता है। ऐसे में अनुमान है कि पूर्वी और दक्षिणी भारत की सीमेंट कंपनियां कीमतों में इजाफा कर सकती है। हालांकि, अप्रैल और मई में की गई कीमत वृद्धि का कुछ हिस्सा जून में वापस लिया गया, लेकिन जून में एक और बढ़ोतरी की कोशिश हो सकती है।

पंजाब में बिजली की मांग 15,600 मैगावाट से अधिक पहुंची , इस बार बिजली की मांग जा सकती है 17,000 मैगावाट के पार

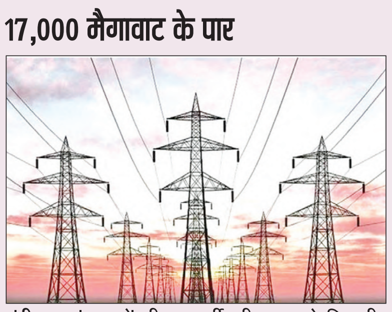

चंडीगढ़। पंजाब में भीषण गर्मी की वजह से बिजली की मांग 15,600 मैगावाट से ऊपर चली गई। इस बार धान की रोपाई का सीजन पिछले साल की तुलना में पहले शुरू हो गया है। तीसरे चक्र की धान की रोपाई शुरू हुई, इसके बाद चौथे चक्र की रोपाई शुरू होगी। देर शाम करीब पौने सात बजे तक पंजाब में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया गया, जिससे एयर कंडीशनरों का उपयोग बहुत अधिक हो गया है। पिछले साल पंजाब में बिजली की सबसे अधिक मांग 16,069 मैगावाट दर्ज की गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार यह मांग 17,000 मैगावाट से भी पार जा सकती है। इस समय राज्य में लहरा मोहब्बत स्थित गुरु हरगोबिंद थर्मल प्लांट का एक यूनिट बंद है, जबकि बाकी तीन यूनिट चालू हैं। इसी तरह रोपड़ स्थित गुरु गोबिंद सिंह सुपर थर्मल प्लांट के सभी चारों यूनिट, गोइंदवाल साहिब के दोनों यूनिट, राजपुरा प्लांट के दोनों यूनिट और तलवंडी प्लांट के तीनों यूनिट बिजली उत्पादन में लगे हुए हैं। इसके अतिरिक्त निजी बिजली परियोजनाओं से भी बिजली उत्पादन हो रहा है।

भारत में स्टारलिंक के डिवाइस की कीमत 33,000 रुपए तक संभव, स्टारलिंक की सेवा एक से दो महीने में शुरू होगी

नई दिल्ली। स्टारलिंक भारत में जल्दी ही सेवाओं की शुरुआत करने वाली है। भारत में स्टारलिंक के डिवाइस की कीमत 33,000 रुपये तक संभव है। सूत्रों के मुताबिक देश में स्टारलिंक की सेवाएं अगले 1-2 महीने में शुरू हो सकती हैं। इसका असीमित डाटा प्लान 3000 रुपए से शुरू होगा। यही नहीं डिवाइस के साथ एक महीने का मुफ्त ट्रायल भी उपलब्ध होगा। स्टारलिंक से दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की पहुंच संभव होगी। अन्य देशों की बात करें तो बांग्लादेश में स्टारलिंक का न्यूनतम प्लान 2900 रुपए का है। यहां कंपनी 3000 में असीमित डाटा दे रही है। वहीं बांग्लादेश में स्टारलिंक डिवाइस की कीमत 33,000 हजार रुपए है। इसी तरह भूटान में भी डिवाइस की कीमत 33,000 रुपए है। भूटान में असीमित डाटा पैक 3000 रुपए का है। स्टारलिंक को भारत में सेवा देने के लिए दूरसंचार विभाग का लाइसेंस मिल गया है। अब उसे सिर्फ इंडियन नेशनल स्पेस मोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर यानी, इन-स्पेस की स्वीकृति का इंतजार है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजार में तेजी का माहौल

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का जोर बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। हालांकि आखिरी वक्त में मुनाफा वसूली होने की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स पूरे दिन के कारोबार के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,005.88 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.31 प्रतिशत उछल कर 19,591.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 134.06 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,895.82 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,832.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,791.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 130.14 अंक यानी 0.54 प्रतिशत टूट कर 24,174.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर मजबूती नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजार में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में से इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,932.11 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 25,187 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,249.48 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 424.81 अंक यानी 1.95 प्रतिशत उछल कर 22,215.10 अंक के स्तर तक आ गया है।

सरकार ने कृषि वस्तुओं को तीन श्रेणियों में बांटा

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत कृषि वस्तुओं पर अपनी बातचीत में लक्ष्मण रेखाएं खींच दी हैं। इसके तहत भारत ने अपने कृषि उत्पादों को तीन श्रेणियों में बांट दिया है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि पहली श्रेणी में उन वस्तुओं को रखा गया है जिन पर कोई बातचीत नहीं हो सकती जबकि दूसरी श्रेणी में अत्यधिक संवेदनशील वस्तुओं को और तीसरी श्रेणी में उदारतापूर्वक विचार की जाने वाली वस्तुओं को रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह वर्गीकरण वस्तुओं की आर्थिक एवं राजनीतिक संवेदनशीलता के आधार पर किया गया है। चावल और गेहूं जैसी मुख्य खाद्य वस्तुओं को पहली श्रेणी में रखा गया है जहां शुल्क में किसी भी तरह की रियायत पर विचार नहीं किया जा सकता है। काफी संवेदनशील वस्तुओं सेब आदि को रखा गया है जो हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों के किसानों के हितों से जुड़े हैं। इस श्रेणी की वस्तुओं पर न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) अथवा शुल्क दर कोटा के जरिये सीमित रियायतें दी जा सकती हैं। मगर भारत के अमीर लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली महंगी वस्तुओं के आयात के मामले में सरकार उदार रुख अपना रही है जहां शुल्क में भारी छूट दी जा सकती है। इस श्रेणी में बादाम, पिस्ता, अखरोट, ब्लूबेरी आदि वस्तुएं शामिल हैं। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर इस साल के आखिर तक हस्ताक्षर करने की प्रतिबद्धता जताई है। मगर भारत 9 जुलाई से लागू होने वाले अमेरिका के 26 फीसदी के जवाबी शुल्क से बचने के लिए जल्द से जल्द इस समझौते पर हस्ताक्षर करने पर जोर दे रहा है।

इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,206.79 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 366.77 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,455.34 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,878.05 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत उछल कर 1,138.42 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,403.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

आरबीआई ने गोल्ड लोन नियमों में किया संशोधन

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

1 अप्रैल 2026 से गोल्ड लोन लेने वाले लोगों को होगा फायदा

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गोल्ड लोन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलावों का ऐलान किया है, जिसमें सरलता, पारदर्शिता, और उपभोक्ता सुरक्षा को मजबूतियां मिलेंगी। नए नियमों के अनुसार, 1 अप्रैल 2026 से आगे गोल्ड लोन लेने वाले लोगों को बड़े पैमाने पर फायदा होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 2.5 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन के लिए अब ग्राहकों को अपने सोने की कीमत का 85 फीसदी तक कर्ज मिल सकेगा, जबकि पहले यह सीमा 75 फीसदी थी। इससे कम आय वर्ग के लोग भी अब अधिक लोन प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा 25 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन के लिए आय प्रमाण पत्र और क्रेडिट स्कोर की आवश्यकता नहीं रहेगी। वहीं अगर ग्राहक 'बुलेट रीपेमेंट' विकल्प चुनते हैं, तो उन्हें अधिकतम 12 महीने में कर्ज लौटाना होगा। अब एक ग्राहक अधिकतम एक किलो सोने के गहने, 50 ग्राम सोने के सिक्के, 10 लो चांदी के गहने और 500 ग्राम चांदी के सिक्के ही गिरवी रख पाएगा। लोन चुकता होने के बाद बैंक या एनबीएफसी को अधिकतम सात कार्यदिवसों में गिरवी रखा गया सोना या चांदी लौटाना होगा, अन्यथा उन्हें प्रतिदिन 5,000 रुपये का मुआवजा देना होगा। चोरी या क्षति की स्थिति में ग्राहक को पूर्ण मुआवजा दिया जाएगा। नीलामी की स्थिति में ग्राहक को पहले नोटिस देना अनिवार्य होगा और नीलामी का न्यूनतम मूल्य बाजार मूल्य के 90 फीसदी से कम नहीं रखा जा सकेगा। ग्राहक को शेष राशि सात दिनों में लौटानी होगी।

टीवीएस मोटर ने टीवीएस अपाचे आरटीआर200 4वी की पेश

चेन्नई। दोपहिया एवं तिपहिया वाहन बनाने वाली टीवीएस मोटर कंपनी ने 2025 टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी मोटरसाइकिल श्रृंखला पेश की है। मोटरसाइकिल की नई श्रृंखला कंपनी की सभी डीलरशिप पर उपलब्ध है, जिसकी कीमत 1,53,990 रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) से शुरू होती है। यह ओबीडी2बी के अनुरूप है और उन्नत प्रौद्योगिकी, बेहतर प्रदर्शन एवं बेहतर सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। अपाचे मोटरसाइकिल श्रृंखला के 20 साल पूरे होने के मौके पर इसे पेश किया गया। टीवीएस मोटर कंपनी के प्रमुख ने कहा कि टीवीएस अपाचे ब्रांड सिर्फ एक मोटरसाइकिल के बारे में नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक अभियान है जिसने दो दशकों में 60 लाख से अधिक राइडर्स के जोशीले समुदाय को प्रेरित किया है।

एक्मे सोलर की राजस्थान में 75 मेगावाट सौर क्षमता शुरू

एक्मे सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के सीकर में अपनी 300 मेगावाट की सौर परियोजना में से 75 मेगावाट क्षमता शुरू कर दी है। कंपनी ने बयान में कहा कि एक्मे सीकर सौर परियोजना में 165 मेगावाट क्षमता के चालू होने के बाद उक्त क्षमता को चालू किया गया। एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने अपनी सीकर परियोजना में अतिरिक्त 75 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता चालू की है, जिससे कुल चालू क्षमता नियोजित 300 मेगावाट में से 240 मेगावाट हो गई है। इसके साथ ही कंपनी की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 2,806.4 मेगावाट हो गई है।

पेंसिल्वेनिया में डेटा सेंटर पर 20 अरब डॉलर खर्च करेगी अमेजन

हैरिसबर्ग, 10 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका की बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी अमेजन पेंसिल्वेनिया में दो डेटा सेंटर परिसरों पर 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा कि इसमें से एक परिसर को उस परमाणु ऊर्जा संयंत्र के साथ बनाया जा रहा है जो ऊर्जा संयंत्र से सीधे जुड़ने की व्यवस्था को लेकर संघीय जांच के घेरे में है।

अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग अनुषंगी कंपनी अमेजन वेब सर्विसेज के वैश्विक डेटा सेंटर के उपाध्यक्ष केविन मिलर ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि कंपनी फिलाडेल्फिया के ठीक उत्तर में एक और डेटा सेंटर परिसर का निर्माण करेगी।

बयान में कहा गया है कि एक डेटा सेंटर उत्तरपूर्वी पेंसिल्वेनिया के सुस्केहाना परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास बनाया जा रहा है, जहां से इसे बिजली प्राप्त करने का इरादा है। दूसरा फेयरलेस हिल्स में एक लॉजिस्टिक्स कैंपस, कीस्टोन ट्रेड सेंटर में होगा जो कभी यूएस स्टील मिल हुआ करता था।

अमेजन ने कहा कि डेटा सेंटर को बिजली ग्रिड के माध्यम से बिजली मिलेगी। गौरतलब है कि कंपनी ने 2024 की शुरुआत से मिसिसिपी, इंडियाना, ओहियो और उत्तरी कैरोलिना में डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए लगभग 10-10 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जतायी है। कंपनी का लक्ष्य कृत्रिम मेधा उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अन्य प्रौद्योगिकी दिग्गजों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपनी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। वहीं बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने पेंसिल्वेनिया में बंद पड़े थ्री माइल आइलैंड परमाणु ऊर्जा संयंत्र के मालिक के साथ एक पहले ही समझौता किया है।

गोयल ने स्विट्जरलैंड में भारतीय व्यापार प्रतिनिधियों से मुलाकात की, नए निवेश अवसरों पर चर्चा

नई दिल्ली/बर्न, 20 जून (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार और निवेश के नए अवसरों, साझेदारियों और अवसरों पर चर्चा करने के लिए स्विट्जरलैंड में भारतीय व्यापार प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में लिखा है कि, भारतीय व्यापार प्रतिनिधियों के साथ एक आकर्षक शाम बिताई। भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते से उभर रहे भारत और स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार और निवेश के लिए रोमांचक

अवसरों, साझेदारियों और नए अवसरों पर गहन चर्चा हुई। गोयल की यह बैठक उनकी दो

गोयल ने भारत-स्विट्जरलैंड आर्थिक साझेदारी मजबूत करने के लिए स्विस उद्योग के साथ बातचीत की

दिवसीय स्विट्जरलैंड यात्रा का हिस्सा थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को स्विट्जरलैंड के बर्न में स्विस उद्योग के नेताओं के साथ व्यापक बैठक की, जिसका उद्देश्य आर्थिक सहयोग को गहरा करना और भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच हाल ही में हस्ताक्षरित व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के तहत नए रास्ते तलाशना था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने विविध क्षेत्रों की कई प्रमुख स्विस कंपनियों के नेतृत्व के साथ मुलाकात की, जिसमें भारतीय और स्विस उद्यमों के बीच तालमेल बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और टिकाऊ विनिर्माण पर विशेष जोर दिया गया। मंत्री ने स्विस कंपनियों को भारत में अपना विस्तार करने और देश के गतिशील और तेजी से बढ़ते बाजार का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में हस्ताक्षरित भारत-ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते ने भारत-स्विट्जरलैंड सहित ईएफटीए सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के नए द्वार खोले हैं। व्यापार प्रतिनिधियों के साथ पीयूष गोयल की चर्चा इस बात पर केंद्रित रही कि आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए समझौते का सर्वोत्तम लाभ कैसे उठाया जाए। वाणिज्य मंत्री गोयल 9 से 13 जून तक स्विट्जरलैंड और स्वीडन की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

अर्जेंटीना ने मेसी के बिना खेलना सीख लिया :स्कैलोनी

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कैलोनी ने बुधवार को कोलंबिया के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबले से पहले कहा कि उनकी टीम अब लियोनेल मेसी की अनुपस्थिति में भी बिना किसी समस्या के खेल सकती है और अब उन्हें लाइन-अप में बदलाव करने की जरूरत नहीं पड़ती।

मेसी ने 2005 में अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी और अब तक 192 मैचों में 112 गोल किए हैं। उन्होंने 2022 में वर्ल्ड कप, दो कोपा अमेरिका खिताब और 2008 बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता है।

37 वर्षीय मेसी मार्च में हुए उरुग्वे के खिलाफ 1-0 की जीत और ब्राजील के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत में चोट के कारण नहीं खेले थे, लेकिन अर्जेंटीना ने उस अंतरराष्ट्रीय ब्रेक में 2026 वर्ल्ड कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली थी।

मेसी इस महीने के वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के लिए टीम में लौटे और चिली के खिलाफ 1-0 की जीत में उन्हें सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान में उतारा गया।

स्कैलोनी ने ब्यूनस आयर्स में पत्रकारों से कहा, अब टीम इस स्थिति में है कि वह मेसी के साथ या बिना एक ही तरह से खेल सकती है, जो पहले ज्यादा जटिल हुआ करता था क्योंकि हमें कुछ खिलाड़ियों में बदलाव करना पड़ता था। लेकिन अब हमें इस जरूरत की आवश्यकता नहीं है, और टीम उसी तरह से काम करती है, यह अच्छा है।

स्कैलोनी ने कोलंबिया की टीम को लेकर कहा, यह एक बेहतरीन टीम है, और इसमें शानदार खिलाड़ी हैं, जिनका एक स्पष्ट खेल तरीका है जो आपको मुश्किल में डाल सकता है। हमने इसका विश्लेषण किया है, और खिलाड़ियों को इसके ताकतवर पहलुओं और उन पर हम किस तरह से फायदा उठा सकते हैं, यह बताया है।

यह एक शानदार मैच होने वाला है, खासकर क्योंकि हम अपने घर में खेल रहे हैं, तो हमारे लोग खिलाड़ियों को खेलते हुए देख सकेंगे।

अर्जेंटीना पहले ही 2026 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है, जबकि कोलंबिया छठे और आखिरी स्वचालित क्वालीफिकेशन स्थान पर है और वे अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इस मैच को जीतने की कोशिश करेंगे। कोलंबिया ने अर्जेंटीना को पिछले वर्ल्ड कप क्वालीफायर में 2-1 से हराया था।

न्यूज़ ब्रीफ

फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर: डी ब्रून ने बेल्जियम को वेल्स के खिलाफ दिलाई रोमांचक जीत

ब्रुसेल्स। केविन डी ब्रून ने अंतिम क्षणों में गोल कर बेल्जियम को वेल्स के खिलाफ 4-3 से रोमांचक जीत दिलाई। सोमवार को हुए फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर मुकाबले में बेल्जियम ने शुरुआती बढ़त गंवा दी थी, लेकिन डी ब्रून के 88वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल ने मेज़बान टीम को राहत की सांस दी। बेल्जियम ने पहले हाफ घंटे के भीतर ही 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। 15वें मिनट में रोमेलु लुकाकू ने पेनल्टी पर गोल करके खाता खोला, इसके बाद कप्तान यूरी टीलमैंस ने 19वें और जर्मी डोकू ने 27वें मिनट में गोल दागे। हालांकि, वेल्स ने शानदार वापसी की। हाफ टाइम से ठीक पहले हैरी विल्सन ने पेनल्टी के जरिए वेल्स का खाता खोला। इसके बाद दूसरे हाफ में सोरबा थॉमस और ब्रेनन जॉनसन ने गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया। मैच में कई विवादास्पद पल देखने को मिले, जिसमें दो पेनल्टी, एक गोल रद्द, और वीएआर के कई लंबे हस्तक्षेप ने मुकाबले को और भी तनावपूर्ण बना दिया। अंततः केविन डी ब्रून ने 88वें मिनट में गोल कर बेल्जियम को तीन महत्वपूर्ण अंक दिलाए और टीम की क्वालिफिकेशन की संभावनाओं को मजबूत किया।

मैनचेस्टर सिटी ने वुल्व्स से डिफेंडर रयान एइत-नूरी को किया साइन

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने अल्जीरियाई लेफ्ट-बैक रयान एइत-नूरी को वुल्वरहैम्प्टन वांडरर्स से साइन कर लिया है। एइत-नूरी ने मेडिकल परीक्षण पास करने के बाद क्लब के साथ पांच साल का करार किया है। यह डील 3.1 करोड़ पाउंड (लगभग 42 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में पूरी हुई है। मैनचेस्टर सिटी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, क्लब को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वुल्वरहैम्प्टन वांडरर्स से रयान एइत-नूरी को साइन कर लिया गया है। 24 वर्षीय लेफ्ट-बैक ने एतिहाद स्टेडियम में 2030 की गर्मियों तक के लिए पांच साल का अनुबंध किया है। एइत-नूरी ने अपने बयान में कहा, यह एक आसान फैसला था। शुरुआत से ही मेरी और मेरे परिवार की पसंद मैनचेस्टर सिटी थी। मुझे इस टीम का खेलने का तरीका बहुत पसंद है। यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है - यह मेरे लिए एक बड़ा सम्मान है। उन्होंने आगे कहा, हम जानते हैं कि यह टीम बीते कुछ वर्षों से दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम रही है। खिलाड़ी शानदार हैं और कोच पेप गार्डियोला भी अद्भुत हैं - उनके साथ ट्रेनिंग करना मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी।

विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ टीम चैम्पियनशिप में वापसी करेंगे विश्वनाथन आनंद

लंदन। पांच बार के विश्व शतरंज चैम्पियन विश्वनाथन आनंद एक बार फिर एक्शन में नजर आएंगे। वे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम चैम्पियनशिप में फ्रीडम टीम का हिस्सा होंगे, जिसका नेतृत्व खुद फिडे के सीईओ एमिल सुटोव्सकी कर रहे हैं। आनंद अपनी टीम में अकेले भारतीय खिलाड़ी हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रही चेस टीम की कमान रूस के इयान नेपोम्नियाची के हाथों में होगी। यह टूर्नामेंट इस बार नॉर्वे के विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन की अनुपस्थिति में हो रहा है, जिन्होंने फिडे के इस आयोजन में भाग लेने से इनकार कर दिया है। भारत की ओर से चेस टीम में अर्जुन एरिगैसी टॉप बोर्ड पर खेलते नजर आएंगे, जिनका साथ देंगे पी. हरिकृष्णा दूसरे बोर्ड पर। विश्व जूनियर चैम्पियन वी. प्रणव की उपस्थिति टीम को और मजबूती देती है। उनके साथ ल्यूक लियोन मेंडोंसा भी टीम में हैं, जिन्हें डी. गुकेश, अर्जुन, आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चितांबरम की चौकड़ी के बाद भारत का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा है। वहीं, भारत के युवा ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन इस बार एशडॉड एलीट चेस क्लब की ओर से खेलेंगे, जो इस प्रतियोगिता में पांचवीं वरीयता प्राप्त टीम है। निहाल और आनंद अपने-अपने बोर्ड पर टॉप सीड के रूप में खेलेंगे। हालांकि टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन और डी. गुकेश जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति खलेगी, लेकिन इसके बावजूद प्रतिस्पर्धा जबरदस्त रहने की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लद्दाख को दूसरा कश्मीर ...

उन्होंने कहा, हमारी मांग है कि अगर कोई भी निवासी बनना चाहता है तो लद्दाख में रहने की अनिवार्य अवधि 15 साल के बजाय 30 साल होनी चाहिए। करगिली के अनुसार, लद्दाख नेतृत्व ने पहले ही केंद्र के समक्ष यह मामला उठाया है। उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस मांग पर विचार करेंगे।

2019 में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए के तहत सुरक्षा समाप्त होने के बाद, इस क्षेत्र में अचल संपत्ति खरीदने पर कोई रोक नहीं है। अभी तक लद्दाख के लिए कोई भी कानून नहीं बना जो बाहरी लोगों को लद्दाख में जमीन खरीदने से रोके। यह लद्दाख के लिए निवासियों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। लद्दाख के एक नेता ने कहा कि केंद्र की अधिसूचना में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अधिवास केवल सरकारी नौकरियों के लिए मान्य है।

उन्होंने कहा कि 2019 से ही लद्दाख में सरकारी नौकरियों में भर्ती रुकी हुई है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि अधिवास स्थिति के लिए कौन अर्हता प्राप्त करता है और कौन नहीं।जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दोनों ने 31 अक्टूबर 2019 को केंद्र शासित प्रदेशों का औपचारिक रूप ले लिया। लेकिन केंद्र ने जम्मू-कश्मीर के लिए अधिवास नियमों को तैयार करने में स्पष्ट तत्-परता दिखाई। मार्च 2020 में, औपचारिक रूप से केंद्र शासित प्रदेश बनने के सिर्फ पांच महीने बाद और कोर-ोना वायरस से लड़ने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन के बीच, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (राज्य कानूनों का अनुकूलन) आदेश 2020 जारी किया। इन नियमों के तहत, कोई भी व्यक्ति जो जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में 15 साल की अवधि तक रहा हो या सात साल की अवधि तक पढ़ाई की हो और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में स्थित किसी शैक्षणिक संस्थान से कक्षा 10वीं/12वीं की परीक्षा में शामिल हुआ हो जम्मू-कश्मीर का निवासी होने के योग्य है।लद्दाख के विपरीत, जहां अधिवास नियम 31 अक्टूबर 2019 से लागू होता है, जम्मू और कश्मीर के मामले में अधिवास नियम पूर्वव्यापी रूप से लागू होते हैं। इसका मतलब है कि जो कोई भी व्यक्ति 2020 में अधिवास नियमों की अधिसूचना तक 15 साल की अवधि तक जम्मू और कश्मीर में रह रहा था, वह जम्मू और कश्मीर का निवासी होने के योग्य था। दूसरे शब्दों में, जबकि लद्दाख को 2034 के बाद ही नए अधिवास मिलेंगे, जम्मू और कश्मीर के मामले में, कई गैर-मूल निवासी, जो अधिवास नियमों के मानदंडों को पूरा करते हैं, पहले से ही जम्मू और कश्मीर की आबादी का हिस्सा बन चुके हैं। अप्रैल में, जम्मू-कश्मीर सरकार ने विधानसभा को सूचित किया कि पिछले दो वर्षों में 83,000 से अधिक ऐसे व्यक्तियों को अधिवास प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं जो मूल रूप से जम्मू-कश्मीर के स्थायी निवासी नहीं थे। इस खुलासे ने लद्दाख की चिंता और बढ़ा दी है, जहां अगस्त 2019 से जनसांख्यिकी परिवर्तन का डर मुख्य चिंताओं में से एक बन गया है।लद्दाख के लिए अधिवास और आरक्षण नीति के अलावा, केंद्र ने अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, भोटी और पुर्गी भाषाओं को लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश के सभी या किसी भी आधिकारिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली आधिकारिक भाषाओं के रूप में मान्यता दी है। इसने लेह और करगिल की दो लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों में कुल सीटों में से एक तिहाई महिलाओं के लिए आरक्षित कर दी हैं। भले ही केंद्र सरकार इन कदमों को महत्वपूर्ण कदम मान रही हो, लेकिन लद्दाख के नेतृत्व का कहना है कि ये उनकी मांगों का हिस्सा नहीं थे। दोरजे ने कहा, हमारी मांगों में भाषा या महिलाओं के आरक्षण के बारे में कुछ नहीं था। हमारी मांगें लद्दाख के लोगों की समग्र सुरक्षा और संरक्षा से संबंधित हैं। केंद्र की उच्चाधिकार प्राप्त समिति और लद्दाख नेतृत्व के बीच अगली बैठक इस महीने के अंत में होने की संभावना है, ऐसे में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की स्थिति जैसे सवाल फिर से उठेंगे। दोरजे ने कहा, हम इन दो मांगों से पीछे नहीं हटेंगे।

आतंकियों के साथ...

यह भारतीय सुरक्षा से जुड़ा अहम मुद्दा है। अब जनता के स्तर पर भी सतर्क होने का समय आ गया है। आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा अभिशाप है।

उन्होंने कहा, मानवीय सभ्यता के सबसे अहम मूल्यों का यह दुश्मन है। आतंकवाद हमारे लोकतंत्र और सह-अस्तित्व के समक्ष बड़ा खतरा है। यह विकृत मानसिकता है। मानवता पर कलंक है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मानवता के मूलभूत मूल्यों की रक्षा की लड़ाई है। मानवता के सामने जितनी भी भयावह बीमारियां आईं, वह देर-सवेर खत्म हुईं। आतंकवाद भी महामारी है, उसे मरना ही है। लेकिन इसे अपनी मौत मरने को नहीं छोड़ा जा सकता। यह चुनौती देता रहेगा। इसलिए आतंकवाद की समस्या का अब स्थायी समाधान बहुत आवश्यक है।रक्षा मंत्री ने कहा, इतिहास ने यह बार-बार साबित किया है कि आतंकवाद का कितना भी बड़ा लक्ष्य हो, वह सफल नहीं हो सकता। यह सोचना भी कदापि उचित नहीं है कि कोई आतंकवादी किसी देश के लिए स्वतंत्रता सेनानी हो सकता है। 2016 में इस्लामाबाद में दक्षेस सम्मेलन में मैंने यही बात मजबूती से रखी थी। आतंकवाद की कोख से क्रांति नहीं, बर्बादी और नफरत ही पैदा होती है। हमने हमेशा देखा है कि पाकिस्तान जैसे देश आतंकवाद को समर्थन देते आए हैं। भारत की पहचान लोकतंत्र की जननी के रूप में, जबकि पाकिस्तान की पहचान आतंकवाद को जन्म देने वाले के रूप में हो रही है। राजनाथ सिंह ने कहा, कोई भी इंसान अपनी जड़ों को उजाड़ना नहीं चाहता। पाकिस्तान के पास स्पष्ट दिशा नहीं है, इसलिए वहां आतंकवाद धंधा बन चुका है। हमेशा किसी न किसी बाहरी शक्ति के दबाव में वह आता रहा है। पाकिस्तान की पीठ पर आज एक नहीं, कई बैताल बैठे हैं जो उसे प्रगति की राह पर नहीं जाने दे रहे। भारत चाहता है कि आतंकवाद पाकिस्तान से नहीं, बल्कि पूरी दुनिया से खत्म हो। पाकिस्तान को हमारी सलाह है कि अगर आपसे आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है तो हम आपकी मदद करने को भी तैयार हैं। भारत की सेनाएं सरहर के इस पार और उस पार कार्रवाई करने में सक्षम हैं। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान ने भी यह देख लिया। पाकिस्तान जिद्दी बच्चे की तरह यह मानता नहीं। दुनिया पाकिस्तान पर कूटनीतिक, रणनीतिक और आर्थिक दबाव बनाए।राजनाथ सिंह ने कहा, कोई भी इंसान अपनी जड़ों को उजाड़ना नहीं चाहता। पाकिस्तान के पास स्पष्ट दिशा नहीं है, इसलिए वहां आतंकवाद धंधा बन चुका है। हमेशा किसी न किसी बाहरी शक्ति के दबाव में वह आता रहा है। पाकिस्तान की पीठ पर आज एक नहीं, कई बैताल बैठे हैं जो उसे प्रगति की राह पर नहीं जाने दे रहे। भारत चाहता है कि आतंकवाद पाकिस्तान से नहीं, बल्कि पूरी दुनिया से खत्म हो। पाकिस्तान को हमारी सलाह है कि अगर आपसे आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है तो हम आपकी मदद करने को भी तैयार हैं। भारत की सेनाएं सरहद के इस पार और उस पार कार्रवाई करने में सक्षम हैं। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान ने भी यह देख लिया। पाकिस्तान जिद्दी बच्चे की तरह यह मानता नहीं। दुनिया पाकिस्तान पर कूटनीतिक, रणनीतिक और आर्थिक दबाव बनाए।उन्होंने कहा कि भारत आज सिर्फ सीमाओं की रक्षा नहीं कर रहा, बल्कि ऐसी व्यवस्था खड़ी रहा है जो हमें सामरिक, आर्थिक और तकनीकी रूप से मजबूत बना रही है। पहले हम रक्षा उपकरणों के लिए विदेशों पर निर्भर रहे थे। आज हम गौरव से कह सकते हैं कि हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में बने बहुत से हथियार इस धरती पर भारतवासियों के हाथों से बने हैं। भारत के रक्षा क्षेत्र को मजबूती देना सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा निर्माण के क्षेत्र में हमारे पास इंडिजनाइज्ड लिस्ट है। ऐसी चीजों की पहचान कर ली गई हैं, जो विदेशों में बनती हैं। इन चीजों को अब किसी भी सूरत में आयात नहीं करेंगे, इन्हें भारत में ही बनाएंगे। रक्षा क्षेत्र के हमारे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में भी लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट्स में 5000 से ज्यादा चीजें भी भारत में ही बनेंगी। जब हम मेक इन इंडिया की तरफ बढ़ रहे हैं तो हमने स्वदेशी कंपनियों के हितों को भी ध्यान में रखा। सामान खरीदने के हमारे कुल बजट में से 75 फीसदी सामान हम स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदेंगे। रियल टाइम डिफेंस एक्सपो हमने दुनिया को ऑपरेशन सिंदूर में दिखा दिया।

आत्मनिर्भर होकर...

भारत की रक्षा प्रणाली को सशक्त करने के लिए विख्यात डीआरडीओ की हालत कांग्रेस सरकार में बद से बदतर हो चुकी थी। डीआरडीओ के 6000 वैज्ञानिकों में से केवल 3 प्रतिशत वैज्ञानिक ही ऐसे थे जिन्होंने इंजीनियरिंग में पीएचडी कर रखी थी। यह बात खुद इस रिपोर्ट में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव पी. रामा राव की अध्यक्षता वाली समीक्षा समिति ने कही है। अन्य कई देश अपनी सैन्य शक्ति को मजबूत करने के लिए अपने देश में उत्पादन और नौकरी को बढ़ावा दे रहे थे। उसी वक्त भारत एक खरीदार के रूप में फंसा हुआ था और आयात पर अरबों डॉलर खर्च कर रहा था।रक्षा निर्यात की रिपोर्ट में 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार में हुई लूट और भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया गया है। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि 1980 का बोफोर्स घोटाला में 64 करोड़ की रिश्वत का मामला सीधे राजीव गांधी से जाकर जुड़ता है। इसका खुलासा खुद स्वीडिश रेडियो कार्यक्रम में किया गया जिसमें खुद बोफोर्स के कर्मचारियों ने कहा कि इसके लिए भारी रिश्वत दी गई थी। बयान के अनुसार उस वक्त कांग्रेस के कई वरिष्ठ सदस्यों और राजनेताओं को 8.2 बिलियन की रिश्वत दी गई थी। इसके अलावा अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले में भी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के शामिल होने का दावा किया गया है। रिपोर्ट में शामिल टाट्रा ट्रक और बाराक मिसाइल स्कैम ने भी कांग्रेस की बखिया उधेड़ कर रख दी है। उस वक्त कांग्रेस द्वारा किए गए इस सुरक्षा खिलवाड़ के नतीजे ने भारत की सैन्य ताकत को भीतर से कमजोर कर दिया था।रक्षा निर्यात रिपोर्ट के अनुसार 2014 के बाद भारत सरकार ने आयात निर्भरता में लगातार कमी लाई। भारतीय कंपनियों को निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया गया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया गया। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुरू मेक इन इंडिया ने भारत में निर्मित डिजाइन को विकसित करने में काफी मदद पहुंचाई। इसके अलावा रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) के तहत खरीदी में भी बदलाव किया गया। 500 से अधिक हथियारों के आयात पर रोक दी लगा दी गई जिसमें टैंक, आर्टिलरी मशीन और रडार भी शामिल है। देश के रक्षा उत्पादन का मूल्य 174 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,27,434 करोड़ तक पहुंच गया जो 2014-15 में 46,429 करोड़ था। सरकार के द्वारा सैन्य प्लेटफार्म का विकास किया गया। नौसेना को सशक्त बनाने के लिए स्वदेशी विमान वाहक, पनडुब्बी और फास्ट अटैक क्राफ्ट आदि के निर्माण पर जोड़ दिया गया। यह सब मेक इन इंडिया की पहल के सकारात्मक परिणाम का स्वरूप है।कांग्रेस के कार्यकाल में हाशिये पर पहुंच चुकी निजी कंपनियां को मोदी सरकार में बल मिला। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव पी. रामा राव के अध्यक्षता वाली समीक्षा समिति की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से बताया गया है कि कांग्रेस की सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण प्राइवेट कंपनियों को रक्षा तकनीक के उत्पादन से दूर रखा गया था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। सैन्य सुरक्षा के विकास को देखते हुए सरकार ने निजी कंपनियों से सहयोग लिया ताकि देश की रक्षा प्रणाली को ज्यादा से ज्यादा मजबूत बनाया जा सके। सरकार के इस निर्णायक बदलाव के फलस्वरूप रक्षा क्षेत्र के जगत में कई बड़ी कंपनियों का प्रवेश हुआ। टाटा, एलएनटी डिफेंस, भारत फोर्ज, कल्याणी ग्रुप और महिंद्रा जैसी बड़ी कंपनियां आर्टिलरी सिस्टम, बख्तरबंद वाहन, रडार सिस्टम, पनडुब्बी विमान के पुर्जे और ड्रोन सहित कई रक्षा सामग्रियों का निर्माण कर रही हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि वित्त वर्ष 2024-25 में निजी क्षेत्र में 15,233 करोड़ का रक्षा निर्यात किया जिसे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए महत्व-पूर्ण कहा जाना गलत नहीं है।देश के रक्षा उत्पादन और तकनीक का सार्थक उदाहरण, स्व-निर्मित लड़ाकू विमान तेजस भारत की शान बना। विश्व के कई देशों से इसकी मांग और तेज हो गई। दरअसल तेजस एक भारतीय फाइटर जेट है जो सिंगल इंजन, डेल्टा विंग और मल्टी रोल लाइट फाइटर जेट है। सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों की श्रेणी में सबसे यह छोटा और हल्का है। इसकी मारक क्षमता को देखते हुए विश्व के कई देश इसे खरीदने में अपनी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। आज भारतीय रक्षा प्रणाली और सैनिक उपकरणों का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। यही कारण है कि आज भारत 100 से ज्यादा देशों को हथियार निर्यात करता है। इसी के साथ भारत विश्व के रक्षा निर्यातक देशों में 25वें स्थान पर पहुंच चुका है। म्यांमार गोला-बारूद, इसराइल ड्रोन और आर्मेनिया आर्टिलरी सिस्टम भारत से खरीद रहा है। भारत ने आर्मेनिया को 6 एडवांस्ड आर्टिलरी गन सिस्टम निर्यात किए हैं। रिपोर्ट से यह साफ है कि भारत का कद रक्षा निर्यातकों में विश्व के जाने-माने देशों तक बढ़ चुका है।ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने भारत के रक्षा निर्यात को और ज्यादा मजबूती दी है। भारत की लगभग 100 कंपनियां रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रही हैं। मोदी सरकार 2019 तक रक्षा निर्यात को दुगना करके 6 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की तैयारी में है। केंद्र सरकार ने साल 2024-25 के रक्षा बजट के लिए 6.21 लाख करोड़ आवंटित किए हैं। यह पिछले वित्तीय वर्ष में आवंटित 5.94 लाख करोड़ रुपए से 4.3 प्रतिशत अधिक है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पिनाका, तेजस और ब्रह्मोस मिसाइल की मांग में काफी तेजी आई है। भारत अपने रक्षा उत्पादों का विस्तार अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिका तक करने की तैयारी में है। यह मोदी सरकार की सफलता ही है कि विश्व गुरु बनने की राह में भारत अब वैश्विक हथियार के बाजार में भी एक भरोसेमंद निर्यातक बनकर उभरा है।अभी हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान को शांति बनाए रखने की सलाह देते हुए कहा था कि भारत को इस्लामिक आतंकवाद के विरुद्ध कड़े कदम उठाने चाहिए। भारत में इसका कई तरह से स्वागत हुआ और कई विश्-लेषकों ने इसे इस संदर्भ में देखा कि भारत अपनी रणनीतिक और सैन्य ताकत के कारण अब विश्व मंच पर एक निर्णायक शक्ति बन चुका है। भारत के रक्षा निर्यात में ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। यह सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उद्यम के रूप में विकसित हुई है। इसकी मारक क्षमता, गति और लक्ष्य पर सटीकता ने इसे विश्व की श्रेष्ठतम क्रूज मिसाइलों में स्थान दिलवाया है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के नूरखान एयरबेस पर ब्रह्मोस द्वारा जिस सटीकता से निशाने लगाए गए, उसे पूरे विश्व ने देखा। ब्रह्मोस मात्र एक मिसाइल नहीं, भारत की रणनीतिक सोच और रक्षा तकनीकी क्षमता का परिचायक बन चुकी है। इससे जुड़े सौदे यह भी दर्शाते हैं कि भारत अब अपने रक्षा उत्पादों के साथ वैश्विक शक्ति संतुलन में अपनी स्थिति को परिभाषित कर रहा है।भारत के पास रक्षा निर्यात के लिए एक विविध उत्पाद श्रृंखला उपलब्ध है। भारत ने न केवल युद्धक विमानों, टैंकों और गोला-बारूद बल्कि अत्याधुनिक ड्रोन, सर्विलांस सिस्टम, एयर डिफेंस मिसाइलें, रडार, सोनार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम व नाइट विजन उपकरण जैसी श्रेणियों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस को कई देश अपनी वायु सेनाओं के लिए उपयुक्त मान रहे हैं। अर्जुन टैंक, पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर, आकाश मिसाइल, असॉल्ट राइफल्स और एडवांस्ड टोही ड्रोन जैसे उपकरण भारत के रक्षा निर्यात में निरंतर वृद्धि कर रहे हैं। यह प्रगति बताती है कि भारत अब केवल आयात करने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक रक्षा बाजार में हिस्सेदारी रखने वाला देश बन गया है।भारत का रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) जैसे संस्थान दशकों से भारतीय रक्षा जरूरतों की रीढ़ रहे हैं। अब इनकी भूमिका केवल घरेलू पूर्ति तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि ये संस्थान अब वैश्विक मानकों के अनुसार उत्पाद बना रहे हैं और उनका निर्यात कर रहे हैं। डीआरडीओ द्वारा विकसित कॉम्बैट एयर टीमिंग सिस्टम (कैट्स प्रणाली), स्वदेशी अर्ध-स्वायत्त युद्धक ड्रोन की एक आधुनिक मिसाल है। एचएएल द्वारा निर्मित तेजस, डॉर्नियर विमान, और एएलएच ध्रुव जैसे प्लेटफॉर्म निर्यात के लिए तैयार हैं। बीईएल की एंटी-ड्रोन तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और रडार प्रणाली आज कई देशों की जरूरतों को पूरा करने की स्थिति में है।भारत अब केवल हथियार निर्यातक नहीं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक साझेदार भी बनता जा रहा है। ये साझेदारियां केवल व्यापारिक दृष्टि से नहीं, बल्कि सामरिक संतुलन के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। फिलीपींस, वियतनाम, इंडोनेशिया जैसे देशों के साथ रक्षा सहयोग चीन के विस्तारवादी रवैये को सामरिक जवाब देने का संकेत है। अफ्रीकी देशों को भारत ने कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाले सैन्य उपकरण उपलब्ध कराए हैं। दक्षिण अमेरिका के कुछ देशों ने भी भारत के हेलीकॉप्टर और रडार सिस्टम में रुचि दिखाई है। भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 तक रक्षा निर्यात को 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। आज भारत आत्मनिर्भरता की उस ऊंचाई की ओर बढ़ रहा है जहां वह न केवल अपनी रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकता है, बल्कि अपने मित्र राष्ट्रों की भी सुरक्षा आवश्यकताओं में सहयोगी बन सकता है। भारत का रक्षा निर्यात बढ़ना केवल आर्थिक या तकनीकी उपलब्धि नहीं है।रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारे स्थापित किए गए हैं। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत स्थापित इन गलियारों का उद्देश्य देश को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है। इनमें 8,658 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हो चुका है और फरवरी 2025 तक 53,439 करोड़ रुपए के संभावित निवेश के साथ 253 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। 24 मार्च, 2025 तक मेक इन इंडिया पहल के तहत 145 परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिनमें 171 उद्योग स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश के रक्षा गलियारे में 6 जिले (झांसी, अलीगढ़, लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट व आगरा) आते हैं, जहां विशेष रूप से तोप, बख्तरबंद वाहन, ड्रोन, गोला, बारूद व रक्षा हार्डवेयर का निर्माण किया जाएगा। झांसी इसका मुख्य केंद्र है। वहीं तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक गलियारा चेन्नई, त्रिची, कोयंबतूर, सलेम और होसुर में फैला है। इसमें एयरोस्पेस, मिसाइल प्रणाली और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में काम किए जाने की योजना है।

वंदे भारत ट्रेन...

रेलवे पुल को पार करने के लिए गुजरी, तो उनकी आंखों में आंसू आ गए। अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर को पूरे देश से जोड़ने के लिए यह सबसे बड़ा तोहफा है। अब्दुल्ला ने कहा, जब हमने चेनाब पुल पार किया तो हमारी आंखों में आंसू आ गए। आखिरकार वह दिन आ ही गया जब हम कश्मीर से देश की यात्रा ट्रेन से कर सकेंगे। उन्होंने चेनाब पुल की प्रशंसा करते हुए कहा, क्या तकनीक है। वह इस पुल को बनाने वाले सभी श्रमिकों और इंजीनियरों को बधाई देना चाहते हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस परियोजना को पूरा किया। मैं दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के पीछे काम करने वाले इंजीनियरों और श्रमिकों को धन्यवाद देना चाहता हूं।

लक्षद्वीप के स्कूलों ...

गौरतलब है कि 14 मई 2025 को लक्षद्वीप प्रशासन ने अरबी और मालदीव में बोली जाने वाली महल को स्कूली पाठ्यक्रम से हटा कर हिंदी को शामिल कर दिया था। इस निर्णय के बाद लक्षद्वीप के मुस्लिम समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किया था।

अब कश्मीरियों ...

कार्गो ट्रेन संचालन सुनिश्चित करेगा कि ये सामान मुंबई, दिल्ली और कोलकाता के बाजारों में तेजी से, ताजा और कम लागत पर पहुंचें। यह स्थानीय उद्योगों के लिए कच्चे माल के आयात को और अधिक कुशल बना देगा। श्रीनगर-कटड़ा रेल लिंक का लंबे समय से प्रतीक्षित उद्घाटन जम्मू और कश्मीर के बुनियादी ढांचे के विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सही मायने में ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी के रूप में वर्णित, यह परियोजना अक्सर बंद रहने वाले श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के विकल्प से कहीं अधिक प्रदान करती है। यह लगभग 8 मिलियन कश्मीरियों और लद्दाख में कई और लोगों के घर वाले क्षेत्र के लिए दैनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण है।कश्मीरी इस बात को लेकर खुश हैं कि नए रेलवे खंड से पूरे साल मौसम के अनुकूल परिवहन उपलब्ध होने की उम्मीद है, यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसे अतिरंजित नहीं किया जा सकता है। किसान, व्यवसायी, छात्र और चिकित्सा रोगी सभी ने राजमार्ग पर भूस्खलन और मौसम के कारण बंद होने के कारण महंगी बाधाओं को सहन किया है। पर इसे भूला नहीं जा सकता कि जम्मू और कश्मीर लंबे समय से रसद संबंधी बाधाओं से जूझ रहा है। श्रीनगर तक सीधी रेल पहुंच एक विलासिता नहीं है, यह एक आवश्यकता है। कटड़ा-श्रीनगर लिंक के साथ इसकी नींव रखी गई है। कश्मीरी कहते थे कि अब बड़ा सोचने और तेजी से आगे बढ़ने का समय है।

देव गुरु बृहस्पति आज मिथुन राशि में होंगे अस्त

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, गुरु बृहस्पति को देवताओं का गुरु माना जाता है और यह ग्रह भाग्य, समृद्धि, ज्ञान और सम्मान का कारक होता है। गुरु ग्रह लगभग 1 साल में एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करते हैं, लेकिन इस वर्ष गुरु की गति सामान्य से दोगुनी होगी, जिससे वह एक वर्ष में दो बार राशि परिवर्तन करेंगे। इस समय गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में विराजमान हैं और अक्तूबर तक इसी राशि में रहेंगे। 11 जून को गुरु देव पश्चिम दिशा में अस्त होंगे। इसके बाद 7 जुलाई को पूर्व दिशा में उदय होंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 11 जून को गुरु देव पश्चिम दिशा में अस्त होंगे। इसके बाद 7 जुलाई को पूर्व दिशा में उदय होंगे। 6 जुलाई से चातुर्मास आरंभ हो जाएगा। जुलाई से चार महीना तक चातुर्मास रहेगा। इसमें मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। 2 नवंबर को देवउठनी एकादशी के बाद 21 नवंबर से विवाह आरंभ होंगे। विवाह में गुरु ग्रह को उदय होना आवश्यक माना जाता है। हमारे षोडश संस्कारों में विवाह का बहुत महत्त्व है। विवाह का दिन व लग्न निश्चित करते समय वर एवं वधु की जन्म पत्रिका अनुसार सूर्य, चंद्र व गुरु की गोचर स्थिति का ध्यान रखना अति आवश्यक होता है। जिसे त्रिबल शुद्धि कहा जाता है। विवाह के समय सूर्य वर की जन्म राशि से चतुर्थ, अष्टम या द्वादश गोचरवश स्थिति में नहीं होना चाहिए। गुरु कन्या की जन्मराशि से चतुर्थ, अष्टम या द्वादश एवं चंद्र वर-वधु दोनों की जन्मराशि से चतुर्थ, अष्टम या द्वादश स्थित में नहीं होना चाहिए। यदि सूर्य, गुरु व चंद्र गोचरवश इन भावों में स्थित होते हैं, तब वे अपूज्य कहलाते हैं। शास्त्रानुसार ऐसी ग्रह स्थिति में विवाह करना निषेध बताया गया है।

ग्रहों के राजा सूर्य माने गए हैं। वहीं, मंत्री गुरु ग्रह हैं। गुरु ग्रह के साक्षी होने पर ही विवाह व मांगलिक कार्य होते हैं। 11 जून को ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा है। इस दिन शाम 6:54 बजे गुरु ग्रह पश्चिम दिशा में अस्त होंगे, लेकिन उससे पहले ही यानी 8 जून से ही शहनाईयां बजनी बंद हो जाएगी। गुरु ग्रह के अस्त होने के साथ सभी मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी मनायी जाएगी। इस दिन भगवान विष्णु शयन मुद्रा में चले जाएंगे। सूर्य दक्षिणायन हो जाएंगे। इसके साथ चातुर्मास भी शुरू हो जाएगा। 2 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर भगवान श्रीहरि विष्णु जागृत होंगे। इसके बाद मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। गुरु के अस्त होने और सूर्य के दक्षिणायन होने से मांगलिक कार्यों पर रोक लगेगी। साथ ही वधु प्रवेश, सगाई, मुंडन, गृह प्रवेश, मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा, यज्ञोपवीत, जनेऊ आदि आयोजनों पर विराम लग जाएगा। इसके बाद 21 नवंबर से शुरू होकर मांगलिक कार्य 15 दिसंबर तक चलते रहेंगे।

वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति ग्रह को गुरु कहा जाता है। यह धनु और मीन राशि के स्वामी होते हैं और कर्क इसकी उच्च राशि है जबकि मकर इनकी नीच राशि मानी जाती है। गुरु ज्ञान, शिक्षक, संतान, बड़े भाई, शिक्षा, धार्मिक कार्य, पवित्र स्थल, धन, दान, पुण्य और वृद्धि आदि के कारक माने जाते हैं। ज्योतिष में बृहस्पति ग्रह 27 नक्षत्रों में पुनर्वसु, विशाखा, और पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के स्वामी होते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिस व्यक्ति पर बृहस्पति ग्रह की कृपा बरसती है उस व्यक्ति के अंदर सात्विक गुणों का विकास होता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति सत्य के मार्ग पर चलता है।

कब अस्त होंगे गुरु

आज 11 जून को गुरु देव पश्चिम दिशा में अस्त होंगे। इसके बाद 7 जुलाई को पूर्व दिशा में उदय होंगे। 6 जुलाई से चातुर्मास आरंभ हो जाएगा। जुलाई से चार महीना तक चातुर्मास रहेगा। इसमें मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। गुरु के अस्त होने के कारण धार्मिक और मांगलिक कार्य करना इस दौरान वर्जित होगा। गुरु के अस्त होने से लोगों में भौतिकता का विकास होगा, धन और दैहिक सुख के प्रति लोगों में आकर्षण बढ़ेगा। धार्मिक क्रिया कलापों से भी मन कुछ हटा रहेगा। परिवार की सेहत का भी ध्यान रखना होगा।

नहीं होंगे मांगलिक कार्यक्रम

11 जून को गुरु देव पश्चिम दिशा में अस्त होंगे। इसके बाद 7 जुलाई को पूर्व दिशा में उदय होंगे। 6 जुलाई से चातुर्मास आरंभ हो जाएगा। जुलाई से चार महीना तक चातुर्मास रहेगा। इसमें मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। 2 नवंबर को देवउठनी एकादशी के बाद 21 नवंबर से विवाह आरंभ होंगे। ज्योतिष में गुरु ग्रह को संपन्नता, विवाह, वैभव, विवेक, धार्मिक कार्य आदि का कारक माना जाता है इसलिए इनका अस्त होना शुभ नहीं माना जाता। इसलिए गुरु ग्रह जब अस्त होते हैं तब शुभ-मांगलिक कार्यों को करने की भी मनाही होती है, इस दौरान शादी, मुंडन, नामकरण जैसे संस्कार नहीं किये जाते।

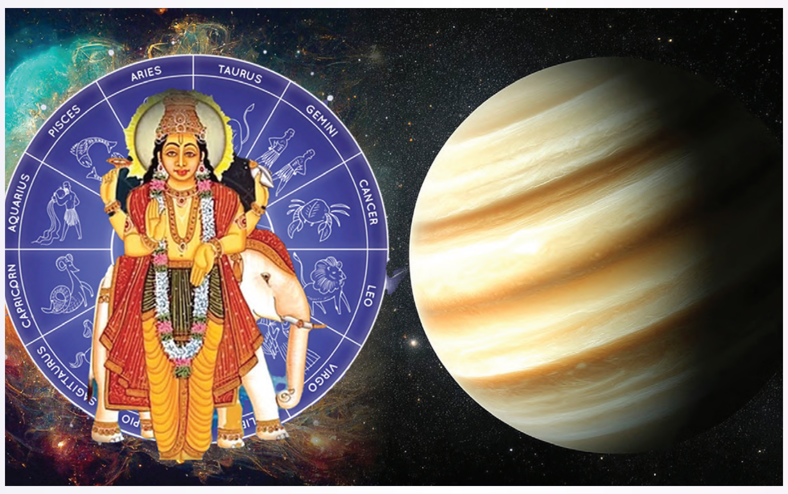

सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव

गुरु के अस्त होने का सबसे प्रतिकूल प्रभाव कर्क, धनु और मीन राशियों पर पड़ सकता है, इसलिए इन राशियों के लोगों को गुरु अस्त के दौरान गुरु ग्रह से संबंधित उपाय करने चाहिए। बाजार पर भी गुरु के अस्त होने का प्रभाव दिखेगा। सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। इन दिनों शेयर में बहुत ही ज्यादा संभलकर निवेश करने की जरूरत है।

कर्क, धनु और मीन राशि वालों की बढ़ सकतीं हैं मुश्किलें

गुरु अस्त होने से कर्क, मीन और धनु राशि वालों की मुश्किलें बढ़ सकतीं हैं। इस राशि वालों को कोई नया निवेश नहीं करना चाहिए। साथ ही अभी कोई नया व्यापार भी शुरू नहीं करना चाहिए। वरना नुकसान हो सकता है। इस अवधि में नुकसान, शत्रुओं से हानि का सामना करना पड़ सकता है। वहीं किसी विवाद भी हो सकता है। लिहाजा इस समय बेहद संभलकर चलें। किसी बुजुर्ग से आपकी कहासुनी हो सकती हैं। इसलिए शब्दों की मर्यादा बनाकर चलें, तो बेहतर होगा।

बढ़ सकती है आय

गुरु का अस्त होना यूं तो वैदिक ज्योतिष में शुभ नहीं माना जाता लेकिन गुरु के अस्त होने के कारण कुछ राशियों को इस दौरान सुखद फल भी प्राप्त हो सकते हैं। गुरु अस्त के दौरान गुरु की शत्रु राशियों वृषभ, तुला के साथ ही बुध ग्रह के स्वामित्व वाली मिथुन और कन्या राशि के जातकों को भी सुखद फल प्राप्त हो सकते हैं। इन राशियों के जातक इस दौरान करियर में आगे बढ़ सकते हैं और पैसा कमाने के नए स्रोत भी इस समय इन राशि के लोगों को मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन में भी अच्छे परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।

आर्थिक हालात हो सकते हैं खराब

वैश्विक स्तर पर गुरु के अस्त होने का प्रभाव देखने को मिलेगा, गुरु अस्त के दौरान अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इस दौरान शेयर मार्केट में अनिश्चितता की स्थिति रहेगी विदेशी व्यापार में कमी आ सकती है जिससे कई देशों के आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। स्वतंत्र भारत की कुंडली में गुरु एकादश भाव यानी लाभ भाव के स्वामी हैं इसलिए अपने देश के लिए भी गुरु का अस्त होना अच्छा नहीं है इस समय कुछ विदेशी सौदों से नुकसान हो सकता है इसलिए देश की सरकार को कोई भी निर्णय बहुत सोच समझकर लेना होगा।

करें उपाय

गुरु के प्रतिकूल प्रभावों से बचने के लिए गुरु से संबंधित उपाय करने चाहिए। जैसे पीले वस्त्र आपको पहनने चाहिए या पीली वस्तुओं का दान करना चाहिए। गुरुजनों का सम्मान करना चाहिए हो सके तो इस दौरान प्रतिदिन आप योग ध्यान करें। इसके साथ ही केले के वृक्ष की पूजा करने से भी आपको लाभ मिल सकते हैं। बड़े फैसले अनुभवी लोगों से विचार करके लें।

गुरु अस्त होने का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि

आपको मिले जुले परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। गुरु के अस्त होने से धर्म कर्म के कार्यों में आपका मन लगेगा। माता-पिता के साथ तीर्थ यात्रा पर जाने की योजना बनेगी।

वृषभ राशि

आपके घरेलू खर्च बढ़ सकते हैं इसलिए बेवजह के खर्चों पर नियंत्रण रखें । अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना होगा। अगर कहीं से धन आ रहा है को उसमें थोड़ा विलंब हो सकता है।

मिथुन राशि

सामाजिक कार्यों को करने से आपका सम्मान बढ़ेगा और सामाजिक दायरा भी बढ़ेगा, जो भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। सफलता अवश्य मिलेगी।

कर्क राशि

अगर आप इस समय किसी यात्रा पर जाने की योजना बना रहे हैं तो फिलहाल के लिए उसे टाल दें। थोड़ा संभलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

सिंह राशि

अचानक आने वाली समस्याओं में कमी आएगी और व्यापार में अच्छी उन्नति होगी। बच्चों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रिश्तों में मजबूती आएगी।

कन्या राशि

जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे और कोई खुशखबरी भी प्राप्त हो सकती है। अगर आपका किसी से वाद-विवाद चल रहा है तो वह खत्म हो जाएगा। अच्छा लाभ होगा ।

तुला राशि

धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा और आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। अति आत्मविश्वासी होने से बचना होगा और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

वृश्चिक राशि

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है लेकिन गुरुजनों का सहयोग भी मिलता रहेगा। परिवार के किसी सदस्य के साथ आपके संबंध उतार-चढ़ाव वाले रहेंगे।

धनु राशि

सरकारी नौकरी करने वाले जातक अपने काम पर ध्यान दें अन्यथा किसी मुसीबत में फंस सकते हैं। माता या पिता के साथ किसी बात टकराव हो सकता है।

मकर राशि

जीवनसाथी के साथ किसी गलतफहमी की वजह से विवाद हो सकता है। मकर राशि वालों को इस अवधि में थोड़ा संभलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

कुंभ राशि

बड़ा नुकसान हो सकता है। इस अवधि में परिवार के किसी सदस्य के कार्य की वजह से भागदौड़ करनी पड़ सकती है। आपके लिए इस दौरान बेहतर होगा कि अपने शब्दों का चयन सोच समझकर करें अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं

मीन राशि

कार्यक्षेत्र में आप अच्छे से काम करेंगे और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध बेहतर होंगे। हालांकि इस दौरान आप कहीं भी निवेश करने से बचें और परिवार के सदस्यों का ध्यान रखें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

आषाढ़ अमावस्या पर राशि अनुसार करें इन चीजों का दान, हो जाएंगे धनवान!

सनातन धर्म में आषाढ़ अमावस्या का दिन बहुत खास माना जाता है। इस दिन कई तरह के धार्मिक काम किए जाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ अमावस्या 25 जून को मनाई जाएगी।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस तिथि पर दान-पुण्य और गंगा स्नान करने से जीवन में खुशहाली आती है। इसके साथ ही घर की दरिद्रता का नाश होता है। वहीं, इस दिन कुछ दान अवश्य करना चाहिए, जो इस तिथि का मुख्य अनुष्ठान भी माना जाता है।

आषाढ़ अमावस्या पर करें ये दान

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को आषाढ़ अमावस्या पर लाल वस्त्रों का दान करना चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस दिन पर सफेद रंग की चीजों का दान करना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस तिथि पर हरे रंग के वस्त्र का दान करना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को आषाढ़ अमावस्या पर दही का दान करना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस तिथि पर लाल चंदन का दान करना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर साबुत उड़द का दान करना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को आषाढ़ अमावस्या पर चावल का दान करना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस अवसर पर गुड़ का दान करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस दिन पर हल्दी का दान करना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को आषाढ़ अमावस्या पर सरसों के तेल का दान करना चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को इस तिथि पर काली उड़द का दान करना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस मौके पर आम का दान करना चाहिए।

घर में लगाएं ये पौधे, पत्नी-पत्नी के बीच महकने लगेगा रिश्ता

पति-पत्नी का रिश्ता बड़ा अजीब होता है। कभी प्यार कभी तकरार। नोंक-झोंक के बाद थोड़ी देर के लिए अलग भी हो जाएं, तो एक दूसरे के बिना रहा भी नहीं जाता है। क्या हो अगर आपके रिश्ते में नोंक-झोंक के लिए कोई जगह ही न बचे। अगर कुछ वास्तु से संबंधित उपाय कर लें, तो आपके रिश्तों की गर्माहट हमेशा के लिए बनी रह सकती है। इसके लिए आपको अपने घर और बगिया को थोड़ा महकाना पड़ेगा। मगर, चिंता मत कीजिए इसमें आपके ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं होंगे और मेहनत भी नहीं लगेगी। हम आज आपको ऐसे ही कुछ पौधे बताने जा रहे हैं, जिनको घर में लगाने के बाद उनकी महक आपके रिश्ते को भी महकाती रहेगी। ये पौधे और इनमें लगने वाले फूल आगे घर का माहौल भी खुशनुमा बनाएंगे और सौभाग्य भी देने में मददगार साबित होंगे।

सदाबहार का पौधा –सदाबहार में गुलाबी और सफेद रंगों के फूल आते हैं, जो प्यार को बढ़ाने वाले और पॉजिटिविटी लाने वाले माने जाते हैं। सदाबहार का पौधा घर के पूर्व दिशा में लगाने से पति-पत्नी के बीच प्यार और विश्वास बढ़ता है।

जैसा इसका नाम है, वैसे ही यह पौधा हमेशा हरा भरा रहता है। इसकी पॉजिटिव वाइब्स भी आपके प्यार को सदाबहार बनाए रखती है। नववविवाहितों के लिए सफेद फूल विशेष रूप से शुभ माने गए हैं। ये मन को शांति और स्थिरता देते हैं।

चंपा का पौधा –सफेद चंपा को पवित्रता, शांति और आध्यात्मिक ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। इसकी सफेद पंखुड़ियां शांति का प्रतिनिधित्व करती हैं। वहीं, सुनहरा केंद्र आंतरिक ज्ञान को दर्शाता है। पा के पौधे को घर में लगाने से पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास बढ़ता है।

चमेली का पौधा –चमेली के पौधे को पति-पत्नी के बीच प्यार और समर्पण बढ़ाने के लिए शुभ माना जाता है। इसे घर में दक्षिण दिशा में लगाने से माहौल सकारात्मकता और प्यार से भरा रहता है। चमेली के फूल की खुशबू सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह घर में बनाए रखती है। चमेली का पौधा तनाव कम करने में भी मददगार साबित होता है।

चांदनी का पौधा –चांदनी के पौधे की खुशबू और सुंदरता से घर का माहौल पॉजिटिव होता है। इस पौधे को घर में लगाने से पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास बढ़ता है। नव विवाहित जोड़ों को चांदनी के पौधे को दक्षिण दिशा में लगाना चाहिए। इससे उनके बीच प्यार बना रहता है।

सावन का पहला सोमवार व्रत 14 जुलाई को रखा जाएगा

भगवान शिव के भक्तों के लिए सावन का महीना बहुत महत्व रखता है। इस पूरे माह में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और सोमवार के दिन व्रत रखने का विधान है। शिव भक्त इस पवित्र माह का पूरे साल इंतजार करते हैं। कहा जाता है कि इस दौरान भोलेनाथ पृथ्वी पर आते हैं और अपने भक्तों के सभी कष्टों को दूर करते हैं।

हिंदू पंचांग के आधार पर इस साल सावन माह 11 जुलाई, 2025 से शुरू होगा। वहीं, इसका समापन अगले महीने यानी 09 अगस्त, 2025 को होगा। इस बार सावन में कुल 4 सोमवार व्रत पड़ेंगे। वहीं, सावन का पहला व्रत 14 जुलाई, सोमवार के दिन रखा जाएगा।

सावन सोमवार व्रत लिस्ट

सावन पहला सोमवार 14 जुलाई 2025
सावन दूसरा सोमवार 21 जुलाई 2025
सावन तीसरा सोमवार 28 जुलाई 2025
सावन चौथा सोमवार 4 अगस्त 2025

सावन सोमवार व्रत की पूजा विधि

सावन के पहले सोमवार पर जल्दी उठें और स्नान करें।

साफ कपड़े पहनें।हाथ में जल, पुष्प और अक्षत लेकर व्रत का संकल्प लें।

पूजा की थाली तैयार करें और एक वेदी भगवान शिव, माता पार्वती व गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें। उनका विधिपूर्वक अभिषेक करें।

बिल्व पत्र, धतूरा, भांग, शमी पत्र, सफेद चंदन, अक्षत, धूप, दीप, फल, फूल, मिठाई, पंचामृत आदि चीजें चढ़ाएं।

शिवलिंग पर भी गंगाजल और दूध चढ़ाएं।

'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का 108 बार जप करें।

सावन सोमवार व्रत की कथा सुनें या पढ़ें।

धूप और दीप जलाकर भगवान शिव की आरती करें।

व्रत के दौरान तामसिक चीजों से दूर रहें और सिर्फ फलाहार के रूप में फल, दूध, दही, साबूदाना, कुट्टू का आटा, सेंधा नमक आदि का सेवन कर सकते हैं।

व्रत के समापन के बाद ब्राह्मणों और गरीबों को दान-दक्षिणा दें।

जगन्नाथ यात्रा के दौरान घर लाएं ये चीजें, मिलेगा अपार धन और यश

हिंदू धर्म में जगन्नाथ रथ यात्रा का बहुत महत्व है। यह हर साल आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ निकाली जाती है। इस साल यह धर्म यात्रा 27 जून, शुक्रवार को शुरू होगी, जिसमें लाखों श्रद्धालु शामिल होंगे। ऐसा कहा जाता है कि इसमें शामिल होने से पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं, इस यात्रा से कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें जरूर लाना चाहिए।

रथ यात्रा के दौरान घर लाएं ये चीजें

निर्माल्य – पुरी में भगवान जगन्नाथ का विशेष प्रसाद, जिसे निर्माल्य कहा जाता है। ये एक तरह के सूखे चावल होते हैं। यह महाप्रसाद जगन्नाथ मंदिर के कोइली बैकुंठ के अंदर तैयार किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इसे घर लाने और ग्रहण करने से सभी पाप कट जाते हैं, और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

रथ की लकड़ी का छोटा टुकड़ा – जगन्नाथ रथ यात्रा के रथ नीम की लकड़ी से बनाए जाते हैं। यात्रा पूरी होने के बाद इन रथों की लकड़ियों के कुछ अंश भक्तों को दिए जाते हैं। कहते हैं कि रथ की लकड़ी का एक छोटा टुकड़ा घर में लाने से जीवन में सकारात्मकता आती है। इसके साथ ही घर में सुख-शांति बनी रहती है।

भगवान जगन्नाथ की तस्वीर – अगर आप रथ यात्रा में शामिल नहीं हो पाएं है, तो भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की एक छोटी प्रतिमा या तस्वीर घर लेकर आएं और नियमित रूप से उनकी पूजा करें। इससे भगवान की कृपा मिलेगी। साथ ही सभी दुख दूर होंगे।

महाप्रसाद – पुरी मंदिर का महाप्रसाद, जिसे अन्न ब्रह्म के रूप में जाना जाता है। इस महाप्रसाद को घर लाने से भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं।

तुलसी की माला – भगवान जगन्नाथ भगवान विष्णु के ही रूप हैं और तुलसी उन्हें बहुत ज्यादा प्रिय है। ऐसे में रथ यात्रा के दौरान पुरी से तुलसी की माला जरूर लाएं। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

65 की उम्र में भी थिएटर में दहाड़ रहे है साउथ अभिनेता नंदामुरी बालकृष्ण

अक्सर सेलिब्रिटी स्क्रीन पर सपोर्टिंग रोल करने लगते हैं लेकिन वहीं एक साउथ में कई ऐसे अभिनेता हैं जो ढलती उम्र में एक्शन करते दिखते हैं। यहां हम एक ऐसे ही अभिनेता के बारे में बात कर रहे हैं जो 65 की उम्र में बैक-टू-बैक फिल्में कर रहे हैं। और आज उनका 65वां जन्मदिन है।

दरअसल, 60 क्रॉस करने के बाद अगर कोई भी हीरो एक्शन स्टंट कर सकता है, लेकिन उन्हें अहा लगता है तो वो बलैया है। स्क्रीन पर बलैया यानी नंदामुरी बालकृष्ण को देखकर ही छोटे बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी को वाइब आ जाती है। फिल्म कोई भी हो, बलैया का नारा कॉमन है। दरअसल, मौजूदा सीनियर हीरो के बीच बलैया का स्तर अलग है। जब उनकी फिल्म आती है तो माहौल सामान्य नहीं होता। खास तौर पर बच्चों को बलैया की फिल्में उतनी पसंद नहीं आतीं, जितनी हमेशा आती हैं।

ढलती उम्र में भी वे सीटियों और जयकारों से थिएटरों को हिला देते हैं। बलैया, जिसकी कभी कुछ करोड़ की मार्केट नहीं थी, अब पहले दिन 50 करोड़ रुपये कमाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहा है। बलैया की असल लाइनअप को देखकर लगता है कि इसमें कोई हाइप नहीं है। आज बलैया का 65वां जन्मदिन है। इस मौके पर फिल्मी हस्तियों से लेकर राजनीतिक नेता तक अपनी शुभकामनाएं दे रहे हैं। जब बात सेलिब्रिटीज की आती है तो फैंस उनसे जुड़ी हर बात जानने में दिलचस्पी रखते हैं। उनके शौक क्या हैं? वे क्या खाते हैं? उन्होंने क्या पढ़ा है? ऐसी बातें जानने में उनकी दिलचस्पी है। बलैया के प्रशंसक जगजाहिर हैं। इसलिए उनके प्रशंसक यह जानने में रुचि रखते हैं कि बलैया ने क्या पढ़ा है। वैसे, बलैया ने उस समय अपनी डिग्री हासिल की थी। उन्होंने हैदराबाद के निजाम कॉलेज से बैचलर ऑफ कॉमर्स में अपनी डिग्री पूरी की।

अब भले ही यह कोई बड़ी बात न हो, लेकिन।।। उस समय, जब वे फिल्मों में व्यस्त कलाकार थे, उन्होंने अपने पिता की इच्छा के अनुसार अपनी डिग्री पूरी की। उन्हें वास्तव में डिग्री की जरूरत नहीं थी। लेकिन।।। उन्होंने अपने पिता की बात का सम्मान किया और इसे पूरा किया। बात अगर वर्कफ्रंट को लेकर करें तो फिलहाल, बलैया के हाथ में दो फिल्में हैं। वे बोयापति श्रीनु के निर्देशन में एक सीक्वल बना रहे हैं जिसका टाइटल अखंड 2 है। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है जिसने इसके रिलीज को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। फिल्म का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी। दूसरी ओर, बलैया गोपीचंद मालिनेनी के निर्देशन में अपनी 111वीं फ़िल्म बना रहे हैं, जिन्होंने वीरसिम्हा रेड्डी के साथ बलैया के प्रशंसकों को भरपूर भोजन दिया था।

आशिक अरबपति पर सना सुल्तान ने कहा

दर्शकों को पसंद आएगी मेरी कहानी

अभिनेत्री सना सुल्तान को एएलटीटी की नई वर्टिकल सीरीज कुटिंग्स के लिए चुना गया है। सना कुटिंग्स यूनिवर्स के एक एपिसोड 'आशिक अरबपति' में नजर आएंगी। सीरीज के बारे में अपने विचार को व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि यह महिला के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं पर आधारित है। दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी। सीरीज के बारे में सना ने बताया, कुटिंग्स एक वर्टिकल ड्रामा सीरीज है। यह एक खूबसूरत फॉर्मेट है, जिसमें रोमांच, रहस्य, भावनाएं, प्यार, नफरत सब कुछ छोटे-छोटे एपिसोड में समाहित हैं।

फॉर्मेट के बारे में अपनी पसंद को जाहिर करते हुए उन्होंने बताया, मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि इतने कम समय में बहुत कुछ अनुभव करने या सीखने को मिला। यह एक बहुत ही रोमांचक कॉन्सेप्ट है और मुझे विश्वास है कि लोग इसे पसंद करेंगे और इससे जुड़ाव महसूस करेंगे।

सना ने आगे बताया, मेरी कहानी में आप सब कुछ देख सकेंगे। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसके दो पक्ष हैं। वह एक तरफ तो नरम है, वहीं दूसरी ओर सख्त भी है। मैं यह कह सकती हूं कि मेरी कहानी बहुत ही शानदार और दर्शकों को पसंद आने वाली है और एक महिला के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को छूती है।

सना ने खुलासा किया कि जब उन्हें यह ऑफर हुआ तो उन्होंने बिना देरी किए झट से हां कह दिया था। उन्होंने बताया, खुद एक कंटेंट क्रिएटर होने के नाते मैं रील और शॉर्ट-फॉर्म वीडियो के क्रेज को समझती हूं। इसलिए, मुझे इसकी खूबियों के बारे में अच्छी तरह से पता था।सना ने कहा, लोग इसे देखेंगे तो पसंद करेंगे। क्योंकि, इसकी क्वालिटी और स्टोरी दोनों बेजोड़ हैं। यह घर पर शूट किया गया एक रील नहीं, यह एक अच्छी तरह से निर्मित शो है, जो एक छोटे, वर्टिकल फॉर्मेट में एक फिल्म देखने जैसा अनुभव देगा।

मालिक की धड़कन बनीं मानुषी छिल्लर

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपनी अगली फिल्म मालिक में एक ऐसी भूमिका में नज़र आने वाली हैं, जो पहले कभी नहीं देखी गई है। 11 जुलाई को रिलीज़ होने वाली इस बहुप्रतीक्षित गैंगस्टर ड्रामा के निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म में मानुषी छिल्लर का लुक जारी कर दिया है। एक साधारण लेकिन पारंपरिक भारतीय पोशाक में सजी मानुषी इस पोस्टर में बेहद सौम्य, खूबसूरत और शालीन नज़र आ रही हैं, और उनके साथ लीड एक्टर राजकुमार राव भी दिखाई दे रहे हैं। मानुषी ने अपने ग्लैमरस व्यक्तित्व से हट कर एक साधारण और पारंपरिक लुक अपनाया है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। फिल्म का निर्देशन पुलकित ने किया है और इसे कुमार तौरानी और जय शेवकरमणि ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में मानुषी को एक ऐसे किरदार में दिखाया गया है, जिसे उन्होंने अभी तक बड़े पर्दे पर नहीं निभाया है।

इस फर्स्ट लुक के ज़रिए मानुषी न सिर्फ चौंकाती हैं, ब्लकि हमें प्रभावित भी करती है! वह मालिक के साथ अपनी पिछली ऑन-स्क्रीन प्रस्तुतियों और भूमिकाओं से एक सूक्ष्म बदलाव करती हैं, इस प्रकार इंडस्ट्री में वो खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में गंभीरता से लिए जाने की उनकी महत्वाकांक्षा का संकेत देती हैं। 'मालिक की धड़कन' के रूप में पेश किए गए पोस्टर में मानुषी और राजकुमार की जोड़ी बेहद आकर्षक लग रही हैं। राजकुमार राव ने मानुषी के किरदार का परिचय देते हुए लिखा, जिनके बिना चलती नहीं मालिक की धड़कन, उनसे होगी आज मुलाक़ात जहां पोस्टर में दोनों लीड किरदारों के बीच प्यार और केमिस्ट्री की झलक मिलती है, वहीं चूंकि मालिक एक गहन गैंगस्टर ड्रामा है, इसलिए अटकलें लगाई जा रही हैं कि मानुषी की किरदार केवल एक पारंपरिक प्रेमिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उसमें कई परतें होंगी।

फिल्म में बंगाल के दिग्गज अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी, अंशुमान पुष्कर और स्वरानंद किरकिरे जैसे दमदार कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। सूत्रों के अनुसार, मानुषी का किरदार फिल्म की कहानी में बेहद अहम है और मेकर्स इसकी डिटेल्स रिलीज़ से पहले उजागर नहीं करना चाहते। पोस्ट के नीचे कई नेटिज़न्स ने मानुषी की सादगी की प्रशंसा करने से लेकर उनके आराम क्षेत्र को चुनौती देने वाली भूमिकाएं करने के लिए उनकी प्रशंसा करना शामिल है। मालिक की रिलीज़ के बाद, मानुषी अगली बार तेहरान में दिखाई देंगी, जहाँ वह जॉन अब्राहम के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

पारुल गुलाटी ने दोनाली के लिए ली बंदूक चलाने की ट्रेनिंग, कहा

स्क्रीन पर दिखना चाहती हूं दमदार

अभिनेत्री पारुल गुलाटी ने अपने किरदार को असली और दमदार दिखाने के लिए बंदूक चलाने की कड़ी ट्रेनिंग ली। उन्होंने खास तौर पर 'देसी कट्टा' और 'डबल बैरल रायफल' जैसी बंदूकें चलाना सीखा, ताकि उनका किरदार स्क्रीन पर दमदार और प्रभावशाली लगे। पारुल गुलाटी वेब सीरीज 'दोनाली' में एक डकैत का किरदार निभा रही हैं। अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, डकैत का रोल करना मेरे लिए बहुत मुश्किल लेकिन मजेदार अनुभव रहा। मैं चाहती थी कि जब मैं बंदूक पकड़ूं और चलाऊं, तो वह स्क्रीन पर असली लगे और लोगों को मेरा किरदार सच्चा लगे।

उन्होंने आगे कहा, इस किरदार को निभाने के लिए सिर्फ एक्शन ही जरूरी नहीं होता, बल्कि उसमें सही रवैया, चाल-ढाल और असलीपन दिखाना भी जरूरी होता था। देसी कट्टा और डबल बैरल रायफल चलाना सीखने से मुझे अपने किरदार को एक नया नजरिया मिला और मैं इसे पूरी तरह से बेहतरीन करना चाहती थी।्रपारुल सीरीज 'दोनाली' में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह अभिनेता दिव्येंदु और बरुण सोबती के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

सीरीज का निर्देशन ई निवास ने किया है। इसमें चंकी पांडे, यशपाल शर्मा और अन्य कलाकार भी अहम किरदार में हैं। इसकी कहानी 1960 के दशक में चंबल के बीहड़ इलाके की सच्ची घटनाओं पर आधारित है। इसकी शूटिंग मध्य प्रदेश में की गई है। पारुल गुलाटी एक उद्यमी और मॉडल भी हैं। उन्होंने कई टीवी शो और पंजाबी फिल्मों में काम किया है।

सपरिवार उज्जैन पहुंचीं अभिनेत्री कुनिका सदानंद, किए महाकाल के दर्शन

अभिनेत्री कुनिका सदानंद मंगलवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित बाबा महाकाल के दरबार पहुंचीं, जहां उन्होंने महाकालेश्वर के दर्शन किए। अभिनेत्री के साथ उनका परिवार भी नजर आया। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से अभिषेक शर्मा ने अभिनेत्री कुनिका का स्वागत किया। मंदिर पहुंची कुनिका नंदी हॉल में शिव साधना करती और नंदी पर जल अर्पित करती दिखीं। चांदी द्वार से माथा टेककर उन्होंने परिवार संग भगवान का आशीर्वाद लिया।

कुनिका ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1988 में आई फिल्म 'कब्रिस्तान' से की थी। उन्होंने 'बेटा', 'गुमराह' और 'खिलाड़ी' जैसी कई फिल्मों में नकारात्मक भूमिकाएं निभाई। कुनिका ने 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। फिल्मों के अलावा, वह टीवी शो 'स्वाभिमान', 'काना फूसी', 'प्यार का दर्द है मीठा-मीठा प्यारा-प्यारा', 'अकबर बीरबल', 'दिल्ली वाली ठाकुर गर्ल्स' में भी काम कर चुकी हैं। कम लोग ही जानते हैं कि वह अभिनेत्री के साथ ही बेहतरीन गायिका भी हैं। कुनिका सदानंद से पहले 'केजीएफ' फेम साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार यश भी महाकाल के दर्शन को उज्जैन पहुंचे थे। महाकालेश्वर मंदिर में होने वाली भस्म आरती लोकप्रिय है और इसमें शामिल होने के लिए दुनियाभर से श्रद्धालु उज्जैन आते हैं।

दीपिका पादुकोण देशभर में खोलेंगी पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के 75 नए सेंटर

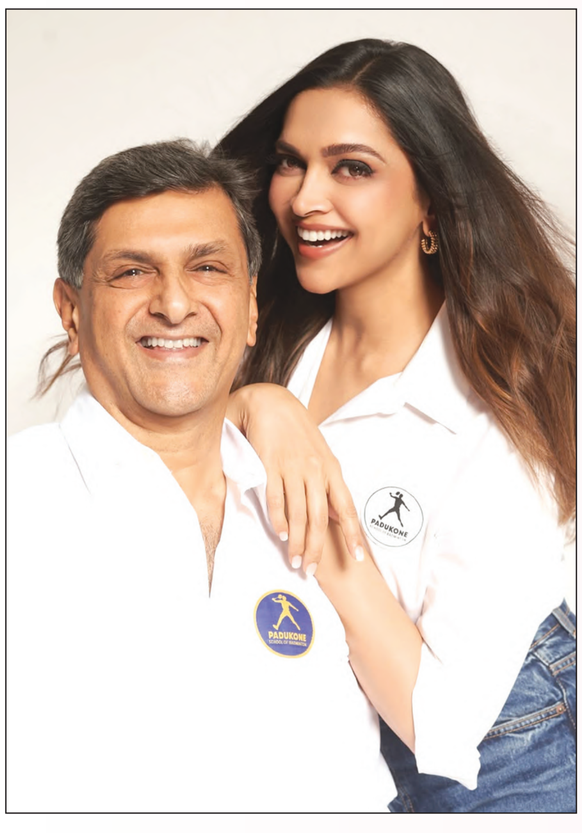

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण जितनी बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, उतनी ही अच्छी बैडमिंटन प्लेयर रह चुकी हैं। बता दें कि वह नेशनल लेवल पर बैडमिंटन खेल चुकी हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि वह बचपन से ही बैडमिंटन खेलते हुए बड़ी हुई हैं। इस खेल ने उनकी ज़िंदगी को नया आकार दिया है। ऐसे में वह चाहती हैं कि और लोग भी इस खेल से जुड़ें, इसके लिए उन्होंने पूरे देश में 'पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन' के 75 नए सेंटर खोलने का लक्ष्य रखा है। दीपिका पादुकोण ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने पापा प्रकाश पादुकोण के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। उनके पापा बैडमिंटन के जाने-माने खिलाड़ी रह चुके हैं।

इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, मैंने बचपन में बैडमिंटन खेला है, और मैंने खुद महसूस किया है कि यह खेल इंसान की जिंदगी को कई तरीकों से बदल सकता है, शारीरिक, मानसिक और भावनाओं से भी। दीपिका ने बताया कि 'पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन' (पीएसबी) के 75 नए सेंटर देशभर में खोले जा रहे हैं। पीएसबी के जरिए हम चाहते हैं कि बैडमिंटन की खुशी और अनुशासन हर क्षेत्र के लोगों तक पहुंचे। हमारा मकसद है कि एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो, जो सेहतमंद हो, ध्यान से काम करे और खेलों से प्रेरित हो। प्रेस नोट में लिखा, पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन (पीएसबी), जिसकी शुरुआत दीपिका पादुकोण ने की है और इसे उनके पिता व पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण मार्गदर्शन दे रहे हैं, ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पीएसबी अपने पहले ही साल में भारत के 18 शहरों में 75 से ज्यादा कोचिंग सेंटर्स शुरू करने जा रहा है। इन शहरों में बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, जयपुर, पुणे, नासिक, मैसूर, पानीपत, देहरादून, उदयपुर, कोयंबटूर, सांगली और सूरत जैसे शहर शामिल हैं।

प्रेस नोट में आगे कहा गया, 'बैडमिंटन फॉर ऑल' के मिशन के साथ, पीएसबी का लक्ष्य है कि साल के अंत तक 100 सेंटर्स और अगले तीन सालों में 250 सेंटर्स तक पहुंचा जाए।

नोट में आगे कहा गया, अकादमी का मकसद है कि अच्छी और किफायती बैडमिंटन कोचिंग हर किसी को मिल सके, चाहे वह किसी भी उम्र का हो।प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में बनाई गई कोचिंग पद्धति के जरिए, यह संस्था देश भर के स्कूल के बच्चों और कामकाजी लोगों को बैडमिंटन से जोड़ना चाहती है। साथ ही, यह उन लोगों को भी मदद देना चाहती है जो बैडमिंटन कोच बनना चाहते हैं, ताकि उन्हें अच्छी ट्रेनिंग और एक स्थिर करियर मिल सके।

नोट में आगे लिखा गया, 'पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन' स्कूलों, संस्थाओं और पहले से मौजूद स्पोर्ट्स वेन्यू के साथ मिलकर छोटे-छोटे ट्रेनिंग सेंटर शुरू करता है। इन सेंटर्स से चुने गए अच्छे खिलाड़ी बेंगलुरु में मौजूद इसके तीन बड़े हाई-परफॉर्मेंस सेंटर्स में एडवांस ट्रेनिंग के लिए भेजे जाते हैं।

100 से ज्यादा कोचों को एक खास ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत तैयार किया गया है। साथ ही, पीएसबी के पास सबसे आधुनिक सुविधाएं हैं। इससे उनकी कोचिंग में एक जैसा तरीका और अच्छी क्वालिटी बनी रहती है, और वह आने वाले समय के चैंपियन खिलाड़ियों को पहचानकर उनकी मदद कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपकी योजना बाहर घूमने-फिरने की है तो आपको वक़्त हँसी-ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोगों से दूर रहें जिनकी बुरी आदतें आपके ऊपर असर डाल सकती हैं। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

रचनात्मक शौक़ आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी। आज आप इश्क़ की चाशनी ज़िन्दगी में घुलती हुई महसूस करेंगे। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार लें। समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है – क्योंकि आज आपका प्रिय जल्दी ही नाराज़ हो सकता है। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट-पट हो सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी-से-जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। आप-को ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएँ, जो आपको चाहते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए याद रखिये अगर समय की कद्र नहीं करेंगे तो इससे आपको ही नुक्सान होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

हाल की घटनाओं से आपका मन बेचैन हो सकता है। शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। घर को सजाने-संवारने के लिए अपने खाली समय का उपयोग करें। इसके लिए आप परिवार से सराहना पाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा-से-ज़्यादा रुमानी हो। कामकाज के मामलों को सुलझाने के लिए अपनी होशियारी और प्रभाव का इस्तेमाल करें। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन-देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच-विचार कर लें। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं सेहत के नज़रिये से दिन अच्छा हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। हवन/पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आपके लिए यह ख़ूबसूरत दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। आप घूमने-फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। आज आप हँसी-मजाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद-विवाद का रूप भी ले सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। जिसपर आप यक़ीन करते हैं, मुमकिन है वह आपको पूरा सच न बता रहा हो। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 जून 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा दोपहर 01:15 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 08:11 तक
योग : साध्य दोपहर 02:02 तक
करण : बव दोपहर 01:15 तक
चन्द्र राशि : वृश्चिक रात्रि 08:11 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : ज्येष्ठ पूर्णिमा पुण्य , गण्डमूल चालू है , मन्वादि तिथि , श्री कबीर जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 साल में राजस्थान को

केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में दिए 2 लाख 11 हजार करोड़ : भजनलाल

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की अद्भुत यात्रा को भारत के लिए प्रगति और गौरव के कल्याणकारी वर्ष बताए। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत न केवल एक उभरती हुई शक्ति बन रहा है, बल्कि हमारा देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। 2014 से पूर्व भारत चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन पथ प्रदर्शक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत संकल्प, अदम्य इच्छाशक्ति और जन-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ भारत की तकदीर और तस्वीर बदल दी। प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल भारत को एक नई दिशा दी, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक सम्मानजनक और शक्तिशाली पहचान भी दिलाई। आज भारत की आवाज विश्व मंच पर न केवल आदर से सुनी जाती है, बल्कि उसका सम्मान भी किया जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि भारत पुनः विश्व गुरु बने, जैसा कि वह प्राचीन काल में था। उनके नेतृत्व में भारत ने न केवल आर्थिक और तकनीकी प्रगति की, बल्कि अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को पुनः स्थापित किया है। योग और आयुर्वेद को वैश्विक मंच पर सम्मान मिला और भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा आज विश्व को दिशा दिखा रही है। आज भारत एक ऐसी शक्ति है जो न केवल अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखता है, बल्कि वैश्विक शांति और सहयोग के लिए भी काम करता है। आत्मनिर्भर भारत का उनका नारा केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत के हर नागरिक के लिए एक प्रेरणा है। हम सभी को मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करना चाहिए, जिन्होंने भारत को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। विकसित भारत की यह यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। हमें उनके नेतृत्व में और अधिक मेहनत करनी होगी, ताकि भारत 2047 तक एक विकसित, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बने।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के समावेशी विकास पर विशेष जोर दिया। इसलिए उन्होंने GYAN यानि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति पर ध्यान केंद्रित किया। पीएम मोदी ने कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज वितरित किया, 15 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल कनेक्शन प्रदान किए, पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से ज्यादा घरों का निर्माण किया गया, माताओं-बहनों के लिए 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण कराकर उन्हें सम्मान से जीवन जीने का हक प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने के साथ ही पहली बार केंद्र सरकार में 60 प्रतिशत मंत्री एससी, एसटी या ओबीसी वर्ग से शामिल किए।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 वर्षों के कार्यकाल में देशभर की 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ते हुए 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया। किसानों के उत्थान के लिए मोदी सरकार में अभिनव काम किए गए। वर्ष 2013-14 की तुलना में वर्ष 2025-26 में कृषि बजट में 5 गुना की वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को 3 लाख 70 हजार करोड़ रूपए वितरित, 25 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित, 2021-26 के लिए पीएम कृषि सिंचाई योजना के लिए 93 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए गए। इसी तरह महिलाओं के लिए 4 करोड़ 20 लाख सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए, पीएम मातृ वंदना योजना के तहत लगभग 4 करोड़ गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को 18 हजार करोड़ से अधिक की राशि वितरित की गई। सवेतन मातृत्व अवकाश 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया।

राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)।

राजस्थान को केन्द्रीय बिजली मंत्रालय द्वारा वायबिलिटी गैप फंडिंग के अंतर्गत 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहरलाल का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि यह आवंटन राज्य में ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देने के साथ ग्रीन एनर्जी के लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वीजीएफ के अंतर्गत यह सहायता भारत सरकार के पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड से दी जाएगी। राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए 18 लाख रुपए प्रति मेगावाट आवर की दर से 720 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आवंटन के फलस्वरूप राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के विकास को गति मिलेगी, जिससे सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्रोतों से उत्पन्न बिजली को संरक्षित कर आवश्यकता अनुसार उपयोग में लाया जा सकेगा। इससे ग्रिड स्थिरता में भी सुधार होगा और गैर-सौर घंटों एवं पीक लोड के दौरान बिजली की निर्बाध व सुलभ आपूर्ति में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश को ग्रीन एनर्जी हब बनाने के लिए संकल्पबद्ध है और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समयबद्ध प्रस्ताव प्रस्तुत कर बीईएसएस प्रणाली का विकास करने के लिए तत्पर है।मुख्यमंत्री ने केंद्रीय विद्युत मंत्री को पत्र लिखकर और व्यक्तिशः मुलाकात कर राजस्थान को अतिरिक्त बीईएसएस क्षमता आवंटित करने का आग्रह किया था।

टोंक के बनास नदी में 8 युवकों की डूबने से मौत

3 को सुरक्षित निकाला,सीएम भजनलाल ने जताया दु:ख

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)।

जयपुर घाट गेट से बनास नदी में नहाने गए 11 युवकों में से 8 की दुखद रूप से डूबने से मौत हो गई है। यह हृदय विदारक घटना टोंक जिले में बनास नदी के किनारे हुई, जहाँ खुशियों की तलाश में आए इन युवाओं को काल ने अपनी आगोश में ले लिया। हादसे में 3 युवक सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए हैं।

यह खबर सुनते ही टोंक से लेकर जयपुर तक शोक की लहर दौड़ गई। जिन घरों से हँसते-खेलते युवा निकले थे, वहाँ अब चीख-पुकार और मातम का माहौल है। स्थानीय लोगों की मदद से सभी शवों को बनास नदी से बाहर निकाला गया। यह मंजर इतना दर्दनाक था कि देखने वालों की रूह काँप उठी।

सभी 8 शवों को सआदत अस्पताल लाया गया है, जहाँ उन्हें मोर्चरी में रखवाया गया है। अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जमा है, जिनमें मृतकों के परिजन और परिचित शामिल हैं। हर आँख नम है और हर चेहरा इस असहनीय पीड़ा में डूबा है। टोंक के पुलिस अधीक्षक विकास सागवान और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र भाटी सहित अन्य अधिकारी अस्पताल में मौजूद हैं, जो स्थिति का जायजा ले रहे हैं और परिजनों को ढाँढस बँधा रहे हैं।इस बीच, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, टोंक जिले में स्थित बनास नदी में युवकों की डूबने से हुई मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को त्वरित रूप से रेस्क्यू एवं राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : बागडे

डीडवाना, 10 जून (एजेंसियां)।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से मिले, ग्रामीण क्षेत्र में आमजन को योजनाओं की जानकारी देकर लाभांवित करे तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक अभिवृद्धि के लिए विशेष प्रयास किये जाए।

राज्यपाल बागड़े मंगलवार को नगर परिषद कुचामन के मीटिंग हॉल में डीडवाना-कुचामन जिले के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

बागडे ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को नई शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षण - प्रशिक्षण कराते हुए विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने व उनके सर्वांगीण विकास के प्रयास करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि भारत के ऐतिहासिक एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के महत्वपूर्ण भंडार हैं। इससे विद्यार्थियों के बौद्धिक ज्ञान में वृद्धि हो ऐसे प्रयास हमारी शिक्षण व्यवस्था द्वारा किये जाए। उन्होंने जिले के ग्रामीण क्षेत्र में ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों को पुन: शिक्षा से जोड़ने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाने के निर्देश दिए। बागडे ने पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए पात्र व्यक्तियों को आवास उपलब्ध कराने, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत दूर-दराज तक के गांवों व ढाणियों को सड़कों से जोड़ने, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत नल कनेक्शन से शेष रहे घरों तक शीघ्र नल द्वारा जल पहुंचाने के लिए निर्देश दिए।

उन्होंने जिले में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेकर बारिश के मौसम में अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों की सफाई कराने तथा वर्षा जल का संग्रहण के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा संग्रहण व निस्तारण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की और कचरे को उचित प्रकार से निस्तारित करने, जैविक खाद बनाने के लिए निर्देश दिए। ।

18 मई को हुई असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा रद्द हो : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 10 जून (एजेंसियां)।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने क्ष्डउ द्वारा बीते 18 मई को आयोजित लिखित परीक्षा में हुई गम्भीर अनियमितताओं का हवाला देते हुए मांग करी कि जो तथ्य सामने आये हैं उसके आधार पर केवल परीक्षा ही रद्द न हो बल्कि एचपीएससी पर कानूनी कार्रवाई करते हुए चैयरमैन को बर्खास्त किया जाए। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जब अनियमितताओं की शिकायतों को लेकर अभ्यर्थी एचपीएससी चेयरमैन के पास गये तो उन्होंने हरियाणा के बच्चों को ही सनकी बता दिया। ऐसे एचपीएससी चेयरमैन को अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है, वो स्वयं इस्तीफा दें। प्रदेश की बीजेपी सरकार हरियाणा के नौजवानों का भविष्य चौपट करने में लगी है, इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस मुद्दे पर सांसद जय प्रकाश ने कहा कि क्ष्डउ चेयरमैन और सचिव की जिम्मेदारी तय हो और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करके उनको गिरफ्तार किया जाए।

मीडिया से बात करते हुए दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में ऐसी कोई भर्ती नहीं हुई जिसका पेपर लीक या परीक्षा रद्द न हुई हो। इसके चलते हजारों युवा ओवरएज हो गए और सरकारी नौकरी पाने का उनका सपना पूरी तरह टूट गया। कभी परीक्षा रद्द, कभी पेपर लीक, कभी दफ्तर में घू-सखोरी तो कभी प्रश्न पत्र में सवाल ही कॉपी पेस्ट करके परीक्षा की शुचिता, मर्यादा तार-तार की गई।

सोनी समाज ने की स्वर्णकला बोर्ड के गठन की मांग

जींद, 10 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा में सोनी समाज और अन्य वंचित वर्गों की राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग तेज हो गई है। लोक संपर्क विभाग हरियाणा के रिटायर्ड डीआईपीआरओ सुरेन्द्र कुमार वर्मा कोथ ने हरियाणा स्वर्णकला बोर्ड के गठन की वकालत की है, ताकि वर्षों से उपेक्षित इन समाजों के हितों का संरक्षण हो सके। वह जींद में सोनी समाज के प्रबुद्ध नागरिकों की एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे, जिसमें अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ जींद के जिला युवा प्रधान राजेन्द्र सोनी, मैढ क्षत्रिय सुनार धर्मशाला समिति रामराय के कार्यकारी प्रधान रविन्द्र आर्य सहित साधूराम, संजीव कुमार, विकास, सतीश, सुभाष वर्मा, शुभम और ताराचंद जैसे सक्रिय सदस्यों ने भाग लिया।सुरेन्द्र वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि हरियाणा स्वर्णकला बोर्ड के गठन के साथ ही, विभिन्न सरकारी बोर्डों, निगमों, आयोगों, सामान्य बॉडी, न्यायिक, शिक्षण व अन्य समकक्ष संस्थाओं में चेयरमैन, सदस्य, कोआर्डिनेटर, वाइस चांसलर या अन्य सम्मानित पदों पर सोनी समाज के निस्वार्थ भाव से काम करने वाले, साफ छवि वाले और सुयोग्य व्यक्तियों को ही अवसर दिए जाने चाहिए।

जेजेपी ने 13 वरिष्ठ पदाधिकारियों की घोषणा की

चंडीगढ़, 10 जून (एजेंसियां)।

जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन नवनिर्माण के तहत कई वरिष्ठ पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण नियुक्तियां की है। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने वरिष्ठ नेताओं से विचार-विमर्श करके 13 वरिष्ठ पदाधिकारियों की नियुक्तियों की सूची जारी की। जेजेपी ने पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और डॉ. केसी बांगड़ को वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी हैं।

राधेश्याम शर्मा को राष्ट्रीय प्रधान महासचिव, राजेंद्र लितानी को राष्ट्रीय संगठन सचिव, रणधीर सिंह झांझड़ा को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, धर्मबीर सिहाग को राष्ट्रीय कार्यालय सचिव और दलबीर धनखड़ को राष्ट्रीय प्रचार सचिव बनाया हैं। इनके अलावा जेजेपी ने अनुशासन समिति का भी गठन कर दिया हैं। इस कमेटी में पूर्व वीसी अजमेर सिंह मलिक को चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया हैं। साथ ही एडवोकेट कलम सिंह, रिटायर्ड ईआईसी निहाल सिंह, एडवोकेट विजय बंसल, एडवोकेट अदरीश खान और पूर्व सूचना आयुक्त एडवोकेट पंकज मेहता अनुशासन समिति के सदस्य होंगे।

नायब सिंह सैनी के साथ विधायकों और स्टाफ ने किया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल का अभ्यास

चंडीगढ़, 10 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा विधान सभा का परिसर मंगलवार को योगमय दिखाई दिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के विधायकों और विधान सभा के अधिकारी कर्मचारियों ने मनोयोगपूर्वक योग किया। हरियाणा योग आयोग और आयुष विभाग की समर्पित टीम ने यह योग प्रोटोकॉल करवाया। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए सभी से 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में शामिल होने का आह्वान किया। यह योग अभ्यास सत्र सकारात्मक ऊर्जा, सहभागिता और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

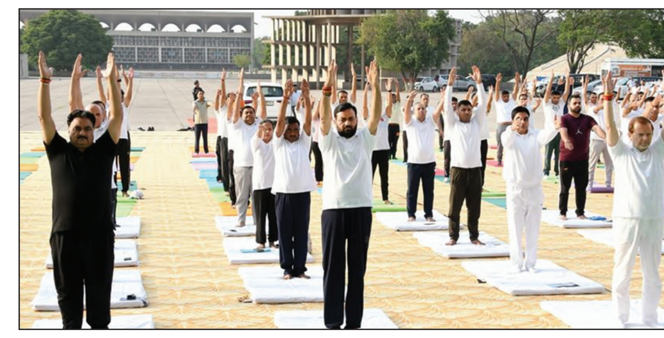

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया और सभी उपस्थित लोगों को भी नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की अमूल्य धरोहर है, जो केवल शारीरिक स्वास्थ्य का साधन नहीं, बल्कि जीवन को पूर्ण रूप से संयमित और संतुलित बनाने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से पूरी दुनिया ने भारत की इस प्राचीन विद्या को अपनाया है। हम सबका दायित्व है कि योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ जरूरी बैठक के कारण इस कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं हो पाए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि मन, आत्मा और शरीर के समन्वय का विज्ञान है। कल्याण ने सभी नागरिकों से अपील की कि 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में अधिक से अधिक भाग लें और योग को अपनी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाएं।

कार्यक्रम में हरियाणा योग आयोग के रजिस्ट्रार डॉ. राजकुमार ने प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया। उन्होंने अपने प्रशिक्षकों के साथ मिलकर उपस्थित प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास करवाया। कार्यक्रम का संचालन हरियाणा विधान सभा के मीडिया एवं संचार अधिकारी दिनेश कुमार ने किया। योग आयोग के उपाध्यक्ष रोशन लाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।इस अवसर सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा, विस उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, भाजपा विधायक दल के मुख्य सचेतक रामकुमार कश्यप समेत अनेक विधायक, आयुष विभाग के महानिदेशक संजीव वर्मा समेत अनेक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना बनी वरदान

नीतीश सरकार की पहल से हजारों मासूमों को मिली संजीवनी

पटना (एजेंसियां)। 'मेरा बच्चा मासूम है, उसके हृदय में छेद है, मेरे पास इतने पैसे कहां हैं, जो इसका इलाज करा पाऊंगी।' ऐसे लाचार शब्द अब बिहार में बीते दिनों की बात हो गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर शुरू की गई मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना ने न सिर्फ मासूम बच्चों को नया जीवन दिया है, बल्कि कई टूटते घरों को फिर से संजीवनी दी है।

राज्य सरकार की इस योजना के तहत बिहार में हृदय रोग से पीड़ित 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों का निःशुल्क उपचार और शल्य चिकित्सा कराई जाती है।

वित्तीय वर्ष 2024 25 में अब तक 763 बच्चों का सफल ऑपरेशन हो चुका है। अब ये बच्चे सामान्य जीवन जी रहे हैं और उनके घरों में एक बार फिर से खुशियां लौट आई हैं।

मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत वर्ष 2021 से अब तक 1,828 बच्चों का सफल ऑपरेशन किया जा चुका है। इनमें से 1,391 बच्चों की सर्जरी अहमदाबाद स्थित श्री सत्य साई हृदय अस्पताल में कराई गई। योजना की शुरुआत 5 जनवरी, 2021 को सात निश्चय पार्ट 2 के तहत की गई थी।

पटना के इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान और इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान को विशेष केंद्र के रूप में विकसित किया गया है।

अब तक राज्य में 9 स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें हजारों बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

इस योजना के तहत बच्चों की शुरुआती जांच, यात्रा खर्च, अस्पताल में भर्ती से लेकर ऑपरेशन तक का पूरा खर्च बिहार सरकार वहन करती है। एक अध्ययन के मुताबिक हर 1,000 नवजात में से 9 बच्चे जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित होते हैं, जिनमें से 25% को पहले वर्ष में सर्जरी की जरूरत पड़ती है।

जल्द ही 18 वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे लोगों को भी इस योजना के तहत निःशुल्क इलाज की सुविधा मिलेगी, जो दिल में छेद की बीमारी से ग्रसित हैं। इसके लिए श्री सत्य साई हृदय अस्पताल, अहमदाबाद में इलाज की तैयारी की जा रही है। राज्य सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और शीघ्र ही इसे लागू किया जाएगा।

नालंदा पुलिस को बड़ी सफलता

साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

नालंदा (एजेंसियां)। नालंदा जिले के कतरीसराय थाना क्षेत्र के परमानंदपुर गांव से साइबर ठगी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। यह गिरोह कुसुम योजना के तहत सोलर पंप लगाने और सस्ती ब्याज दर पर लोन फाइनेंस कराने के नाम पर लोगों से ठगी करता था। नालंदा पुलिस ने चार साइबर अपराधियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई नालंदा एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में की गई। विशेष छापेमारी दल ने सोमवार को परमानंदपुर गांव में छापेमारी कर चार अभियुक्तों को पकड़ा।

पुलिस जांच में पता चला कि आलोक कुमार और राहुल कुमार पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

आलोक पर गिरियक थाना में 2022 से 2024 तक धोखाधड़ी, जालसाजी और साइबर क्राइम के तहत मामले दर्ज हैं। राहुल कुमार पर भी साइबर क्राइम के केस दर्ज हैं।

इस अभियान में कतरीसराय थाना अध्यक्ष सत्यम तिवारी के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों की टीम शामिल थी, जिनमें दारोगा आदित्य कुमार, मुकुंद भारती, अनिल गुरुदेव खड़िया, प्रसेनजीत चौधरी, मनीष कुमार, स्वीटी सोरेन और अन्य शामिल रहे।

लालू ने आंकड़े दिखा एनडीए सरकार पर बोला हमला

नीतीश-भाजपा ने विधि व्यवस्था का अंतिम संस्कार कर दिया

पटना (एजेंसियां)। आगामी विधानसभा सभा चुनाव से पहले विपक्ष नीतीश सरकार को आंकड़े दिखाकर घेरने में कोई कमी नहीं छोड़ रही है। अब तक नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आंकड़े दिखाकर नीतीश सरकार पर सवाल उठाते रहे हैं। अब उनके पिता और राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने एनडीए सरकार पर हमला बोला और कई आरोप भी लगा दिए।

राजद सुप्रीमो ने सोशल मीडिया पर लिखा कि नीतीश बताएं कि शाम पांच बजे से पहले घर में घुसकर ही कितनी हत्याएं हो रही है? क्या नीतीश जानते, पहचानते और समझते हैं कि उनके शासनकाल में आधिकारिक आंकड़ों में 65,000 हत्याएं हुई है? 65,000 लोगों की हत्याएं हुई है। लालू प्रसाद ने आगे लिखा कि नीतीश-भाजपा ने विधि व्यवस्था का दम ही नहीं निकाला बल्कि उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया है। बिहार में इतनी भ्रष्ट, लापरवाह और कामचोर पुलिस कभी भी, कभी भी नहीं रही।

तीन दिन पहले भी लालू प्रसाद यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोला था। सात जून को उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बिहार में अपराधी बेलगाम हैं। अफसरशाही मदमस्त हैं। सरकार बेहोश है और महंगाई रिकॉर्डतोड़ है।राज्य गरीबी, बेरोजगारी, पलायन बढ़ गई है। 20 वर्षों की इस एनडीए सरकार ने बिहार का बंटाधार कर दिया है।

नशे के खिलाफ चला सघन अभियान

8 गिरफ्तार, भारी मात्रा में स्मैक और शराब जब्त

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों नशे का अवैध कारोबार तेजी से फैल रहा है।

सुखा नशा और देसी शराब की खुलेआम बिक्री से जहां युवा पीढ़ी को नुकसान हो रहा है, वहीं पुलिस भी इसके खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई में जुटी हुई है। इसी क्रम में पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जहानाबाद में मादक पदार्थों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया गया।

सदर एसडीपीओ राजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में यह अभियान देर रात शहर के पंचमुहल्ला सहित कई इलाकों में चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने 100 ग्राम स्मैक और लगभग 100 लीटर देसी शराब जब्त की। कार्रवाई के दौरान 8 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, जिनसे पूछताछ जारी है।

एसडीपीओ राजीव कुमार सिंह ने जानकारी दी कि यह छापेमारी गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी और आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिले में नशे के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ पुलिस का रुख बेहद सख्त रहेगा और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि इससे क्षेत्र में नशे के बढ़ते प्रभाव पर लगाम लगेगी। साथ ही पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि ऐसे नशा तस्करों का सामाजिक बहिष्कार करें और उनकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें। गौरतलब है कि जहानाबाद में सुखा नशा की लत बच्चों और नौजवानों में तेजी से बढ़ रही है, जिससे उनका भविष्य खतरे में पड़ रहा है। पुलिस और प्रशासन इस दिशा में लगातार गंभीरता से प्रयासरत है।

राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम को लेकर पटना एयरपोर्ट से रवाना हुई मेघालय पुलिस

पटना (एजेंसियां)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्यारोपी सोनम रघुवंशी को पुलिस ने पटना के फुलवारीशरीफ थाने में रखा था। इसके बाद पटना एयरपोर्ट से इंडिगो की फ्लाइट से सोनम को लेकर रवाना हो गई। पुलिस टीम पहले कोलकाता पहुंचेगी फिर गुवाहाटी होते हुए शिलॉन्ग जाएगी।

बताया जा रहा है कि सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया था। वहां से उसे पटना लाया गया। कड़ी सुरक्षा के बीच सोनम को थाना परिसर स्थित अनुसंधान कक्ष में रखा गया है। यहां वह चुपचाप कुर्सी पर बैठकर टेबल पर सिर रखकर सोती दिखी। सोनम पूरी तरह से खामोश है। न वह किसी से बात कर रही है।

थाना में मौजूद पुलिस अधिकारी ने उसे चाय और नाश्ता भिजवाया, लेकिन उसने अब तक कुछ भी नहीं खाया है।

इधर, सोनम की मौजूदगी की खबर मिलते ही फुलवारी शरीफ थाना के बाहर मीडिया कर्मियों की भारी भीड़ जमा हो गई। वहीं पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है और किसी को भी अनुसंधान कक्ष या उसके आसपास जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। मेघालय से तीन पुलिसकर्मी और एक पुलिस पदाधिकारी के साथ मेघालय पुलिस यूपी के गाजीपुर से पति की हत्या में गिरफ्तार पत्नी सोनम को लेकर परिवार से थाना पहुंची है।

इधर, सोनम को जिस कमरे में रखा गया है, वहां तीन महिला पुलिसकर्मी निगरानी में तैनात हैं। सूत्रों के अनुसार मेघालय पुलिस रास्ते में सोनम से कई बार पूछताछ की कोशिश कर चुकी है लेकिन उसने पूरी चुप्पी साध रखी है। फिलहाल सोनम के खिलाफ हत्या के साथ-साथ साजिश और सबूत मिटाने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। मेघालय पुलिस सोनम को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गई है जहां आगे की पूछताछ होगी।

रोहिणी आचार्य ने पीएम मोदी और सीएम नीतीश पर बोला हमला

11 साल के कार्यकाल को लेकर निशाना साधा

पटना (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बाद अब उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने एनडीए सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर मोदी और नीतीश कुमार सरकार पर कई आरोप लगाए। सीएम नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए रोहिणी ने लिखा कि 'कुर्सी पकड़ कुमार' बेबस वब दिमागी रूप से लाचार हैं। पुलिस और सरकार अपराधियों के सामने घुटने टेक चुकी है। अब केवल सुशासन का झूठा प्रचार चल रहा है। यह अपराध के बोलबाले वाला बिहार है। रोहिणी ने आगे लिखा कि

चहुंओर अपराध है। गोलियों की बौछार है। पुलिस से ज्यादा अपराधी वजनदार है। यही है नीतीशे कुमार जी के शासन में बिहार का सूरत-ए-हाल।

राजद नेत्री रोहिणी आचार्य ने पीएम मोदी के 11 साल के कार्यकाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि नेहरू जी, इंदिरा जी, यूपीए की सरकारों की उपलब्धियों में जबरिया खोट निकालते-निकालते, पूर्ववर्ती सरकार की उपलब्धियों को अपना बताते-बताते ही मोदी सरकार के 11 साल बीत गए। इन 11 सालों में कुछ ऐसा किया ही नहीं जिसे यह सरकार बेमिसाल बता सके।

रोहिणी ने आरोप लगाया कि 'देश की जमीन पर विदेशी अतिक्रमण, सीमा पार से धड़ल्ले से घुसपैठ जारी है। अनवरत आतंकवाद का प्रहार है। कमरतोड़-बेलगाम महंगाई है। बेहिसाब बेरोजगारी है। डॉलर के मुकाबले दिन-ब-दिन कमजोर होता रुपया, देश पर विदेशी कर्जे का ऐतिहासिक बोझ है। गलत विदेश के कारण नीति से भारत वैश्विक पटल पर अलग-थलग पड़ गया है। पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर में पिछले दो वर्षों से अराजकता कायम है। संवैधानिक संस्थाओं-व्यवस्थाओं पर कब्जे की कोशिशें, संविधान को बदलने की कुत्सित मंशा, विपक्ष के खिलाफ सरकारी एजेंसियों का बेवजह इस्तेमाल, सैन्य-बलों के पराक्रम और सेना के अभियानों को अपना श्रेय बता चुनावी-राजनीतिक फायदा लेने की कवायदें'। यही सब तो पिछले 11 सालों में देश को मोदी सरकार से मिला है। मगर बड़ी बेशर्मी से अपनी पीठ खुद ही थपथपाने का सिलसिला जारी है।

जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज में मरीज को स्लाइन लगाते सुरक्षा गार्ड का वीडियो वायरल

मधेपुरा (एजेंसियां)। मधेपुरा के जननायक कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। 800 करोड़ रुपये की लागत से बना यह मेडिकल कॉलेज शुरुआत से ही विवादों में रहा है। अब एक वायरल वीडियो ने इसकी लचर व्यवस्था को फिर से उजागर कर दिया है। इस बार मामला सर्जरी वार्ड का है, जहां मरीजों का इलाज प्रशिक्षित नर्सों के बजाय सुरक्षा गार्ड कर रहे हैं।

घटना चौथी बिल्डिंग के मेडिसिन वार्ड की है। जहां दो महिलाएं एक वृद्ध मरीज का इलाज कराने पहुंची थीं। मरीज की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने ड्यूटी पर तैनात नर्स से संपर्क किया, लेकिन नर्स ने मरीज को देखने के बजाय एक सुरक्षा गार्ड को स्लाइन लगाने की जिम्मेदारी सौंप दी। गार्ड ने अनुभवहीनता के साथ स्लाइन लगाने की कोशिश की, लेकिन स्लाइन खुल गया और दवा बहने लगी। परिजनों की शिकायत पर गार्ड ने दोबारा स्लाइन लगाया, जो कई असफल प्रयासों के बाद सफल हुआ। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसने अस्पताल प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया।

मरीजों और परिजनों ने बताया कि वार्ड में नर्सें बार-बार बुलाने पर भी नहीं आतीं और आने पर दुर्व्यवहार करती हैं। एक अन्य मामले में जब परिजनों ने नर्स का वीडियो बनाया, तो नर्स ने मरीज को धमकी दी कि वीडियो बनाने से कुछ नहीं होगा। इसके बाद मरीज को इधर-उधर भटकाया गया और डिस्चार्ज के समय भी फाइल न मिलने की शिकायत सामने आई। परिजनों का कहना है कि उन्हें एक घंटे बाद आने को कहा गया, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई। मेडिकल कॉलेज के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. अंजनी कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी मिलने के बाद तत्काल कार्रवाई की गई है। सुरक्षा गार्ड को वार्ड से हटा दिया गया है और संबंधित स्टाफ नर्स से स्पष्टीकरण मांगकर विभाग को सूचित किया गया है।

थाने में तैनात एएसआई पर भ्रष्टाचार का केस, डीजीपी के निर्देश पर कार्रवाई

दरभंगा (एजेंसियां)। मधुबनी जिले के हरलाखी थाना में तैनात सहायक अवर निरीक्षक प्रमोद कुमार पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एएसआई को एक केस के निपटारे के एवज में अपने सरकारी आवास पर रिश्वत लेते हुए देखा गया। हालांकि वीडियो की पुष्टि अमर उजाला नहीं करता, लेकिन इस क्लिप के वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया और बिहार पुलिस के डीजीपी तक जा पहुंचा।

वीडियो के संज्ञान में आने पर डीजीपी ने मधुबनी के पुलिस अधीक्षक को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद तत्काल

जांच कराई गई, जिसमें एएसआई प्रमोद कुमार को दोषी पाया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर उसी थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

हरलाखी थाना में इससे पहले भी कई पुलिसकर्मी भ्रष्टाचार या अनुशासनहीनता के आरोप में कार्रवाई का सामना कर चुके हैं। एएसआई मनोज राम को रिश्वत लेते हुए वीडियो वायरल होने पर निलंबित किया गया था। एसआई ध्यानी पासवान को एक व्यक्ति को थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल होने पर सस्पेंड किया गया। पूर्व थानाध्यक्ष जितेंद्र सहनी को तस्करों से मिलीभगत के आरोप में निलंबित किया गया था। थाने के चौकीदार अजय कुमार का रिश्वत मांगने वाला वीडियो वायरल हुआ, जिसके बाद उन्हें भी निलंबित किया गया।

एएसआई प्रमोद कुमार के मामले में पहले पुलिस ने हरलाखी प्रखंड के पत्रकार हरि शम्भू को गिरफ्तार कर मामले को दबाने की कोशिश की। लेकिन जैसे ही मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचा, तब जाकर कार्रवाई की दिशा बदली और सच्चाई उजागर हुई।

इस पूरे घटनाक्रम ने बिहार पुलिस के भीतर भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को मजबूती से सामने रखा है। पहली बार मधुबनी जिले में किसी एएसआई पर उसी थाने में केस दर्ज हुआ है, जो पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। यह स्पष्ट संकेत है कि अगर कोई भी कानून का रक्षक कानून तोड़ेगा, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई तय है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com